CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 19°C
न्यूनतम : 08°C

मुजफ्फरनगर, मंगलवार 23 दिसम्बर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 342 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | पौष शुक्ल पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 | 2 रजब 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

डाक्टर लड़की का हिजाब खींचे जाने पर मोदी क्यों मौन : कांग्रेस पेज 2

स्मृति मंधाना 4,000 टी-20 रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं खेल टाइम्स

रोजगार के लिए गारंटी मिशन सम्पादकीय

भारत से संघर्ष में अल्लाह की मदद मिली: आसिम मुनीर पेज 12

जम्मू-कश्मीर तथा केंद्र शासित प्रदेशों के एनसीसी कैडेट गणतंत्र दिवस समारोह से पहले जम्मू के बाहरी इलाके नागरोटा स्थित एनसीसी शिविर में पूर्ण पोशाक पूर्वाभ्यास में भाग लेते हुए।

मनरेगा का खत्म होना सबकी नैतिक नाकामी: सोनिया गांधी

शाह टाइम्स ब्यूरो

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा: देशभर के करोड़ों लोगों को वित्तीय नुकसान होगा

मनरेगा पर बुलडोजर शीर्षक से छपा सोनिया गांधी का लेख पढ़ें: राहुल-प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और दूसरे कानूनों में बदलावों के जरिये वह जनता के अधिकारों पर आधारित कानूनी ढांचे को खत्म कर रही है।

श्रीमती गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक में सोमवार को अपने लेख में सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मनरेगा का कमजोर होना 'सबकी नैतिक नाकामी' है। इससे देशभर के करोड़ों लोगों को वित्तीय नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक कल्याण की पहल नहीं थी, बल्कि यह अधिकारों पर आधारित कार्यक्रम था, जो गांव के परिवारों को रोजी-रोटी की सुरक्षा और सम्मान देता था। मनरेगा ने महात्मा गांधी के सभी के कल्याण के सपने को पूरा किया और काम करने

का संवैधानिक अधिकार दिया था। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने सभी से एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि अब पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है कि हम एकजुट हों और उन अधिकारों की रक्षा करें, -शेष पृष्ठ दो पर

संसदीय समिति वीबी-जी राम जी से मनरेगा पर प्रभाव की करेगी समीक्षा

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने मनरेगा और वीबी - जी राम जी अधिनियम की समीक्षा करने के लिए 29 दिसम्बर की प्रस्तावित बैठक में ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण विकास मंत्रालय) के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है।

इस बैठक में वीबी - जी राम जी अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी और पुरानी एवं नई योजना की तुलना की जाएगी। यह बैठक वीबी-जी राम जी विधेयक को संसद के हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान संसद की मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मंजूरी देने के पश्चात हो रही है। इस नए कानून का मकसद ग्रामीण रोजगार और आजीविका गारंटी के लिए एक नया ढांचा देना है। इसे दो मुख्य आधारों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। पहला यह कि यह प्रभावी रूप से महात्मा गांधी के नाम पर चल रहे प्रमुख ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम की जगह लेता है।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में एक फीट तक बर्फबारी, मुगल रोड बंद

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में 40 दिन के चिल्लई कलां की शुरुआत रविवार से हो गई। पहले ही दिन गुलमर्ग-सोनमर्ग में 1 फीट तक बर्फबारी रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे बर्फबारी जारी रह सकती है। कश्मीर को जोड़ने वाले दो रास्ते मुगल रोड और सिंथन टॉप रोड बर्फबारी के कारण बंद किए गए हैं। श्रीनगर में खराब मौसम के कारण इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 फ्लाइट रद्द की गई।
जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद बर्फीली हवाएं मैदानी राज्यों तक पहुंच रही हैं। इसके चलते दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में तापमान लगातार गिरता जा रहा है। मध्य प्रदेश के 16, यूपी के 40, राजस्थान के 10, बिहार के 24, हरियाणा के 12 और उत्तराखंड के 6 जिले कोहरे की चपेट में हैं। यूपी और झारखंड में सर्दी के कारण 4 लोगों की मौत हो चुकी है।

इंजन में खराबी के कारण दिल्ली लौटा एआई का विमान

नई दिल्ली। एयर इंडिया का दिल्ली से मुंबई जा रहा एक विमान सोमवार सुबह इंजन में खराबी के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर लौट आया। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या एआई 887 दिल्ली से मुंबई जा रही थी। रास्ते में तकनीकी समस्या के कारण चालक दल के सदस्यों ने विमान को वापस दिल्ली हवाई अड्डे पर उतारने का फैसला किया। विमान की दिल्ली में सकुशल लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारा गया। उन्हें पूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विमान की जांच की जा रही है।

आज श्रीलंका जाएंगे जयशंकर, शीर्ष नेतृत्व संग करेंगे वार्ता

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में चक्रवाती तूफान दितवा से प्रभावित श्रीलंका का दौरा करेंगे और श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि विदेश मंत्री की यह यात्रा ऑपरेशन सागर बंधु की पृष्ठभूमि में हो रही है और यह भारत की पड़ोसी प्रथम की नीति को प्रदर्शित करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया उत्तराखंड में वन भूमि अतिक्रमण पर स्वत: संज्ञान

शीर्ष अदालत ने वन भूमि पर सभी निर्माण कार्यों पर तत्काल लगाई रोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

वन विभाग को दिया निर्देश, जहां पहले से रिहायशी मकान मौजूद नहीं, खाली जमीन को अपने कब्जे में लें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि पर बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जे के आरोपों को लेकर सोमवार को स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू की।

पहाड़ी जिलों में संरक्षित वन भूमि पर अनधिकृत कब्जे से जुड़ा यह मामला अदालत की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल थे। पीठ ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए वन भूमि पर सभी निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगा दी। साथ ही वन विभाग को निर्देश दिया कि जहां पहले से रिहायशी मकान मौजूद नहीं हैं, वहां की सारी खाली वन भूमि अपने कब्जे में ली जाए। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की कथित निष्क्रियता पर चिंता जताई और कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी हो गया है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें यह देखकर हैरानी हो रही है कि उत्तराखंड राज्य और उसके अधिकारी आंखों के सामने वन भूमि पर कब्जा होते देख भी मूक दर्शक बने हुए हैं। इसलिए हम इस मामले में स्वत: संज्ञान ले रहे हैं। न्यायालय ने उत्तराखंड के मुख्य -शेष पृष्ठ दो पर

माणिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर रोक, बची रहेगी विधायकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे की 1995 के धोखाधड़ी मामले में दोषसिद्धि पर रोक लगा दी।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीमित समय के लिए दोषसिद्धि पर रोक लगाने के आदेश से श्री कोकाटे फिलहाल विधानसभा की अयोग्यता से बच जाएंगे, जो उनके लिए एक बड़ी राहत है। भारत के मुख्य

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने श्री कोकाटे की ओर से बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर यह आदेश पारित किया। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उनकी सजा तो निलंबित कर दी थी, लेकिन दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।

सोनिया गांधी व राहुल गांधी को नोटिस जारी

नेशनल हेराल्ड मामला

दिल्ली हाईकोर्ट में ईडी की ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर हुई सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग शिकायत पर ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने शिकायत का संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया था।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित और लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आरएस चीमा ने अदालत में दलीलें दीं। दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की ईडी की याचिका पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च 2026 को होगी। हाईकोर्ट में ईडी ने 16 दिसम्बर के ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन अस्वीकार्य है, क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं है। विशेष जज विशाल गोगने ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए कहा था कि गांधी परिवार पुलिस की एफआईआर पाने का हकदार नहीं। दरअसल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गांधी परिवार को नेशनल हेराल्ड मामले में एफआईआर की प्रति देने का निर्देश दिया था। विशेष जज ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को चुनौती वाली दिल्ली पुलिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश सुनाया। जज ने हालांकि कि कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपियों को यह सूचना दी जा सकती है कि एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 3 अक्टूबर को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

धुंध की मोटी चादर में लिपटी दिल्ली

दृश्यता कम होने के चलते लोगों को करना पड़ा परेशानियों का सामना

नई दिल्ली। दिल्ली सोमवार सुबह ज़हरीली धुंध की मोटी चादर में लिपटी रही और कम दृश्यता होने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सीपीसीबी के डेटा के अनुसार सुबह 6.05 बजे दिल्ली का एक्यूआई 366 था, जो एक दिन पहले दर्ज किए गए 24 घंटे के औसत 377 से थोड़ा बेहतर था। सीपीसीबी के अनुसार एक्यूआई 101 और 200 के बीच मध्यम स्तर का होता है। इसके बाद 201 और 300 के बीच खराब और 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' होता है। वहीं, 400 से ऊपर का एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में आता है।बहुत खराब हवा में लंबे समय तक रहने से सांस की समस्या हो सकती है। यह उन लोगों के लिए खतरनाक है, जिन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं है। दिल्ली में रविवार को दक्षिण-पूर्वी हवाएं चल रही थीं और पिछले 24 घंटों में हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई थी, जिससे हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ।

मां-बेटी से गैंगरेप के पांच दोषियों को उम्रकैद

शाह टाइम्स ब्यूरो

प्रत्येक को 1.81 लाख रुपये अर्थदंड भी सुनाया, एक दोषी की हो चुकी है मौत, दो एनकाउंटर में हुए ढेर

बुलंदशहर। बुलंदशहर के नेशनल हाईवे-91 पर 28 जुलाई 2016 की रात गाजियाबाद निवासी कार सवार परिवार को बंधक बनाकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और सभी परिजनों से लूटपाट करने वाले पांच आरोपियों की सजा का ऐलान हो गया।

विशेष पॉक्सो न्यायाधीश ओपी वर्मा ने सभी दोषियों को उम्रकैद और 1.81 लाख रुपये प्रत्येक को अर्थदंड सुनाया। अर्थदंड की राशि का आधा हिस्सा पीड़ित बेटी और उसकी मां को

दिया जाएगा। मामले में पीड़ित परिवार ने दरिंदों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। सजा सुनाते हुए एडीजीसी वरुण कौशिक ने कहा कि ऐसे राक्षसों को सभ्य समाज से दूर रखा जाए। वहीं सजा सुनने के बाद आरोपियों ने कहा कि हम बेकसूर हैं, निर्दोषों को सजा सुनाई गई है। इस प्रकरण में छह आरोपियों के खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की थी। जिनमें से एक आरोपी की पूर्व में ही जिला कारागार में बीमारी के चलते मृत्यु हो चुकी है। जबकि, दो आरोपियों को अलग-अलग मामलों में नोएडा व हरियाणा पुलिस एनकाउंटर में -शेष पृष्ठ दो पर

उप्र विधानसभा में 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बजट का आकार मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का लगभग 3.03 प्रतिशत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया गया। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट पेश करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 का मूल बजट आठ लाख आठ हजार करोड़ रुपये का था, जिसके सापेक्ष अनुपूरक बजट का आकार 3.03 प्रतिशत है।

वित्त मंत्री ने बताया कि अनुपूरक बजट में राजस्व लेखा के तहत 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजी लेखा के तहत 6,127.68 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है। श्री खन्ना ने कहा कि इस बजट में औद्योगिक विकास, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, मेडिकल शिक्षा तथा गन्ना एवं चीनी मिल क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया गया है। अनुपूरक बजट में औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़ रुपये, ऊर्जा क्षेत्र के लिए 4,521 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 3,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा के लिए 639.96 करोड़ रुपये, महिला एवं बाल विकास के लिए 535 करोड़ रुपये, नेडा के लिए 500 करोड़ रुपये और मेडिकल शिक्षा के लिए 423 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

मोदी-लक्सन की टेलीफोन वार्ता के बाद हुई घोषणा

भारतीय माल को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा

नई दिल्ली। सरकार ने वैश्विक बाजार में भारतीय इकाइयों के लिए अवसर बढ़ाने की दिशा में निरंतर किए जा रहे प्रयासों के बीच सोमवार को न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सम्पन्न होने की घोषणा की, जो इस साल ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए व्यापक आर्थिक सहयोग के समझौतों के बाद भारत का तीसरा समझौता है।

इसके तहत न्यूज़ीलैंड अपने यहां आयात की जाने वाली सभी तरह की वस्तुओं (अपनी शत-प्रतिशत प्रशुल्क सूचियों) पर शुल्क समाप्त करेगा। इससे वहां भारत से जाने वाले सभी प्रकार के माल को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल गया है। इस कदम से वहां के बाजार भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग वस्तुएं और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। यह समझौता सेवाओं के क्षेत्र में न्यूज़ीलैंड का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रस्ताव है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन, निर्माण और अन्य व्यावसायिक सेवाओं में भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड और प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत के बाद भारत-न्यूजीलैंड एफटीए की संयुक्त रूप से घोषणा की गई। दोनों प्रधानमंत्रियों की इसी वर्ष मार्च में हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने व्यापार समझौते की बातचीत शुरू की थी। दोनों नेताओं ने कहा कि नौ महीने के रिकॉर्ड कम समय में समझौता वार्ता का पूरा होना साझा महत्वाकांक्षा और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाता है। दोनों पक्षों ने कहा है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा है कि इस एफटीए से दोनों देशों के बीच संबंधों का और विस्तार होगा और द्विपक्षीय आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। इससे व्यापार में वृद्धि के साथ एक दूसरे के यहां निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते की व्यवस्थाओं से दोनों देशों में नवाचार में लगे लोगों, उद्यमियों, किसानों, लघु और मध्यम उद्यमों, छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए मौके भी पैदा होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बहराइच में मासूम को सोते से दबोच ले गया भेड़िया

बहराइच। नेपाल सीमा से सटे पूर्वी उत्तर प्रदेश के बहराइच में भेड़ियों को आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को जिले के फखरपुर ब्लॉक स्थित रसूलपुर बरेटा गांव में भेड़िया एक तीन साल के मासूम बच्चे को जबड़े में दबाकर जंगल की ओर भाग गया। काफी तलाश के बाद बच्चे का क्षत विक्षत शव मिला। गांव के निवासी राम मनो. हर, जो पंजाब में मजदूरी करते हैं, की पत्नी ननकई अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। सोमवार की सुबह ननकई बरामदे में अपने तीन साल के बेटे अंशु को दूध पिलाने के बाद चारपाई में बच्चे को सुला कर अन्य काम में लग गई। इस बीवएक भेड़िया ने हमला कर दिया और मासूम को जबड़े में दबाकर भाग निकला। मां ननकई चीख-पुकार करते हुए भेड़िए के पीछे दौड़ी और करीब सौ मीटर तक उसका पीछा किया, लेकिन घने कोहरे के कारण भेड़िया गायब हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय पुलिस और वन विभाग को घटना की जानकारी दी।

धर्मांतरण के आरोप में ईसाई मिशनरी के चार लोग गिरफ्तार

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के थाना रोजा क्षेत्र में कथित रूप से प्रार्थना सभा के नाम पर धर्म परिवर्तन करने वाले ईसाई मिशनरी के एक महिला समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राज. श द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि थाना रोजा क्षेत्र के एक कॉलोनी में रविवार को धर्मांतरण की सूचना पर पुलिस पहुंची तो वहां एक बड़े कमरे में सभा चल रही थी। सभा स्थल पर ईसाई धर्म का प्रतीक चिन्ह भी लगा हुआ था और वहां दर्जनों महिलाएं मौजूद थीं, जिनमें इसाई के अलावा हिंदू महिलाएं एवं बच्चे शामिल थे।

डाक्टर लड़की का हिजाब खींचे जाने पर मोदी क्यों मौन:कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने कहा है कि पटना में एक डॉक्टर को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उसका हिजाब खींचने की घटना की पूरी देश-दुनिया में थू-थू हो रही है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर चुप्पी साधे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले ही पढ़ी लिखी बेटी का हिजाब खींचते हैं, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए, जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो उसे कौन से कपड़े पहनने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पर चुप्पी साधने की बजाय बताना चाहिए कि बेटियां क्या पहनकर बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि बेटियां छोटे कपड़े पहनें तो दिक्कत। हिजाब पहनें, तो दिक्कत, लेकिन असल में दिक्क़त बेटियां नहीं, दिक्कत खुद आप हैं। बेटी बचाओ, बेटी

■ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले ही पढ़ी लिखी बेटी का हिजाब खींच रहे

पढ़ाओ नारा अच्छा है, लेकिन जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो वह क्या कपड़े पहने हैं, ये सवाल बहुत गंभीर हो गया है। टाइट कपड़े पहने थे, तो गलती उसकी थी। अब कहा जा रहा है साब उसने हिजाब पहना था, गलती उसकी है। नीतीश कुमार प्रदेश के मुख्यमंत्री है और उन्होंने डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब कैमरे के सामने खींचने की बार बार कोशिश की है। इस दृश्य को देखकर कितने मां बाप हिम्मत दिखाएंगे कि वे अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए भेजें। कांग्रेस नेता ने कहा कि पढ़ लिखकर, मेहनत करके गरीबी से निकल. कर डाक्टर बनी नुसरत परवीन में सोचा था कि अच्छी नौकरी करेगी, लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री ही इस तरह की हरकत करते हैं। इस हरकत के बाद कोई हिम्मत दिखाएगा कि वह अपनी बेटी को पढ़ने के लिए भेजे। यहां सवाल हिजाब का नहीं, डाक्टर नुसरत परवीन का नहीं, बात मुसलमान की भी नहीं है, बात पल्लू की नहीं और घूंघट की भी नहीं है, सिखों की पगड़ी, धोती और लूंगी की भी नहीं है, बात है आपकी और मेरी मर्जी की, बात है मेरी और आपके सम्मान की, बात ये है कि अगर बच्ची पढ़ के बाहर निकलेगी, सार्वजनिक स्थान पर जाएगी तो फिर उसके लिए माहौल और वातावरण कितना सुरक्षित है, वह कितना महफूज महसूस करती है, इस आजादी को हम खत्म करते जा रहे हैं।

हमारी सरकार ने ग्रामीण रोजगार गारंटी 70 के दशक में कर दी थी शुरू: जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि ग्रामीण आबादी के लिए रोजगार की गारंटी की वह शुरू से ही समर्थक रही है और यही वजह है कि उसके नेतृत्व वाली सरकार ने 1970 में महाराष्ट्र में ग्रामीणों को सूखे के संकट से उबारने के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू कर दी थी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि 1970 के दशक में भीषण सूखे के बाद, महाराष्ट्र में वीपी नाइक के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण संकट से निपटने के लिए अग्रणी रोजगार गारंटी योजना की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि यह तो शुरुआत भर थी, इसके बाद 1980 के दशक के आरंभ में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दो नई योजनाओं राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एनआरईपी) और ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम शुरू कर दी थी।

विधान परिषद में सपा सदस्यों ने उठाया पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को राज्य विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। सपा के विधान परिषद सदस्य डॉ. मानसिंह ने सरकार से सवाल किया कि प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर क्या कोई निर्णय लिया गया है।

सरकार की ओर से जवाब देते हुए नगर विंकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक अप्रैल 2005 से नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई पेंशन प्रणाली को राज्य के राजकोषीय संतुलन को

■ प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर क्या कोई निर्णय लिया

बनाए रखने के साथ-साथ न केवल सरकारी कर्मचारियों, बल्कि संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के कार्मिकों तथा सामान्य जन के लिए बेहतर, राष्ट्रव्यापी वृद्धावस्था सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि एनपीएस दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे भविष्य में पेंशन दायित्वों का प्रबंधन सुचारु रूप से किया जा सके। इस पर सपा सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पेंशन बुढ़ापे की लाठी होती है और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का भरोसा देती है।

आपदा प्रबन्धन के लिए प्रशिक्षित प्रतिक्रिया प्रणाली जरूरी: डीजीपी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने कहा कि अब आपदा प्रबंधन केवल घटना के बाद प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए पूर्वानुमान आधारित, योजनाबद्ध और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विभाग अपनी-अपनी तैयारियां करते हैं, लेकिन आपात स्थिति में इन सभी को एकीकृत, समन्वित और समयबद्ध प्रतिक्रिया में बदलना सबसे अहम है। सोमवार को आगामी माघ मेला की तैयारियों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) द्वारा प्रयागराज में एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी एवं टेबल-टॉप एक्सरसाइज का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजीव कृष्ण, पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से सहभागिता की। संगोष्ठी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के वाइस चेयरमैन योगेन्द्र डिमरी, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के संबोधन से हुआ। इस अवसर पर माघ मेला के दौरान भीड़ के प्रभावी व्यवस्थापन, डूबने की घटनाओं की रोकथाम, शीत लहर तथा अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री कृष्ण ने प्रमुख वक्ता के रूप में अपने संबोधन में कहा कि कुंभ और माघ मेला विश्व के सबसे बड़े पब्लिक गैदरिग इवेंट में शामिल हैं।

सपा विधायक अतुल प्रधान के सवाल पर सीएम का तीखा जवाब

समय आने दीजिए जरूर चलेगा बुलडोजर:योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को कफ सिरप मामले में समाजवादी पार्टी विधायक अतुल प्रधान के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे प्रदेश में कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है। जांच होने दीजिए समय आने पर बुलडोजर भी चलेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप या नकली दवा से किसी भी व्यक्ति की मौत की कोई जानकारी शासन के संज्ञान में नहीं आई है और इस संबंध में फैलाए जा रहे भ्रम का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में हाल ही में पकड़े गए सबसे बड़े थोक विक्रेता को वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान लाइसेंस दिया गया था।

■ विधानसभा में कहा: पूरे प्रदेश में कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है, जांच होने दीजिए

■ वंदेमातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और क्रांतिकारियों की सच्ची भावना का प्रतीक

वर्तमान सरकार ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए जांच तेज कर दी है। योगी ने कहा कि एसटीएफ प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के भीतर कोडीन कफ सिरप का उत्पादन नहीं होता है। मुख्यमंत्री के अनुसार कोडीन कफ सिरप का उत्पादन मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में होता है। जिन मौतों के मामले सामने आए हैं, वे अन्य राज्यों से संबंधित हैं, न कि उत्तर प्रदेश से। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश सरकार जनस्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं करेगी और नकली दवा के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक अतुल प्रधान ने आरोप लगाया कि सरकार कफ सिरप मामले के आरोपियों को बचाने का काम कर रही है। इससे पहले सपा विधायक संग्राम सिंह ने कहा कि कोडीन माफिया को सरकार बचा रही है। सरकार का पूरा संरक्षण कोडीन माफिया के साथ है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कह चुके हैं कि इस मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की जाए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे स्पष्ट है कि सरकार कोडीन माफिया के साथ है। विधानसभा में राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदेमात. रम स्वतंत्रता संग्राम की चेतना का उद्घोष है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदेमातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और क्रांतिकारियों की सच्ची भावना का प्रतीक है।

विधानसभा में कफ सिरप मामले को लेकर सपा का हंगामा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसंभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा परिसर में प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सपा विधायक अतुल प्रधान हाथों में पोस्टर और होर्डिंग लेकर विधानसभा पहुंचे। हंगामे को विधानसभा अध्यक्ष ने शांत कराया, जिसके बाद प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू हो गई। अतुल प्रधान के एक पोस्टर में कफ सिरप की तस्वीर के साथ सिपाही आलोक सिंह के घर की फोटो लगी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि संबंधित मामले में बुलडोजर कार्रवाई कब की जाएगी। वहीं एक अन्य पोस्टर में लैंड क्रूजर वाहन की तस्वीर दिखाते हुए उन्होंने पूछा कि कथित तौर पर माफिया से जुड़ी इस गाड़ी को कब जब्त किया जाएगा। इस पोस्टर के जरिए उन्होंने धनंजय सिंह पर निशाना साधा। अतुल प्रधान अपने साथ सीटियां भी लेकर आए और लगातार सीटियां बजाईं।

सेंसेक्स 85567.48
निफ्टी 26172.40

सोना रु. 132394
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 200336
प्रति किलो

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन चढ़े

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गई और प्रमुख सूचक. ांक ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 638.12 अंक (0.75 प्रतिशत) की बढ़त में 85,567.48 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 सूचक. ांक भी 206 अंक यानी 0.79 फीसदी उछलकर 26,172.40 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 5 दिसम्बर के बाद का उच्चतम स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने खूब पैसा लगाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.76 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100

सूचकांक 1.17 प्रतिशत मजबूत हुआ। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही। आईटी और धातु सेक्टरों में सबसे अधिक तेजी रही। रसायन, ऑटो, फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में भी अच्छी मजबूती देखी गई। एनएसई में कुल 3,283 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें 2,252 के शेयर हरे निशान में और 923 के लाल निशान में बंद हुए। अन्य 108 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेसेक्स में ट्रेंट का शेयर सबसे अधिक 3.56 फीसदी और इंफोसिस का 3.06 फीसदी चढ़ा। भारती एयरटेल में 2.43 फीसदी, टेक महिंद्रा में 2.09, प्रतिशत से अधिक तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.67 प्रतिशत, बीईएल में 1.57, सनफार्मा में 1.50, मारुति सुजुकी में 1.32, टीसीएस में 1.28 और आईसीआईसीआई बैंक में 1.05 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड के शेयर भी बढ़त में बंद हुए। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 0.60 प्रतिशत टूट गया। कोटक महिंद्रा बैंक और इंडिगो के शेयर लाल निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.81 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0. 69 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.43 प्रतिशत चढ़ गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.04 फीसदी ऊपर था, जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.42 फीसदी की गिरावट रही।

न्यूजीलैंड के साथ एफटीए से द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा: उद्योग जगत

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने न्यूजीलैंड के साथ भारत की मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयंका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक व्यापार में भारत की पैठ बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि फिक्की भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार संधि का स्वागत करता है। यह हिद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और परस्पर सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही दोनों देशों के लिए व्यवसाय के नए अवसर बनेंगे। पीएचडी चैंबर के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार संधि का स्वागत करते हुए इसे विकसित भारत 2047 के भारत के विजन के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय निर्यात के लिए शत-प्रतिशत शून्य-शुल्क पर पहुंच उपलब्ध होगी। इससे छात्रों, पेशेवरों, छोटे तथा मझौले उद्यमों और श्रम-प्रधान सेक्टरों को मदद मिलेगी। निवेश, नियामक सहयोग और शुल्क-मुक्त निर्यात से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, वैश्विक मूल्य श्रृंखला के साथ भारतीय उद्योग के सभी सेक्टर जुड़ सकेंगे।

चावल, चीनी, दालें मजबूत, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए, जबकि गेहूं में गिरावट रही। चीनी और दालों की कीमतों में भी तेजी रही। वहीं खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 113 रुपये बढ़कर 3,853 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 14 रुपये टूटकर 2,856 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर आ गई। आटे की कीमत 13 रुपये घट गई। दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की कीमत औसतन 207 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 156 रुपये और चना दाल 148 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल 122 रुपये और उड़द दाल 94 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में

पाम ऑयल का मार्च वायदा 82 रिंगिट चढ़कर 3,987 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48.71 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल औसतन 71 रुपये और पाम ऑयल 56 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सरसों तेल 48 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। वनस्पति का भाव 142 रुपये और मूंगफली तेल का 45 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। सोया तेल में 24 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 103 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। चीनी भी 25 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7856.18 रुपये, मसूर काली 8161. 56 रुपये, मूंग दाल 10095.27 रुपये, उड़द दाल 10374.80 रुपये, तुअर दाल 10601.18 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2856.18 रुपये और चावल 3852.72 रुपये प्रति क्विंटल। आटा (गेहूं) 3299.42 रुपये प्रति क्विंटल। चीनी-गुड: चीनी एस 4312.81 रुपये और गुड़ 4975.84 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17616.64 रुपये, मूंगफली तेल 17862.47 रुपये, सूरजमुखी तेल 15772.78 रुपये, सोया तेल 13792. 47 रुपये, पाम ऑयल 12448.27 रुपये और वनस्पति 14468.87 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मनरेगा का.. . जो हम सभी की रक्षा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कई बुनियादी अधिकारों को एक-एक कर खत्म कर रही है। खेती क़ानूनों में सुधार का जिक्र करते हुए श्रीमती गांधी ने कहा कि कृषि से संबंधित तीन काले कानूनों के जरिये सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अधिकार से वंचित करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगाह किया कि सरकार भविष्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 को खत्म कर सकती है। वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि मनरेगा को खत्म कर उसने देश के लोकतंत्र और मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है। श्रीमती वाड्रा और श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को अपनी मां तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के एक अंग्रेजी अखबार में छपे लेख के समर्थन में यह टिप्पणी की है, जिसमें श्रीमती गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा को खत्म कर करोड़ों मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर बुलडोजर चलाया है। श्री गांधी ने अपनी पोस्ट में कहा कि न जनसंवाद, न संसद में चर्चा, न राज्यों की सहमति - मोदी सरकार ने मनरेगा और लोकतंत्र दोनों पर बुलडोज़र चला दिया है। यह विकास नहीं, विनाश है-जिसकी कीमत करोड़ों मेहनतकश भारतीय अपनी रोज़ी रोटी गंवा कर चुकाएंगे। श्रीमती गांधी जी का इस गंभीर मुद्दे के हर पहलू का पर्दाफाश करता हुआ लेख ज़रूर पढ़ें। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि मनरेगा ने महात्मा गांधी के सर्वोदय 'सभी का कल्याण' के दृष्टिकोण को साकार किया और काम करने के संवैधानिक अधिकार को लागू किया। इसका अंत हमारी सामूहिक नैतिक विफलता है, जिसके वित्तीय और मानवीय परिणाम भारत के करोड़ों मेहनतकश लोगों के लिए आने वाले वर्षों तक गंभीर रहेंगे। अब पहले से कहीं अधिक यह अनिवार्य है कि हम एकजुट होकर उन अधिकारों की रक्षा करें, जो हम सभी की रक्षा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने... सचिव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक को निर्देश दिया कि वे एक तथ्य-जांच समिति गठित करें, जो जमीनी हालात का आकलन कर अतिक्रमण की सीमा और राज्य प्रशासन की कार्रवाई पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करे। स्थिति में कोई और बदलाव न हो, इसके लिए पीठ ने निजी पक्षों को वन भूमि पर किसी भी प्रकार के तीसरे पक्ष के अधिकार बनाने से रोक दिया और स्पष्ट किया कि अगले आदेश तक कोई निर्माण नहीं होगा। अदालत ने दोहराया कि रिहायशी मकानों को छोड़कर सारी खाली वन भूमि वन विभाग के कब्जे में ली जाएगी। इस मामले की अगली सुनवाई पांच जनवरी को न्यायालय के पुनः खुलने के बाद होगी। न्यायालय में 19 दिसम्बर से 5 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां हैं। उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध कब्जे का मुद्दा कई रिपोर्टों में सामने आता रहा है, खासकर संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में, जहां तेजी से शहरी विस्तार हो रहा है।

मां-बेटी से... ढेर कर दिया है। 28 जुलाई की रात नोएडा निवासी एक परिवार के छह सदस्य शाहजहांपुर अपने पैतृक गांव में एक तेरहवीं में शामिल होने के लिए जा रहे थे। देहात कोतवाली क्षेत्र में दोस्तपुर फ्लाईओवर के निकट अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार पर कुछ लोहे की वस्तु फेंक कर रुकवा लिया था। इसके बाद आरोपियों ने कार सवार किशोरी, उसके पिता, मां, ताई, ताऊ व तहेरे भाई को बंधक बनाया और कार समेत सड़क के दूसरी तरफ एक खेत में ले गए। जहां, आरोपियों ने तीनों पुरुषों के हाथ पैर बांध दिए और वादी मुकदमा की 14 वर्षीय किशोरी व पत्नी के साथ आरोपियों ने खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी वहां से लूटपाट कर भाग निकले थे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा अफसरों की ऊर्जा व नई सोच महत्वपूर्ण: राधाकृष्णन

नई दिल्ली, वार्ता

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने में युवा अधिकारियों की ऊर्जा और नया करने की सोच महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राधाकृष्णन ने सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वर्ष 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग की 275 वर्षों से अधिक पुरानी समृद्ध तथा गौरवशाली विरासत है, जो इसे सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक बनाती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र 2047 तक विकसित भारत बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है इसे हासिल करने में सिविल सेवकों की

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि ये समावेशी हों और इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों की ऊर्जा और नई सोच राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने अधिक. ारियों से आग्रह किया कि उन्हें सेवा भाव और कर्तव्य बोध को अपना मार्गदर्शक मंत्र बनाना चाहिए। भारतीय रक्षा लेखा सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह सेवा भारतीय सशस्त्र बलों और संबद्ध संगठनों के वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रक्षा सेवाओं की लेखा एवं वित्तीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करते हुए अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय सशस्त्र बलों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को समझना और आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों की परिच. ालन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि ईमानदारी, पारदर्शिता, सतर्कता और जवाबदे. ही के उच्चतम मानकों को बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि सार्वजनिक धन करदाताओं की कड़ी मेहनत की कमाई का होता है। उपराष्ट्रपति ने तेजी से बदल रहे प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक विकास के युग में निरंतर क्षमता निर्माण के महत्व पर भी जोर दिया।

अजय कुमार ने रेल सुरक्षा सुधारों की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने सोमवार को यात्रियों की सुरक्षा के लिए देश की सभी रेलवे लाइनों पर सुरक्षा कवच लगाने तथा रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें बहाल करने की मांग की।

कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में किराया वृद्धि की हालिया घोषणाओं को आम आदमी के लिए 'नए साल का एक घटिया तोहफा' बताया। उन्होंने सरकार की कड़ी आला. चना करते हुए उस पर रेलवे को जनसेवा के बजाय 'वसूली का जरिया' बनाने का आरोप लगाया और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भारतीय रेलवे की बिगड़ती स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की। उन्होंने 2024 के चुनावों के बाद से सरकार द्वारा बार-बार किराया बढ़ाने पर प्रकाश डाला और

■ घोषणाओं को आम आदमी के लिए 'नए साल का एक घटिया तोहफा' बताया

बताया कि प्रति किलोमीटर किराया 2014 में 32 पैसे से बढ़कर आज 67 पैसे हो गया है, जो दोगुने से भी अधिक है। उन्होंने सरकार के संचार के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि रेल मंत्री वैष्णव ने आधिकारिक घोषणा के बजाय परिपत्र के माध्यम से पत्रकारों को सूचित करना चुना। कुमार ने यात्रियों के खराब अनुभवों की ओर ध्यान दिलाया और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें रेलवे के भोजन को 'मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त' बताया गया है, जबकि 2014 से भोजन की कीमतें 30 रुपये से बढ़कर 120 रुपये हो गई हैं।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

टक्कर लगने से जौला के दो अन्य व्यक्ति भी घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

भोपा। भोपा-मुज़फ्फरनगर मार्ग कासमपुर के पास तेजी से आ रही कार ने बाईक मे टककर मार दी। टक्कर लगने से जौली गांव निवासी दो व्यक्ति घायल हो गये। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सक ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।

भोपा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव जौली निवासी 50 वर्षीय अंजु पुत्र रमेश सोमवार की सुबह परिवार के ही फूल कुमार के साथ उसकी ससुराल जटमुझेड़ा मे बुलेट बाईक द्वारा जा रहे थे। जैसे ही वह कासमपुर चौराहे पर पहुंचे तभी

मृतक का फाइल फोटो।

भोपा की ओर से आ रही स्वीफ्ट कार ने बुलेट बाइक मे टककर मार दी। जिसमे अंजु व फूल कुमार घायल हो गये। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। जहां चिकित्सक ने अंजु को मृत घोषित कर दिया। फूल कुमार की हालत भी गंभीर बताई गयी है। पुलिस द्वारा मृतक अंजु के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक अंजु भोपा-मुज़फ्फरनगर मार्ग स्थित फैक्ट्री मे मजदूरी करता था।

मृतक अपने पीछे पत्नी पूनम सहित सात वर्षीय पुत्र रवि व पांच वर्षीय पुत्री जीत को छोड़ गया है। मृतक के परिवार मे माता सुमित्रा भाई ओमसिंह हैं। घटना से आसपास के क्षेत्र में शोक छाया हुआ है।

वेस्ट ऑयल गोदाम में लगी भयंकर आग

दीवार फांदकर भागने के प्रयास में मजूदर झुलसा, कई गाड़ियों ने पाया काबू

झुलसा कर्मचारी मेरठ रैफर, साथियों ने भागकर बचाई जान

शाह टाइम्स संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। कोतवाली क्षेत्र के चरथावल मार्ग पर स्थित आबादी से सटे वेस्ट ऑयल गोदाम में अचानक भयंकर आग लगने से यहां काम कर रहे मजदूरों में चीख-पुकार शुरू हो गई और लोग अपनी-अपनी जान बचाने के लिए ईधर-उधर भागने लगे। कुछ लोग तो गेट के रास्ते से बाहर आ गए, लेकिन एक मजदूर दीवार फांदने के प्रयास में आग की लपटों की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। गनीमत यह रही कि यहां मौजूद मजदूर व अन्य लोगों ने सूझ-बुझ से दौडकर अपनी जान बचा ली वरना इस गोदाम में विकराल रूप धारण कर चुकी आग से कई लोगों को जानी नुकसान हो सकता था। इस मार्ग पर यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी एक भयंकर घटना हुई थी जिसमें कई लोग बुरी तरह चपेट में आ गए थे। फिलहाल आग में झुलसे युवक को जिला अस्पताल से मेरठ रैफर कर दिया गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाडियों ने कई घंटो की मशक्कतों के बाद आग पर काबू पाया और मौके पर पहुंची पुलिस ने भी घटना की छानबीन की। गोदाम में लगी आग पर क्षेत्र के कुछ लोगों ने भारी नाराजगी भी जताई है। सोमवार की सवेरे चरथावल मार्ग स्थित वेस्ट ऑयल गोदाम में करीब आधा दर्जन लोग काम कर रहे थे इसी बीच अचानक आग की लपटे उठने लगी और देखते ही देखते आग ने गोदाम को चारो ओर से घेर लिया। यहां मौजूद लोग चीखते पुकारते इधर उधर भागने लगे। कई लोगों ने गेट से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, लेकिन यहां मौजूद 35 वर्षीय आरिफ पुत्र मतलूब निवासी ग्राम निरधना थाना चरथावल आग की लपटों में घिर चुका था और वह जान बचाने के लिए जैसे ही दीवार पर चढ़ा तो ऊंची उठ रही लपटों ने उसको अपनी चपेट में लिया। आरिफ को तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसको जिला अस्पताल से मेरठ रैफर कर दिया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की कई गाडियों ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए और फायर बिग्रेड टीम के साथ सीओ सिटी सिद्धार्थ मिश्रा और कोतवाली प्रभारी बबलू सिंह भी मौके पर डटे रहे। पुलिस का कहना है कि गोदाम के कागजाते की छानबीन की जा रही है और इनके पास एनओसी है या नहीं इसकी भी जानकारी की जा रही है।

फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। तितावी पुलिस ने शौकी पुत्र इलियास निवासी मांडी थाना तितावी को गिरफ्तार किया है तितावी पुलिसने बताया कि आरोपी कई मामलों में लिप्त है और वह काफी समय से फरार चल रहा था। तितावी पुलिस ने यह भी बताया कि काफी समय से आरा. पी की तलाशी थी जहां कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी की तलाश में छापेमारे, लेकिन इसके बाद भी न तो आरोपी कोर्ट में पेश हुआ और न ही थाने में आत्म समर्पण किया। पुलिस ने गत दिवस आरोपी को गिरफ्तार किया और लिखापढ़ी के बाद जेल भेज दिया है। तितावी पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी के विरूद्ध नगर कोतवाली, शाहपुर और बुढ़ाना में अलग-अलग धाराओं के मामले दर्ज है।

साइबर अपराध रोकने को किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन व शासन पब्लिक को जागरूक करने के लिए तरह-तरह के आयोजन कर रहे है। सोमवार को भी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निदेशन में जेवी पब्लिक स्कूल में साइबर जागरूकता अभियान का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को व स्टॉफ को अपराध व ऑनलाइन ठगी से बचाव के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि किसी भी अंजान कॉल, मैसेज या लिंक पर विश्वास न करे और अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, बैंक विवरण, पासवर्ड, आधार, पेन किसी के साथ साझा न करे। और घटना होने पर हेल्प लाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क करें।

मुजफ्फरनगर: आग पर काबू पाने के लिए लगाई गई दमकल विभाग की गाडियां।

प्रतिबंधित दवाई प्रकरण: दो को जेल

पुलिस ने आरोपी के सिफारशियों से नहीं किया कोई समझौता

शाह टाइम्स संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। प्रतिबंधित दवाईयों के साथ पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों को छुडाने के लिए सिविल लाइन थाने पर कई घंटे लोगों का जमावडा लगा रहा। पुलिस के पास कुछ जिम्मेदार लोगों के फोन भी खडके, सिफारिसे भी आई और पुलिस से हर तरह का समझौता करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन सिविल लाइन पुलिस ने आरोपियों को कानून का पाठ ही पढ़ाया और लिखापढ़ी के बाद दो लोगों को जेल भेज दिया गया।

बता दे कि रविवार को सिविल लाइन पुलिस ने एक सूचना के आधार पर जिला परिषद मार्किट के निकट एक दुकान पर छापा मारा था। पुलिस का कहना था कि उन्हे सूचना मिली है कि उक्त मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित दवाई बेची जा रही है। पुलिस ने यहां से कुछ लोगों को हिरासत में लिया और भारी मात्रा में दवाईयां भी अपने कब्जे में की थी। थाने लाकर की गई छानबीन व पूछताछ के बाद पुलिस ने बताया कि यहां से उन्हे एलप्राजोलन टेबलेट करीब 1245 व डाइक्लोमाइन एचसीएल, ट्रामाडोल एचसीएल 480 कैप्सूल बरामद हुए। पुलिस का कहना था कि पकडे गई टेबलेट व कैप्सूल प्रतिबंधित है पुलिस ने इस दुकान का लाइसेंस चैक किया। पुलिस का कहना है कि लाइसेंस तो वैध है, लेकिन उक्त उस की आढ में प्रतिबंधित दवाई बेची जा रही थी। पुलिस ने हिरासत में लिए गए प्रवीन जैन पुत्र ब्रजपाल जैन व मौ. शाहवेज उर्फ शब्बन पुत्र शब्बीर अहमद को गिरफ्तार करना बताया।

पुलिस का कहना है कि इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गई है और इस घटना का मुकदमा अपराध संख्या 329/25 धारा 8/21/22/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस ने अपनी लिखा पढ़ी में यह भी दिखाया है कि प्रवीन जैन के पास वैध लाइसेंस है और वह उसकी आढ़ में प्रतिबंधित दवाईयों की खरीद फरोख्त करता था। फिलहाल पुलिस ने बताया कि प्रवीन जैन 253 बी ग्राउंड फ्लोर फेज एटूजेड कॉलौनी थाना नई मंडी और शाहवेज खद्दरवाला टंकी के पास का निवासी है। शाहवेज के विरूद्ध इस तरह के कोतवाली व सिविल लाइन में मुकदमे दर्ज है।

उद्यमियों का छलका दर्द बोले-कुछ लोग फैला रहे भ्रांतियां

प्रदूषण के लिए केवल उद्योग जिम्मेदार नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, फेडरेशन पेपर मिल एसोसिएशन और लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वाधान में उद्योगपतियों ने औद्योगिक इकाइयों से खेलने वाले प्रदूषण की भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि प्रदेश में प्रदूषण के लिए उद्योग जिम्मेदार नहीं हैं।

सोमवार को फेडरेशन भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पेपर मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने आरडीएफ के इस्तेमाल से होने वाले प्रदूषण को लेकर चल रही चर्चाओं एवं उद्योगों से संबंधित तथ्यों को स्पष्ट करते हुए कहा कि मुजफ्फरनगर में उद्योगों को प्रदूषण का मुख्य कारण बताकर जो भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं, वे वास्तविक तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। उद्योगों से निकलने वाला उत्सर्जन निर्धारित मानकों के अनुरूप होता है तथा उसका निस्तारण वैज्ञानिक और नियंत्रित तरीके से किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्योगों में उपयोग होने वाले ईंधन एवं अपशिष्ट को जलाने की प्रक्रिया से किसी प्रकार का अतिरिक्त या हानिकारक प्रदूषण उत्पन्न नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि हर उद्योग में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगा है जिसका डेटा 24 घंटे यूपी पॉल्यूशन बोर्ड और सीपीसीबी पर जाता रहता है। जब फैक्टरियाँ बंद होती है तब भी एक्यूआई कम नहीं होता।

मुजफ्फरनगर से जूयादा एक्यूआई मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली, गुरुग्राम में रहता है। बिजनौर जहाँ आरडीएफ इस्तेमाल नहीं होता वहाँ भी एक्यूआई बढ़ा हुआ है। एक्यूआई सर्दियों में हवा हल्की चलने से बढ़ता है। सर्दियो में हवा भारी होती है और नीचे की हवा ऊपर नहीं जाती। आरडीएफ का इस्तेमाल स्वच्छ भारत अभियान के तहत किया जा रहा है। दिल्ली में आरडीएफ आधारित कई बायलर है और 3 और लगने जा रहे है। सरकार इसे प्राथमिकता दे रही है। ये पर्यावरण अनुकूल है। कहा कि भारत में कोयले की कमी होने की वजह से करोड़ो टन कोयला इंपोर्ट किया जाता है जिससे बहुमूल्य नैक् खर्च होता है। आरडीएफ इस्तेमाल करने से कूड़े के ढेर भी समाप्त होते है। आरडीएफ बिव में काफ़ी देशों में बिजली उत्पादन के लिए जलाया जाता है। अमेरिका, चाइना, जापान नीदरलैंड आदि इसका उपयोग करते हैं। सभी मिलो में अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रक उपकरण लगे है जिससे हवा की क्वालिटी निर्धारित मानको के अनुरूप होती है। स्थानीय उद्योग पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूरी तरह सजग हैं और प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित सभी नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे है। आआईआई के नेशनल सेक्रेट्री कुश पुरी ने कहा कि उद्योगों द्वारा आरडीएफ के सीपीसीबी यूपीपीसीबी सीएक्यूएम द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत लगाए गए हैं और आरडीएफ सिर्फ उद्योगों में ही नहीं वरन नगर निकाय द्वारा भी ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग किया जा रहे हैं और उद्योग नियमों का उल्लंघन न करें इसे सुनिश्चित करने के लिए यूपीपीसीबी के अंतर्गत केंद्रीय एजेंसीज भी निगरानी रखती है, क्योंकि मुजफ्फरनगर एनसीआर का हिस्सा हैं। प्रभात कुमार ने बताया कि उन्होंने जनपद की सभी प्रमुख औद्योगिक इकाइयों से संबंधित उत्सर्जन एवं पर्यावरणीय डाटा का विस्तृत अध्ययन किया है। डाटा के आधार पर उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदूषण केवल उद्योगों की वजह से नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई अन्य कारण भी जिम्मेदार होते हैं। उन्होंने कहा कि बिना समग्र तथ्यों को देखे केवल उद्योगों को दोषी ठहराना उचित नहीं है और प्रदूषण के वास्तविक कारणों की पहचान के लिए सभी पक्षों पर समान रूप से विचार किया जाना चाहिए। इस दौरान आईआईए डिविजनल सेक्रेटरी पवन कुमार गोयल, स्किल डेवलपमेंट के अध्यक्ष आश्विनी खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, विपुल भटनागर, नवीन अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेश जैन, फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष अंकित संगल, मनीष भाटिया, अमित गर्ग, श्रवण गर्ग, मयंक बिंदल, सचिन बिंदल, प्रसून अग्रवाल, अजय कपूर, अमित मित्तल,अंकुर गर्ग,साकार गुप्ता,शशांक जैन, करण स्वरूप, अजय पालीवाल आदि मौजूद रहे।

मजदूरों को इंसाफ दिलाने आगे आए कई संगठन

भुगतान मिलने के बाद भी मजदूरों का पैसा डकार गई एनकेजी कम्पनी

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। जल जीवन मिशन के तहत 109 गांव में बिछाई गई पाइप लाइन की मजदूरी पाने के लिए धरने पर बैठे मजदूरों को अब अन्य संगठनों का समर्थन मिलना शुरू हो गया है। कम्पनी के खिलाफ धरने पर बैठे मजदूरों को भारतीय किसान यूनियन सेवक (अ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर दीपक सोम ने आश्वासन दिया कि वह उनके साथ है और किसी भी सूरत में उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

गौरतलब है कि जल मिशन के तहत मुजफ्फरनगर जिले के 109 गांव में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पाइपलाइन बिछाई गई थी तथा टंकियां का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित था आरोप है कि जनपद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में उक्त कार्य का ठेका लेने वाली कंपनी ने अधिकारियों से मिली भगत कर 90 प्रतिशत तक का भुगतान पहले ही प्राप्त कर लिया है जबकि गांव में मुक्ति योजना के तहत अभी 50 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं हुआ है ऐसे में कंपनी पैसा डकार कर बैठ गई है। इस दौरान ठाकुर दीपक सोम ने एनकेजी कंपनी पर मजदूरों की मेहनत की कमाई का पूरा और सही हिसाब न देने का गंभीर आरोप लगाया। धरने में मौजूद मजदूरों ने भी अपनी पीड़ा खुलकर रखी और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। मजदूरों का कहना है कि कई बार मांग करने के बावजूद कंपनी उनकी मेहनत का सही हिसाब नहीं दे रही है। भारतीय किसान यूनियन सेवक (अ) ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मजदूरों का पूरा हिसाब और भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन और प्रशासन की होगी। इस दौरान विनीत त्यागी, राकेश राजपूत, प्रशांत राणा, अजमल पुंडीर, सैदा प्रधान, मूसा ठेकेदार, आमिर राणा, सुभाष सोम, चौधरी कृष्णपाल, माजिद राणा, सदाकत राणा, अमृतपाल सिंह, अरशद प्रधान, नितिन गौतम, राजा दिन, रामकरण सिंह मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर:कम्पनी मजदूरों के उत्पीड़न के विरोध में धरने को सम्बोधन करते वक्ता।

भयंकर कोहरे में आपस में टकराकर ट्रक खाई में गिरा

चालक गंभीर रूप से घायल, बड़ा हादसा टला

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। मेरठ वाया करनाल हाइवे पर फुगाना थाना क्षेत्र के गांव लोई के समीप घने कोहरे के कारण दो ट्रक आपस में टकरा गए। इस घटना में शामली की ओर से पीछे आने वाला ट्रक सडक किनारे खेत में गिर गया। ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सोमवार की सुबह सवेरे सहारनपुर जनपद से किन्नू फल से भरा हुआ एक ट्रक लेकर चालक आस मोहम्मद जनपद शामली से बुढाना आ रहा था। तब घने कोहरे के कारण मेरठ वाया करनाल हाइवे पर लोई गांव के सामने किन्नू फल से भरा हुआ एक ट्रक अपने सामने से जा रहे अन्य ट्रक से टकरा गया। इस घटना में किन्नू फल से भरा हुआ ट्रक सडक किनारे पर स्थित गहरे सरसों के खेत में गिर गया। जिसमें उक्त ट्रक का चालक आस मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गया। आते जाते लोगों के द्वारा फुगाना पुलिस को सूचना दी गयी तो फुगाना पुलिस मौके पर पहुंची और आनन फानन में ट्रक चालक को ट्रक से बाहर निकाला गया। उसे पुलिस ने बुढ़ाना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करवाया गया। घटना की सूचना दूसरे ट्रक के चालक ने ही घायल के परि. जनों और पुलिस को दी थी। समाचार लिखे जाने तक इस घटना के संबंध में कोई तहरीर फुगाना पुलिस को नही दी गई थी।

न्यू इयर पार्टी के लिए भांजी ने मामा के घर करा दी चोरी

रिमोट के कारण कई बार नहीं खुला गेट, लाखों के जेवर बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। यदि मामा गलत मामलों में लिप्त या गलत हरकत करे तो उसे कंस कहा जाता है, लेकिन यदि भांजी विश्वासघात करे तो उसे क्या कहा जाए? एक ऐसा चौकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक मामा ने अपनी भांजी पर पूरी तरह विश्वास किया और उसे घर-बाहर की चाबियां सौंपी, लेकिन विश्वासघाटी भांजी ने अपने एक परिचित युवक के साथ मिलकर मामा के घर में लाखों का जेवर व लाखों की नगदी साफ करा दी। यह सब मामला न्यू ईयर पार्टी के लिए किया गया, हालांकि जिस घर में चोरी की वारदात हुई उस घर का कोई

भी गेट आसानी से खेलना संभव नहीं था, लेकिन युवती ने वारदात कराने से पहले गेट खोलने वाला रिमोट भी युवक को उपलब्ध करा दिया था, लेकिन कहते है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते है और यह सच भी हुआ वारदात किसी भी शातिर अंदाज से की गई हो, लेकिन आखिर पुलिस ने चोर को ढूंढ ही निकाला और जब यह खुलासा हुआ तब पुलिस ही नहीं आम लोगों के मुंह पर यही सवाल था कि घर का भेदी, लंका ढ़ाए। बता दे कि कुछ दिन पूर्व नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में एक व्यापारी के मकान में लाखों के जेवर व नगदी चोरी की वारदात हुई थी। घटना के दिन दम्पत्ति बाहर गया हुआ था। घर पर उनका इकलोता बेटा था। चोरी की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी के बेटे को ही संदेह के घेरे में लेते हुए पूछताछ की थी, लेकिन जैसे-जैसे पुलिस की जांच बढ़ी वैसे-वैसे सामने आया कि लाखों की इस चोरी में कोई ओर नहीं व्यापारी की भांजी और उसका परिचित है। पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि बारह दिसम्बर को गांधी कॉलौनी के व्यापारी विकास ढिंगरा पुत्र स्व. कस्तुरीलाल ने नगदी व जेवर चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने दानिश हसन पुत्र आबाद मिया उर्फ बिट्टू निवासी सलारपुर थाना जानसठ व मान्या मुखेजा पुत्री अमित मुखेजा निवासी गांधी कॉलानी को हिरासत में लिया और उनके कब्जे से छह अंगुठी, तीन चैन गले की व अन्य सोने-चांदी के जेवर घर में रखे जरूरी कागजात व घडी और हजारों की नगदी बरामद की। एसएसपी ने बताया कि मर्चेंट नेवी में काम करता था और नौकरी छुडजाने के बाद वह आर्थिक तंगी में आ गया था। दानिश की मुलाकात पहले से ही मान्या मुखेजा से देहरादून के एक कॉलेज से थी। मान्या बीसीए परीक्षा में फेल हो गई थी और दोनो ही आर्थिक तंगी के चलते कई बार मामा के घर चोरी की योजना बनाई, लेकिन विफल होते रहे, लेकिन रिमोट के कारण गेट नहीं खुला तो उन्हे खाली हाथ लौटना पडा। मान्या व आरोपी लगातार प्रयास करते रहे और ग्यारह दिसम्बर को जब विकास ढिंगरा शादी में गए तो मान्या व युवक चोरी करने में कामयाब हो गया, हालांकि घटना के समय व्यापारी का बेटा वंश आ गया था, लेकिन आरोपी ने उसकी आंखो में मिर्ची का स्प्रे कर दिया था।

कमीशन खोरी पर हो रही थी वैश्यावृत्ति

दो महिला समेत चार दबोचे, आपत्तिजनक चीजें बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। कमीशन खोरी पर खाद्य पदार्थ व अन्य सामाग्रियों की बिक्री तो देखी थी, लेकिन पुलिस के अफसर के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा एक मकान पर छापेमारी के दौरान पकडी गई वैश्यावृत्ती के बाद यह खुलासा हुआ कि यहां पर कमीशनबेस पर लड़कियों को उपलब्ध कराया जाता है। सहायक पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक मकान पर छापे के दौरान पुलिस ने यहां से दो महिला सहित चार लोगों को अनैतिक कार्य करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यहां से प्रयोग किए गए आपत्तिजनक चीजे बरामद की है।

पुलिस की माने तो सूचना मिली थी कि कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला गौशाला के एक मकान में अनैतिक कार्य चल रहा है। यहां पर डीमांड पर बाहर से महिला व लड़कियों को मंगाया जाता है और कमीशनबेस पर उन्हे डिमांडकर्ता को सौंप दिया जाता है। पुलिस को छापे के दौरान यह भी जानकारी हुई कि घर की मालकीन डिमांड के चलते डिमांडकर्ता को लडकियों व महिलाओ के फोटो भेजकर उन्हे पंसद कराया जाता है इसके बाद उनकी बोली लगाई जाती है। पुलिस का कहना है कि छापे के दौरान दो महिला व दो लोग यहां से हिरासत में लिया गया है पुलिस ने बताया कि पकडे गए आरोपी का नाम शाहवेज निवासी खालापार और हंसवीर निवासी ग्राम जोहरा है, जबकि दो महिलाएं भी आपत्तिजनक सामाग्री के साथ हिरासत में ली गई है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद पकडे गई महिलाओं ने बताया कि वह बाहर से लडकिया मंगाकर डिमांडकर्ता को उपलब्ध कराती है और दूसरी औरत के मोबाइल में युवक व लडकियों के फोटो मिले है जो उन्होने डिमांडकर्ता को भेज रखे थे। पुलिस ने यहां से आपत्तिजनक सामाग्री को अपने कब्जे में किया और लिखापढ़ी कर उन्हे जेल भेज दिया है। पुलिस ने यह भी जानकारी दी कि जिस समय पुलिस ने छापा मारा उस समय पैसे के कम व ज्यादा को लेकर महिला व युवक के बीच बहस हो रही थी। इसी के बाद उन्हे यकीन हुआ कि इस मकान में अनैतिक कार्य चल रहा है। बता दे कि इससे पहले भी पुलिस कई स्थानों पर इस तरह के मामलों का खुलासा कर चुकी है।

कोहरे में मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन

शाहटाइम्स संवाददाता

खतौली। सर्दी के मौसम में घने कोहरे के बीच ओवरलोड वाहन राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। क्षमता से कहीं अधिक बोझ ढोते ट्रैक्टर-ट्राली, ट्रक और अन्य भारी वाहन बिना रिफ्लेक्टर के सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं। हालात यह हैं कि मेरठ मंडल के एडीजी भानु भास्कर और सहारनपुर मंडल के डीआईजी अभिषेक सिंह द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है, जबकि पुलिस कर्मी मूकदर्शक बने नजर आ रहे हैं।

पूर्व में एडीजी भानु भास्कर व डीआईजी अभिषेक सिंह ने खतौली कोतवाली का औचक निरीक्षण कर कोहरे में सड़क हादसों की रोकथाम के लिए ओवरलोड वाहनों के पीछे अनिवार्य रूप से रिफ्लेक्टर लगाने, साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, कस्बे और हाईवे पर बिना रिफ्लेक्टर के ओवरलोड वाहन पुलिस के सामने से निकल रहे हैं, लेकिन कार्रवाई न के बराबर है।

दोगुना भार, आधी जिम्मेदारी

गन्ना पेराई सीजन में हालात और भी चिंताजनक हो गए हैं। ट्रैक्टर-ट्रालियों और ट्रकों में गन्ना वाहन के भीतर कम और बाहर अधिक लदा दिखाई देता है। कई वाहन अपनी निर्धारित क्षमता से लगभग दोगुना भार लेकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। खनन सामग्री, भूसा और लकड़ी से लदे वाहन भी हादसों का कारण बन रहे हैं। अत्यधिक वजन के चलते वाहन संतुलन खोते हैं, हिचकोले खाते हैं और गड्ढे में पहिया पड़ते ही ऊपर लदा गन्ना सड़क पर गिर जाता है। पीछे या बगल से आ रहे वाहन अचानक सामने गिरे गन्ने से टकरा जाते हैं, जिससे गंभीर हादसे हो रहे हैं। कई मामलों में ओवरलोड के कारण ब्रेक फेल होने से भी बड़े हादसे सामने आ चुके हैं।

दोपहिया और पैदल राहगीरों पर सबसे बड़ा खतरा

कोहरे में कम विजिबिलिटी के बीच बिना रिफ्लेक्टर दौड़ते ओवरलोड वाहन दोपहिया चालकों और पैदल राहगीरों के लिए चलते-फिरते खतरे बने हुए हैं। देर रात भी कस्बे के बीच से भूसे से भरे ओवरलोड वाहन निकलते देखे गए, जबकि पुलिस कर्मी तमाशबीन बने रहे।

नगरवासियों की मांगकू चले सख्त अभियान

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। खासकर गन्ना पेराई सीजन में रात के समय हरिद्वार-दिल्ली हाईवे और हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर नियमित चेकिंग व कड़ी कार्रवाई की जाए। नियमों की अनदेखी यूं ही जारी रही तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

बैंक में नशेड़ी कर्मचारी ने की ग्राहकों से अभद्रता

भोपा। कस्बे की एक बैंक शाखा में कार्यरत कर्मचारी ने नशे की हालत में ग्राहकों के साथ अभद्रता करनी शुरू कर दी जिसपर शाखा प्रबंधक ने मामले की शिकायत भोपा पुलिस ने कर दी। जिसपर भोपा पुलिस द्वारा कर्मचारी का मेडिकल कराया है। बैंक कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। बैंक के उच्च अधिकारियों द्वारा इस तरह के कर्मचारियों पर कोई कड़ी कार्यवाही न करने से ऐसी घटनाएं अब आम हो चली है। थाना भोपा के ठीक सामने जिला सहकारी बैंक की शाखा संचालित की जा रही है। जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों ग्राहक आकर अपने खातों में लेनदेन करते हैं।सोमवार को एक बैंक कर्मचारी के द्वारा नशे की हालत में ग्राहकों के साथ अभद्रता की जा रही थी। जिसकी शिकायत ग्राहकों ने बैंक शाखा के प्रबंधक संजय कुमार से की। जिसपर शाखा प्रबंधक ने मामले की लिखित शिकायत भोपा थाने पर कर दी। जिसके बाद भोपा पुलिस ने कर्मचारी को हिरासत में ले लिया और उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया है। शाखा प्रबंधक संजय कुमार ने बताया कि कर्मचारी के व्यवहार के बारे में पूर्व में भी उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया था।

चरथावल नगर के मुख्य मार्ग पर गड्ढों से बढ़ी परेशानी, बाइक सवार हो रहे घायल

चरथावल। थानाभवन रोड स्थित विनायक फिलिंग पम्प के पास चरथावल के मुख्य मार्ग पर सड़क में बने गड्ढे लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बनते जा रहे हैं। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालक इन गड्ढों का शिकार हो रहे हैं, जिससे कई बाइक सवार फिसलकर गिर चुके हैं और घायल हो चुके हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से राहगीरों और स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है।गौरतलब है कि कुछ माह पूर्व ही लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क चौड़ीकरण के दौरान इस मार्ग का निर्माण किया गया था। निर्माण कार्य पूरा हुए अभी अधिक समय भी नहीं बीता कि सड़क की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न चिह्न लग रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण न केवल बाइक और स्कूटी सवार परेशान हैं, बल्कि पैदल चलने वाले लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय कस्बेवासियों ने बताया कि रात के समय यह गड्ढे और भी खतरनाक साबित हो रहे हैं। वाहन चालकों को समय रहते गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। कई लोग गंभीर रूप से चोटिल हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक संबंधित विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कस्बेवासियों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क के गड्ढों को भरवाकर मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए।अब सर्दी का मौसम होने और कोहरा पड़ने के कारण मुख्य मार्ग पर राहगीरों को यह गड्ढे दिखाई नहीं देते और तेजी से वाहन चालक होने के कारण अनेको लोग हादसे का शिकार हो चुके हेस क्षेत्रवासियो ने जल्द से जल्द मुख्य मार्ग के गढ़ढ़ो को सही करने की मांग की हे ।

भाकियू का बसेडा बिजलीघर पर धरना

छपार। भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने बिजली की विभिन्न समस्याओं को लेकर बसेडा बिजलीघर पर धरना शुरू किया है। ब्लाक अध्यक्ष मोनू प्रधान का कहना है कि जब-जब समस्याओं का समाधान नहीं होता धरना जारी रहेगा।

सोमवार को भाकियू टिकैत पुरकाजी ब्लाक अध्यक्ष के नेतृत्व में बसेडा बिजलीघर पर पहुंचे और धरने पर बैठ गये। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रदेश सरकार की ओर से बकाया बिलों पर जो छूट आई है वह उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही है,जिन घरों में एक किलोवाट के मीटर लगे थे उन्हें बिना बताये दो किलोवाट कर दिया गया जिससे बिल बहुत अधिक आ रहा है जो मीटर लगे हैं वे अधिक बिल बता रहे हैं जिससे किसानों के बाद भी कोई निस्तारण नहीं किया जा रहा है और न ही बिल ठीक किये जा रहे हैं।

चेतावनियों के बाद भी विभाग के कर्मचारी व अधिकारी सुनवाई नहीं करते हैं। शाम तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा इसलिए ब्लाक अध्यक्ष ने अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा की उन्होंने कहा कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता धरना जारी रहेगा। कार्यकर्ताओं ने खाना बिजलीघर पर ही बनाना शुरू कर दिया है।युवा ब्लाक अध्यक्ष विट्टू, अंशुल,बाबू, सुमित,मोबिन, मनोज, विकास, चंद्रवीर चेयरमैन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांग खिलाड़ियों ने जीते पदक, बेहड़ा सादात में खुशी

मोरना। बरेली में आयोजित दसवीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स एवं पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बेहड़ा सादात के 12 दिव्यांग खिलाड़ियों ने कुल 15 पदक हासिल किए। इनमें से 6 स्वर्ण, 7 रजत व 2 कांस्य पदक हैं। मुजफ्फरनगर पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव व बेहड़ा सादात निवासी कोच पुनीत पाल ने बताया कि बरेली के बीएल एग्रो ग्राउंड में रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स एवं पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप में उनके एसोसिएशन के 17 दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लिया। जहां 12 खिलाड़ियों ने 15 पदक हासिल किए। खिलाड़ी ऋतिका पाल ने 100 मीटर रेस व लंबी कूद में, राज धीमान ने लंबी कूद में, प्रदीप कुमार ने भाला फेंक में, अनिकेत देव भारती ने डिस्कस थ्रो में, संदीप कुमार ने पावरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं अमित कुमार ने गोला फेंक में, वरुण पाल ने हाई जंप में, मोहम्मद बिलाल ने भाला फेंक में, शोभित पाल ने पांच किमी दौड़ में, सावेज मलिक ने डेढ़ किलोमीटर दौड़ में, पंकज कुमार ने डिस्कस थ्रो में रजत पदक हासिल किया तथा खिलाड़ी पंकज ने भाला फेंक व कमरूज्जमा ने डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक हासिल किया। रितिका पाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोला फेंक में भी रजत पदक हासिल किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष मास्टर ब्रजवीर सिंह, उपाध्यक्ष संदीप पाल, संयुक्त सचिव डा. दिनेश धीमन व जसवीर सिंह, कोषाध्यक्ष किरणपाल, डा. कपिल विवेक चौधरी अजीत कुमार रंजीत कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को गांव वापस लौटने पर बधाई दी।

बिल जमा नहीं करेंगे उपभोक्ता तो कटेगा कनेक्शन : जेई

बुढ़ाना। स्थानीय विद्युतग्रह के जेई शिव कुमार ने आज सोमवार की देर रात एक प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए बतलाया कि बिलों में 100 प्रतिशत ब्याज की छूट ओर मूल बकाया पर 25 प्रतिशत की छूट मार्च 2025 तक के बिल पर ही है। उसके बाद के बिल में ना ही तो ब्याज की छूट है ओर ना ही मूल की कोई भी छूट है। इस दिसंबर माह में सबसे ज्यादा छूट मिलेगी इसलिए अब एक सप्ताह ही बचा है ज्यादा छूट के लिए। इसलिए समस्त उपभोक्ता अपना अपना बिजली का बिल जल्द से जल्द ब्याज की छूट कराकर जमा करायें ओर छूट का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठायें ओर जिन उपभोक्ताओं पर छूट नही है वे उपभोक्ता भी अपना अपना बिजली का बिल जरूर जमा करायें। चाहे अपने बिल का 25 प्रतिशत ही जमा करें लेकिन बिजली बिल जमा जरूर करें अन्यथा की स्थिति में जो उपभोक्ता अपना बिजली बिल जमा नहीं करेगा उनका कनैक्शन खंभे से काट दिया जाएगा। जिसका जिम्मेदार स्वयं उपभोक्ता होगा

श्रीराम कॉलेज में गणित दिवस पर क्वांट -क्वेस्ट

श्रीराम कालेज के बेसिक साइंस विभाग द्वारा महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राम कॉलेज के निदेशक डॉ अशोक कुमार, श्री राम कॉलेज की प्राचार्या डॉ प्रेरणा मित्तल एवं श्री राम कॉलेज डीन एकेडमिक्स डॉ विनीत कुमार शर्मा जी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए ''क्वांट-क्वेस्ट '' नामक शीर्षक पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बड़ी उत्सुकता के साथ प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता में बेसिक साइंस संकाय के सहायक प्रोफेसर डॉ राहुल आर्य एवं विभाग की सहायक प्रोफेसर अंजलि गोयल निर्णायक मंडल में रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गामा टीम रही जिसके प्रतिभागी खुशी त्यागी, वंश कुमार एवं प्रिय शर्मा थे। द्वितीय स्थान पर डेल्टा टीम रही जिसके प्रतिभागी सृष्टि चौहान, ज्योति एवं आमिल रहे। तृतीय स्थान पर कप्पा टीम रही ।

नीरज कराटे क्लासेस में छात्रों को सर्टिफिकेट और ट्राफी देकर सम्मानित किया

मुजफ्फरनगर। अवध बिहार में संचालित नीरज कराटे क्लासेस में सोतोकान कराटे बैल्ट टेक्स एग्जामिनेशन 2025 का भव्य आयोजन हुआ जिसमें सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल मीरापुर से प्रधानाचार्य सजी वर्गिस ओर युनिक इंटर कालेज खामपुर से मैनेजर मोहम्मद शाहबाज, मदनी इंटरनेशनल स्कूल, बागोवाली से जहांगीर आलम ओर कराटे कोंच सेंसेई नीरज सैनी ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया, कराटे कोच सेंसेई नीरज सैनी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कैम्प में लगभग 50 छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें येलो बेल्ट मे कियान, रिपुन पाल , मयंक पाल , अमीन अब्बास, शिवाजनी, योगिता, तुषार , अर्णव शर्मा ऑरेंज बेल्ट में अर्जित सिंह, वशिष्ठ , विराट, गंगा , भव्यांश सैनी, विराज कुमार, ग्रीन बेल्ट में युवान चौधरी, ब्लू बेल्ट में प्रांजल मलिक, ख्रश्य मलिक, जिज्ञासा दास, हुज्जत अब्बास, पर्पल बेल्ट में पारस चौधरी, सात्विक ,ब्राउन 3 बेल्ट में शुभ बालियान , ब्राउन 1 बेल्ट में हितेश शर्मा , मनन भारद्वाज, निधि राठी आदि छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें सभी बच्चों को जापान की अद्भुत टैक्निक के साथ-साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया ताकि मुश्किल समय आने पर अपनी आत्मरक्षा कर सकें ओर साथ-साथ शारीरिक रूप से मजबूत भी रह सकें, ओर इसी दौरान सभी छात्रों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन करके सभी के दिलों पर राज किया सेट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल मीरापुर के प्रधानाचार्य सजी वर्गिस ओर युनिक इंटर कालेज खामपुर से मैनेजर मोहम्मद शाहबाज, मदनी इंटरनेशनल स्कूल, बागोवाली से जहांगीर आलम ने सभी छात्रों को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी देकर सम्मानित करते हुए कहा कि आज के समय में अपने बच्चों को अपनी अपनी रूचि के अनुसार स्पोर्ट में भी भेजना चाहिए ताकि आज के समय में बच्चे मोबाइल से दूर रह रहकर शारीरिक रूप से मजबूत रहकर अपने देश का नाम रोशन कर सकें इस मौके पर आशा सैनी , श्रीपाल सैनी राजकुमारी सैनी , विजय कुमार आदि छात्रों के अभिभावकगण उपस्थित रहे।

संत चावरा स्कूल में नन्हे-मुन्नों की प्रस्तुति से महका वार्षिकोत्सव

शाहपुर। क्षेत्र की प्रमुख अग्रणी शिक्षण संस्था संत चावरा स्कूल में आज वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों की शानदार प्रस्तुति देखकर अतिथियों एवं उपस्थित अभिभावको ने कंठ मुख से प्रशंसा की।

क्षेत्र की अग्रणी शिक्षण संस्था संत चावरा स्कूल में आज वार्षिकोत्सव स्पेक्ट्रम बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फादर डेविस वरायिलन एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य जॉर्ज मैथ्यू और प्रबंधक फादर जॉर्ज ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम शोरो के प्रधान करण सिंह बालियान, नगर की प्रसि) स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मनीष सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम पाल भाई जी, युवा भाजपा नेता नवदीप मित्तल, शाह टाइम्स पत्रकार भाग्य शर्मा, वरिष्ठ प्रमुख समाजसेवी कमल वर्मा, श्री बालाजी धाम मंदिर से जुड़े अतुल सिंघल, ;षभ सिंघल, वर्णित गोयल, वरिष्ठ प्रमुख चिकित्सक डॉक्टर गौरव सैनी, प्रिया वर्मा, शैली मित्तल, प्रेरणा मित्तल, राधा मित्तल, अंकुर जैन, पंडित श्याम किशोर, अनुपम सैनी ने क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में संत चावरा स्कूल के योगदान को बताते हुए कहा कि यह बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं, यह हमारे देश की रीड की हढी है और यही हमारे देश के भावी कर्णधार हैं। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांस्ख्रतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं अभिभावको तालियां बजाने पर विवश कर दिया। वार्षिकोत्सव में विद्यालय की ओर से मुख्य अतिथियों को सम्मान प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का राष्ट्रगान के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल के प्रधानाचार्य जॉर्ज मैथ्यू और प्रबंधक फादर जॉर्ज ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

सनव्वर को नम आंखों से किया सुपुर्द ए खाक

बुढ़ाना। बीती रविवार की देर रात एक सड़क हादसे में मरे सनव्वर उस्मानी पुत्र ग्यासूद्दीन के शवघ को पोस्टमार्टम के बाद आज सोमवार की सायं मुजफ्फरनगर से उसके गांव जौला में लाया गया तो मृतक के परिजनों की रूलाई एक बार फिर से फूट पड़ी। नम आंखों से सनव्वर को सैंकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। बीती रविवार की रात करीब साढ़े सात बजे के बाद गांव जौला के निवासी सनव्वर की एक सड़क हादसे में मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी थी। तब गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी के इंचार्ज ललित कुमार कसाना ने अपनी अधीनस्थों के माध्यम से सनव्वर के शव को सीएचसी बुढ़ाना में भिजवाकर मृतक के परिजनों को खबर कर दी थी। घटनास्थल पर जमा लोगों का कहना था कि अगर समय पर एंबुलैंस आ जाती तो सनव्वर को प्राथमिक उपचार देकर बचाया जा सकता था लेकिन पूर्व दिनों की तरह इस बार भी एंबुलेंस समय पर नहीं आई तो डायलघ नंबर 112 पर तैनात पुलिसकर्मियों ने ही सनव्वर उस्मानी को सीएचसी बुढाना भिजवाया लेकिन तब तक वह समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण मर चुका था। मृतक के दो बच्चे बताए गये हैं।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर क्विज प्रतियोगिता सम्पन्न

बुढ़ाना। ब्लाक बुढ़ाना क्षेत्र के कांधला रोड पर गांव गढ़ी सखावतपुर के समीप स्थित शिक्षण संस्था मेपल्स एकेडमी बुढाना में आज सोमवार के दिन महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति में आयोजित राष्ट्रीय गणित दिवस का कार्यक्रम अत्यंत उत्साह एवं सफलतापूर्वक तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गणित के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। इस अवसर पर यहां विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न गणितीय गतिविधियां, रोचक खेल, पहेलियां, तर्क शक्ति आधारित प्रश्न एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां दी गई। जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति भय को दूर कर उसे रोचक एवं उपयोगी विषय के रूप में प्रस्तुत करना रहा। इस कार्यक्रम का आयोजन मेप्लस एकेडमी की प्रधानाचार्या डॉक्टर गरिमा वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में तथा उप प्रधानाचार्य क्षितिज श्रीवास्तव के सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया। इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के गणित विभाग के विभाग अध्यक्ष क्षितिज श्रीवास्तव, अमित कुमार, प्रवीण कुमार, गुरबीर सिंह, मोहित कुमार, विनीता एवं नीतू पुंडीर का विशेष योगदान रहा। अंत में प्रधानाचार्या डाक्टर गरिमा वर्मा ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सराहना करते हुए गणित को जीवन से जोड़कर सीखने के लिए प्रेरित किया। इस सफल कार्यक्रम ने यहां पर सभी अध्यनरत विद्यार्थियों में सीखने की नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया।

तुर्की, नाइजीरिया व नेपाल में भी बजा अधूरा ख्वाब का डंका

बुढ़ाना। बॉलीवुड हीरो नवाजुद्दीन सिद्दीकी के भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी के बैनर साइड हीरो एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड में बनी फिल्म अधूरा ख्वाब ने एक बार फिर इस्ताम्बुल, तुर्की, नाइजीरिया व नेपाल की राजधानी काठमांडू में बेस्ट फीचर फिल्म का खिताब जीतकर अपना दम दिखाया है। इससे पूर्व भी अधूरा ख्वाब ने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दुनिया के कई देशों में अपनी जीत का परचम लहराया था।

इस फिल्म की दमदार कहानी लिखकर फैजुद्दीन ने साबित कर दिया है कि अपने दम पर किस तरह से अवार्ड जीते जाते हैं। फिल्म में सब कलाकारों ने बेहतरीन काम कर चार चांद लगाए हैं। फिल्म में अली मर्चेंट ने अपनी दमदार एक्टिंग से सबका मन मोहा तो वहीं सोनिया शर्मा ने भी अच्छा काम किया।

गंगनहर में डूबे युवक का शव सप्ताह बाद हुआ बरामद

भोपा। एक सप्ताह पूर्व बेलड़ा पुल से युवक ने गंग नहर में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश जारी थी। रविवार की देर शाम मृतक का शव बरामद हो गया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा थ्रू निवासी 27 वर्षीय राजन पुत्र बाबूराम वाहन चालक का कार्य करता था बीते सोमवार गांव बेलड़ा मे पुल से गंग नहर मे कूदकर आत्म हत्या कर ली थी।परिजन शव की तलाश मे जुटे हुए थे।रविवार की शाम मृतक का शव जौली गांव के पास गंग नहर से बरामद हुआ। थाना प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह ने बताया को मृतक के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है।

अथाई में पहुंचे अधिकारियों ने विकास कार्यो की जांच

भोपा। अथाई में गांव मे विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत जिलाधिकारी से की गयी थी।सोमवार को अधिकारियो ने गांव मे हुए विकास कार्यो की जांच की। शान्ति व्यवस्था के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया। मोरना ब्लॉक् क्षेत्र के गांव अथाई निवासी राजबहादुर ने जिलाधिकारी को पांच बिंदुओं पर शिकायत करते ग्राम प्रधान पर विकास कार्यों मे अनियमितता बरतने के गंभीर आरोप लगाये थे।शिकायतकर्ता ने शौचालय, वाटर कूलर, बिजली फिटिंग, शौचालय में पाइप फिटिंग और इंटरलॉक और नाली निर्माण आदि की निष्पक्ष जांच की मांग की हुई है।मौके पर पहुंचे जांच अधिकारी सोमप्रकाश जिला ग्राम उद्योग अधिकारी व कामेश्वर प्रसाद गुप्ता सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग ने किये गये कार्यों की जांच की। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी उपेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

साथ की शांति व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा। जांच अधिकारी कामेश्वर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेशानुसार स्थलीय जांच की गई है जांच की आख्या उच्चाधिकारी को प्रेषित की जाएगी।

शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण

भोपा। थानाक्षेत्र की एक युवती ने निकटवर्ती गांव निवासी युवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है। पीड़िता ने आरोपी पर किसी अन्य से शादी करने और विरोध पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। भोपा थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने थाने पर पहुंचकर बताया कि उसकी शादी की बात निकटवर्ती गांव के एक युवक से चल रही थी। आरोप है कि तभी से आरोपी उससे शादी का वादा करके यौन शोषण करता चला आ रहा था। पीड़िता ने बताया कि आरोपी अब मन भर जाने पर उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम देने लगा था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि बीते शनिवार को आरोपी ने उसे अपने घर पर बुलाया और वहां आरोपी और उसकी माता ने उसे बंधक बना लिया और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी और उससे शादी करने से मना कर दिया। पीड़िता ने बताया कि अब आरोपी किसी अन्य युवती से शादी कर रहा है जिसके चलते आरोपी और उसकी मां उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता ने आरोपियों से जान माल का खतरा बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की गुहार लगाई है

सूचना

मेरी दसवी पास की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक नं.-129586 जो मैने जनता जनार्दन इंटर कॉलेज बसेडा मुजफ्फरनगर से वर्ष 1979 में उर्त्तीण की थी, जिसका एस.आर. नम्बर-1763 व सनद की फोटो स्टेट कराकर बसेडा से अपने गांव भैंसरहेडी बाइक द्वारा लौट रहा था। बाइक में मेरी मार्कशीट व सनद व अन्य कागजात की पॉलिथीन कही गिर गई है। जो काफी तलाश करने पर भी नही मिले है।

मौ०अनवार पुत्र सैदाहसन
निवासी ग्राम भैंसरहेडी
थाना छपार
जिला- मुजफ्फरनगर

संबंध विच्छेद सूचना

मेरा पुत्र मौ. साकिब मेरे कहने सुनने में नहीं है उसका चाल चलन गलत लोगों के साथ रहकर सही नहीं रहा और उसे मेरे व मेरे परिवार की कोई परवाह नहीं रही है इसलिए मैं व मेरा परिवार मौ. साकिब से पूर्ण रूप से संबंध विच्छेद की घोषणा करते है। मैने व मेरे परिवार ने मौ. साकिब से सभी प्रकार के संबंध समाप्त कर लिए है भविष्य में व मेरा परिवार मौ. साकिब के किसी भी कृत्य के लिए किसी प्रकार के उत्तरदायी नहीं होगे। मैने मौ. साकिब को समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने किसी भी गलत कृत्य का स्वयं उत्तरदायी होगा।

मौ. अली पुत्र स्व. इमामुदीन
निवासी-396/17, तस्मिया स्कूल के पास दक्षिणी खालापार
थाना खालापार
जिला मुजफ्फरनगर

संबंध विच्छेद सूचना

मेरा पुत्र राजनपाल मेरे कहने सुनने में नही है। राजनपाल अविवाहित है और वह गलत संगत में पड गया है। मुझे व मेरे परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है। इस कारण मैने अपने पुत्र राजनपाल से सम्बन्ध विच्छेद कर उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद राजनपाल से मेरे व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का किसी प्रकार का कोई वास्ता मतलब नहीं रहा है। उसके किसी भी कृत्य व लेन देन के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होंगे।

इन्द्रपाल पुत्र बलजीत सिंह
निवासी म.न.-256 ग्राम तालडा
थाना जानसठ, तहसील जानसठ
जिला मुजफ्फरनगर

पीटी उषा कन्या इंटर कॉलेज तितावी में खेलों का समापन

मुजफ्फरनगर। पीटी उषा कन्या इंटर कॉलेज तितावी मुजफ्फरनगर के प्रांगण में चल रहे तीन दिवसीय खेलों का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ स कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष श्री रणधीर सिंह, प्रबंधक डॉ विपिन कुमार सिंह ,उपप्रबंधक डॉक्टर संजीव कुमार सिंह, पूर्व प्रधान राजबल सिंह विद्यालय के कोऑर्डिनेटर प्रवीण कुमार पुंडीर, विद्यालय की प्रधानाचार्य उषा सिंह दीवान सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य तरसपाल सिंह पुंडीर दीवान सिंह पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य विकास शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर किया।

इस अवसर पर प्रबंधक डॉ विपिन कुमार सिंह एवं अध्यक्ष रणधीर सिंह ने बोलते हुए छात्राओं को बतलाया की पठन-पाठन के साथ-साथ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल की भी जीवन में बहुत आवश्यकता है सआज खेलों के माध्यम से हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं अपने मस्तिष्क को अवसाद मुक्त रख सकते हैं एवं खेलों में अपना भविष्य भी संवार सकते हैंस खेलकोटे के माध्यम से अनेक विकल्प हमारे लिए नौकरी के भी खुले हैं ,खेलों के माध्यम से हम खेल व्यवसाय में भी अपना व्यवसाय संवार सकते हैं ,स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है खेल ,व्यायाम एवं योग के माध्यम से जहां, हम अपने शरीर को स्वस्थ सुडोल एवं सुंदर बनाना निश्चित करते हैं सवहीं पर हम इस प्रक्रिया को अपनाकर बीमारियों से भी दूर हो सकते हैं टेंशन रहित जीवन जी सकते हैंस प्रबंधक डॉ विपिन कुमार सिंह जी ने बोलते हुए कहा की आज से लगभग 35 साल पहले जिस पौधे को शिक्षा ;षि पदम श्री स्वामी कल्याण देव जी ने पीटी उषा कन्या इंटर कॉलेज के रूप में लगाया था खेलकूद प्रतियोगिता में 200 मीटर दौड़, खो-खो, रस्सा कशी वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बाधा दौड़ ,लेमन रेस, म्यूजिकल चेयर रेस आदि खेलों का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया स प्रथम ,द्वितीय, एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली बालिकाओं को मेडल एवं प्रतिष्टि पत्र देकर अतिथियों ने सम्मानित किया स कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के कोऑर्डिनेटर श्री प्रवीण कुमार पुंडीर एवं विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती उषा सिंह जी ने बताया की क्षेत्र में ग्रामीण आंचल में पीटी उषा कन्या इंटर कॉलेज तितावी मुजफ्फरनगर की अपनी एक पहचान है ,विगत 35वर्षों से यह विद्यालय बालिका शिक्षा के रूप में क्षेत्र एवं जनपद से बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा विज्ञान एवम कला विधाओं में दे रहा है स यहां पर प्रशिक्षित अध्यापिका एवं खेल अध्यापिका पीटीआई की समुचित व्यवस्था हैस विद्यालय में 40 कंप्यूटर की एक सुसज्जित लैब है जहां पर बालिकाएं पठन-पाठन के साथ-साथ कंप्यूटर का ज्ञान भी समुचित रूप से ले रही हैं।

सार्वजनिक सूचना

मेरे पुत्र **MOHD ABEER CHAUHAN** के जन्म प्रमाण पत्र रजि0 सं0 B-2021:9-90020-009553, पंजीकरण दिनांक 01.12.2021 में बच्चे की माता का नाम **सायरा** गलत अंकित हो गया था जबकि मेरे पुत्र की माता का सही एवं वास्तविक नाम **सहिरा परवीन (SHAHIRA PRAVEEN)** है जो सत्य व सही है। मेरे पुत्र की माता अर्थात शपथकर्ता की पत्नी को **सहिरा परवीन (SHAHIRA PRAVEEN)** के नाम से जाना व पहचाना जायेगा।

शाकिब अली पुत्र श्री नवाब अली, निवासी- शेरनगर, तहसील व जिला मुजफ्फरनगर।

कार्यालय ग्राम पंचायत जौली विकास खण्ड मोरना, मुजफ्फरनगर

पत्रांक - मीमो/विसू / 2025-26 दि0 22.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जौली वि0ख0 मोरना द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 मे पंचम राज्य वित्त0, 15वां वित्त, ओडीएफ एक प्लस मनरेगा एवं अन्य वित्त योजनान्तर्गत होने वाले अन्नपूर्णा भवन निर्माण, निर्माण / मरम्मत कार्यों में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्री जैसे ईंट सीमेन्ट बालू रेतु कोरसैण्ड, इण्टरलॉक टाईल्स ,विट्रीफाइड टाईल्स, सरिया, रोडी, चैनल, सोलर लाईट, सामग्री, स्ट्रीट लाईट सामग्री, हैण्डपम्प, रिपेयर/रिबोर सामग्री, हाईमास्ट, साईन बोर्ड, ई-रिक्शा /रेडा ओपेन जिम सामग्री, आर ओ वॉटर कूलर, स्कूल/ऑफिस, आंगनबाडी केन्द्र फर्नीचर, डस्टबिन, लाईब्रेरी सामग्री,पेन्टिंग कार्य सेनेटाइज /फॉगिंग व अन्य सामग्री आदि की आपूर्ति कार्यस्थल पर करने हेतु अधिकृत ठेकेदार/फर्म से दिनांक 29.12.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है, जो कि 29.12.2025 को 3:00 बजे पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदादाता का आयकर विभाग में पंजीकरण होना अनिवार्य है। सम्बंधित कार्यो के लिये सामग्री आपूर्ति की निविदा बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। निविदा से सम्बंधित अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत जौली,
वि०ख० मोरना, मु० नगर।

ग्राम सचिव
ग्राम पंचायत जौली,
वि०ख० मोरना, मु० नगर।

संबंध विच्छेद सूचना

मेरा पुत्र अजय पाल व उसकी पत्नी श्रीमति प्रमिला मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है आये दिन झगड़ा फसाद रखते हैं इसी कारण मैने इन दोनों को सन-2022 में खुद से अलग कर दिया था इसके बाद भी ये दोनों जबरदस्ती मेरे मकान में आकर रहने लगे और मुझे व मेरी पत्नी को परेशान करने लगे। इनकी हरकतों से परेशान होकर मैने अपने पुत्र व पुत्रवधु से सम्बन्ध विच्छेद कर इन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद अजय पाल व उसकी पत्नी श्रीमत्ति प्रमिला से मेरी व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का किसी प्रकार का कोई वास्ता मतलब नहीं रहा है। इनके किसी भी कृत्य व लेन देन के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होंगे।

नरेश पाल पुत्र मुख्तारे सिंह
निवासी- सूर्य इन्कलेव कूकडा,
थाना-नई मण्डी,
जिला मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि श्रीमति श्रुति सिंघल पत्नी श्री कुमार गौरव सिंघल व श्रीमति सोनिया सिंघल पत्नी श्री कृष्ण मोहन सिघल निवासीगण 91-बी नईमण्डी मुजफ्फरनगर की सम्पत्ति प्लाट नं0 35 भाग खसरा नं0 164 व 165 मौ. श्रीराम विहार रकबा ग्राम कूकडा तहसील व जिला मुजफ्फरनगर जो कि द्वारा बैनामा 3826 दि. 19.03.2021 श्रीमति राजरानी से खरीदी थी, की चेन का पुराना बैनामा सं. 7690 दि. 03.11.2003 वास्तव में कहीं खेया हुआ हैं, वर्तमान स्वामी मै. राईसमैन इण्डिया प्रा. लि., 91-बी नई मण्डी मुजफ्फरनगर द्वारा लिऐ जाने वाले ऋण के लिए उक्त सम्पत्ति को पी.एन.बी. एम.सी. सी. मुजफ्फरनगर में बंधक करना चाहते हैं।

यदि उक्त मूल बैनामा किसी बैंक या वित्तीय संस्था में बंधक है या इस बाबत किसी को कोई आपत्ति है तो प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के अन्दर सूचित करें, अन्यथा सम्पत्ति पंजाब नैशनल बैंक में बंधक की जाऐगी, उस दशा में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

श्री सुनित कुमार अग्रवाल, ए.जी.एम.
एम.सी.सी. मुजफ्फरनगर
मो० नं० 8126834834
प्रवीण कुमार शर्मा, एडवोकेट
डी1-26/27 कलैक्ट्रेट कम्पाउण्ड
मुजफ्फरनगर
मो. नं० 9897661075

खतौली की हवा बनी ज़हर

शुगर मिल के धुएं और कूड़ा जलाने से बिगड़े हालात

शाहटाइम्स संवाददाता

खतौली। खतौली नगर में वायु प्रदूषण ने खतरनाक रूप ले लिया है। लगातार खराब बने वायु गुणवत्ता सूचकांक के चलते लोगों का सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ, एलर्जी और दमा जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। हालात ऐसे हैं कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिनमें सबसे अधिक बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं।

नगर में प्रदूषण के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। वाहनों से निकलता धुआं, सड़कों पर उड़ती धूल, निर्माण कार्य, खुले में कूड़ा जलाना और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं हवा को जहरीला बना रहा है। इनमें सबसे बड़ा कारण खतौली स्थित त्रिवेणी शुगर मिल की चिमनियों से निकलने वाला धुआं और राख (छाई) बताया जा रहा है। मिल की चिमनियों से उड़ने वाली छाई राहगीरों और वाहन चालकों की आंखों में पड़ रही है, जिससे आंखों की बीमारियां बढ़ रही हैं। वहीं धुएं की वजह से पूरे नगर में प्रदूषण की चादर छाई हुई है। स्थिति को और गंभीर बना रहा है दिल्ली-एनसीआर से आ रहा प्रदूषण, जो पूरे दिन खतौली की हवा में घुला रहता है। लगातार जहरीली हवा में सांस लेने से लोगों में गंभीर और घातक बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण के खिलाफ अब किसानों ने भी मोर्चा खोल दिया है। राजनीतिक भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक के नेतृत्व में किसानों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। सोमवार को मंस. ूरपुर क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर भाकियू कार्यकर्ताओं ने कूड़े से भरे दो ट्रक और ट्रॉलियों को रोककर जमकर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार ये वाहन

कूड़ा लेकर मुजफ्फरनगर जा रहे थे। हंगामे की सूचना मिलते ही एआरटीओ टीम मौके पर पहुंची और सभी वाहनों की जांच की। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर वाहनों का चालान कर उन्हें सीज कर दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। नगरवासियों और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रदूषण फैलाने वाले सभी स्रोतों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शुगर मिल की चिमनियों से निकलने वाले धुएं और राख पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए तथा खुले में कूड़ा जलाने पर पूरी तरह रोक लगाई जाए, ताकि लोगों को जहरीली हवा से राहत मिल सके।

गूंगे-बहरे नाबालिग छात्र के साथ किया कुकर्म

खतौली। रतनपुरी थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार को मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। गांव निवासी 14 वर्षीय गूंगे-बहरे छात्र के साथ एक दुकानदार द्वारा मारपीट कर उसके साथ कुकर्म किया। बालक के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे परि. जनों और ग्रामीणों ने उसे आरोपी के चंगुल से मुक्त कराया और पुलिस को सूचना दी।जानकारी के अनुसार पीड़ित छात्र मोदीपुरम स्थित एक स्कूल में पढ़ता है। रविवार को वह घर से जंगल की ओर लघुशंका के लिए गया था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के एक दुकानदार ने उसे जबरन पकड़ लिया और उसका मुंह दबाकर अपनी दुकान के अंदर ले गया। काफी देर तक बालक के घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान परि. जनों और ग्रामीणों को एक दुकान के अंदर से बालक के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। इस पर ग्रामीणों ने दुकान का शटर उठाया तो अंदर का दृश्य देख सभी स्तब्ध रह गए। छात्र और दुकानदार नग्न अवस्था में थे।ग्रामीणों ने तत्काल दुकानदार को पकड़कर बालक को उसके चंगुल से छुड़ाया। आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी की जमकर धुनाई की और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी दुकानदार को हिरासत में ले लिया। वहीं पीड़ित छात्र को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। छात्र के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर लिया है।घटना के बाद गांव में आरोपी दुकानदार के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

गुरु के बिना ईश्वर प्राप्ति संभव नहीं : आचार्य ध्रुव प्रसाद शर्मा

मीरापुर। श्रीराम सुंदर परिवार के तत्वावधान में पंजाबी कॉलोनी में चल रहे श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह के दूसरे दिन कथा व्यास आचार्य पं. ध्रुव प्रसाद शर्मा ने शुकदेव जी के जन्म प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला। कथा के दौरान पं. ध्रुव प्रसाद शर्मा ने कहा कि कलियुग में भगवान को प्राप्त करने का एकमात्र सरल और प्रभावी साधन भगवान का नाम जप है। उन्होंने बताया कि शुकदेव जी का जन्म मानव जाति के कल्याण के उद्देश्य से हुआ था। जीवों के उद्धार के लिए शुकदेव जी ने लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व शुकताल में राजा परीक्षित को श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कराया था, जिसमें भगवान के मर्म, महिमा और प्रभाव का विस्तार से वर्णन किया गया है। कथा व्यास ने जीवन में गुरु के महत्व को बताते हुए कहा कि गुरु ही जीव को ईश्वर तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं और बिना गुरु के आध्यात्मिक उन्नति संभव नहीं है। उन्होंने भीष्म पितामह के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि जब वे बाणों की श"या पर लेटे थे, तब उन्होंने पांडवों को जीवन, धर्म और राजकाज से संबंधित महत्वपूर्ण उपदेश दिए, जो आगे चलकर भीष्म गीता के नाम से प्रसिद्ध हुए। इस अवसर पर पवन कौशिक, डॉ. ओमपाल, प्रद्युमन शर्मा, चिराग अरोड़ा, हरीश नारंग, मुनेश शुक्ल, मुनेश चौधरी, विकास दूबे, आलोक, संजय माहेश्वरी, रजनीश कुमार रस्तौगी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सांसद ने जेपीएस पब्लिक स्कूल में बच्चों को पढ़ाया सेहत का पाठ

मोरना। मोरना-भोपा मार्ग स्थित जेपीएस पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का शुभारम्भ बिजनौर सांसद चंदन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, ब्लॉक् प्रमुख अनिल राठी द्वारा संयुक्त रूप दीप प्रज्वलन कर व फीता काटकर किया गया।जनप्रतिनिधियों ने अपने सम्बोधन के द्वारा बच्चों का उत्साह वर्धन किया। जेपीएस पब्लिक स्कूल में बच्चों ने गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

इसके बाद हरियाणवी लोकगीत, सिंघम गीत तथा,गलती से मिस्टेक, गीत पर कक्षा एक व दो के बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। नृत्य में भूमिका, वंशिका, किंजल, वर्णिका, रीना, आराध्या, गौरांगी, फातिमा, नव्या, अवनी, माधव, माधवी, इंद्रप्रीत, अपूर्वा, वैष्णवी, समायरा, मिताक्षरा सहित बच्चों ने दर्शकों का मन मोह लिया।साथ ही विभिन्न स्पर्धाओं में छात्र राज आर्यन, रक्षित, युगांक व ;तिक,अहम,लव व छात्रा गजाला,श्रेया,उर्वशी सहित छात्र रिहान देव दोहन, प्रशांत व बालिका वर्ग में जोया,अक्षा, व अदिति,राज आर्यन, अर्नव पाल, ध्रुव,।अनस, शिवा,अभय ने भाग लिया इसके अलावा वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सीवान, आर्यन, अभिनव,अंश,कृष्णा,।शॉटपुट बालिका वर्ग में हिमांशी, अवनि, मानवी,कबढी जूनियर वर्ग में नाहिद, राहिब, रेहान, शिवा, उत्कर्ष, देव, दोहन, तनिष्क, कृष्णा, लखन व सार्थक शामिल रहे। बिजनौर सांसद चंदन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, क्षेत्राधिकारी भोपा देवव्रत वाजपेयी, विशिष्ट अतिथि विजय शुक्ला पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, अनिल राठी ब्लॉक प्रमुख मोरना, डॉ. अमित ठाकरान रालोद, पंडित विनोद शर्मा, सार्थक शर्मा, भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह, विद्यालय निदेशक कृष्णकांत शर्मा, मैनेजर मोहिनी शर्मा एवं प्रधानाचार्य राजन गौड़ ने कार्यक्रम के अंत मे सभी अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने खेलों को जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का आधार बताया।

दण्डी स्वामी महादेवाश्रम महाराज का 67वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में श्री ब्रह्म विद्यापीठ बि्वनाथ महादेव मन्दिर में दण्डी स्वामी महादेवाश्रम महाराज का प्रकट दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। तथा अखण्ड रामायण पाठ, रूद्राभिषेक व रूद्र यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके उपरांत साधु संतों को कंबल का वितरण किया गया तथा भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर श्री बि्वनाथ महादेव मन्दिर में अखण्ड रामायण पाठ से किया गया। जिसके बाद पुजारी पंडित अशोक शुक्ल ने विधिविधान से रूद्राभिषेक किया। इसके बाद दूरदराज क्षेत्रों से आए शिष्यों ने स्वामी महादेवाश्रम महाराज की आरती कर पूजा अर्चना की। तथा विशाल भण्डारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें दूरदराज क्षेत्रों से आए

साधु संतों को भोजन कराकर दक्षिणा दी गई वही सर्दी से बचाव के लिए उन्हें कम्बल वितरित किये गये। इस अवसर पर हरिद्वार से आए स्वामी मृत्युंजय महाराज, स्वामी सहजानंद महाराज, स्वामी गिरीश आश्रम महाराज,पूर्व जिला अध्यक्ष विजय शुक्ला, प्रणय मित्तल सहारनपुर,स्वामी अनंत महादेव महाराज, मनोहर लाल शर्मा, हरेन्द्र प्रधान, पूर्व कमिश्नर अरविंद कुमार, विनोद शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बिजेन्द्र पाल, पूर्व अध्यक्ष विजय शुक्ला, ठा.मुकेश सिंह, प्रदीप त्यागी, प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

परीक्षा देकर घर लौट रहे छात्र पर लाठी-डंडों से हमला

शाहटाइम्स संवाददाता

खतौली। खतौली थाना क्षेत्र के भूड़ गांव निवासी राजेंद्र के पुत्र जयेश पर शनिवार को चार युवकों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। घायल छात्र को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पीड़ित जयेश खतौली स्थित एक कॉलेज में अध्ययनरत है। परि. जनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे वह परीक्षा देने कॉलेज गया था। शाम लगभग चार बजे परीक्षा समाप्त होने के बाद वह घर लौट रहा था। इसी दौरान रेलवे फाटक पुल के नीचे गांव चांद समंद निवासी चार युवकों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया।आरोप है कि हमलावरों ने छात्र के साथ जमकर मारपीट की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल छात्र को तत्काल अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित के परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। छात्र के पिता राजेंद्र ने थाना पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

वन्दे मात्रम पर विधानसभा में खुलकर बोले कपिल देव

मुजफ्फरनगर। विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर अत्यंत भावपूर्ण और विच. ारोत्तेजक वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने 'वंदे मातरम्' की ऐतिहासिक उत्पत्ति, स्वतंत्रता संग्राम में उसकी प्रेरणादायी भूमिका तथा राष्ट्र की आत्मा के रूप में उसके अद्वितीय महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।।अपने वक्तव्य के अंत में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि विधानसभा जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच पर 'वंदे मातरम्' जैसे पावन राष्ट्रगीत के महत्व पर विचार व्यक्त करना उनके लिए गौरव और उत्तरदायित्व दोनों का विषय है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित, एकता और संविधानिक मूल्यों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहें।

एसएसपी ने दिए किक्की गैंग पर शिकंजा कसने के निर्देश

खतौली। नगर में किक्की गैंग के खिलाफ चल रही मुहिम को सोमवार को बड़ा बल मिला, जब सर्व समाज के दर्जनों पीड़ित व्यापारी और नागरिक एसएसपी संजय वर्मा से मिले। पीड़ितों ने किक्की जैन और उसके गुर्गों द्वारा की जा रही अवैध वसूली, धमकी और अन्य आपराधिक गतिविधियों की शिकायत करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। पीड़ितों ने बताया कि किक्की गैंग के कुछ गुर्गे उसकी शिकायतों को टाइप करने, निर्माण कार्यों की पल-पल की सूचना देने और लोगों से अवैध वसूली करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। ऐसे सभी लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ भी कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग एसएसपी के समक्ष रखी गई। शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए एसएसपी संजय वर्मा ने मौके पर ही खतौली के सीओ और थाना प्रभारी को फोन कर निर्देश दिए कि सभी पीड़ितों की एफआईआर तत्काल दर्ज की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी भी शातिर और अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति को समाज में पनपने नहीं दिया जाएगा। एसएसपी ने कहा कि किक्की गैंग के सभी साथियों और गुर्गों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि पुलिस पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि अब समाज का यह दायित्व है कि अधिक से अधिक पीड़ित अपनी पीड़ा को एफआईआर के रूप में दर्ज कराएं, ताकि किक्की गैंग के खिलाफ चल रही लड़ाई और मजबूत हो तथा खतौली की एकता और जागरूकता का परिचय दिया जा सके।

23 फरवरी से शुरू होगा मुजफ्फरनगर प्रीमियम लीग टी-20

मुज़फ्फरनगर। प्रीमियर लीग टी 20 सीजन 2 की तैयारी शुरू हो गई हैं. मुज़फ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन की एक बैठक मे एम पी एल 2 को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. एम पी एल-2, 23 फरवरी से शुरू होगा एसोसिएशन के सचिव मनोज पुंडीर नें बताया कि् एम पी एल 2 मे इस बार 12 टीम होंगी जिनमे कुल 33 मैच होंगे. प्रत्येक टीम को 2 खिलाडी अपनी इच्छा सें चुनने की छूट होगी. उन्होने जानकारी दी कि गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन प्लेयर्स रजिस्ट्रेशन भी शुरू कर दिए गए हैं। अब तक 110 खिलाडी अपना पंजीकरण करा चुके हैं रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 25 दिसंबर निर्धारित की गई हैं। अरविन्द्र भारद्वाज को एसोसिएशन का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

पिछले वर्ष इसके सफल आयोजन में उत्साहित होकर इस बार एम सी ए की आयोजन समिति द्वारा 5 नई टीमों को प्रवेश दिया गया है जिनमे क्रिकगिरी, देवभूमि ग्रुप, सिल्वर्टन पल्प एंड पेपर, जी बी टी प्राइवेट लिमिटेड और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन शामिल है. अन्य टीमों मे वसुंधरा इंफ्राबिल्ट, सिल्वरटन, टिहरी स्टीलस, अम्बा, क्रिस्टल बालाजी, आर पी एल इंडस्ट्री, और बिंदल ग्रुप कीं टीमे शामिल है.. इस लीग सें स्थानीय खिलाड़ियों सहित आसपास के खिलाड़ियों भी को अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिलेगा. इस बार टीमों को कैश प्राइज भी बढ़ाया जा रहा है विजेता और उपविजेता को कुल 2 लाख कैश मनी मिलेंगी प्रत्येक टीम मे 14 खिलाडी होंगे.।चेयरमैन भीम कंसल नें बताया कि जनवरी मे ट्रायल, प्लेयर्स ड्राफ्टिंग और ऑक्शन किया जाएगा. सभी मैच स्पोर्ट्स स्टेडियम मे ही खेले जायेगे. 12 मार्क प्लेयर्स की सूची भी जल्द ही घोषित होंगी। प्रत्येक टीम मे 11 खिलाडी मुज़फ्फरनगर शामली और सहारनपुर जिलों सें होंगे. मुज़फ्फरनगर और इसके आसपास के क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपने हुनर का मौका दिखाने के लिए इन दोनों जिलों को भी अवसर देने का निर्णय लिया गया हैं विकास राठी, और ओमदेव सिंह सहित सभी के सुझाव पर. इस बार एम पी एल 2 मे खेलने वाले प्रत्येक खिलाडी को भी एक निश्चित धनराशि भी देने पर निर्णय लिया गया है। पिछले सीजन मे खेली सभी टीमों को 2 खिलाडी रिटेन करने का भी अधिकार होगा. सभी मैचों का लाइव प्रसारण भी पिछले वर्ष की तरह ग्लोबल स्तर पर होगा। लीग मे सेमीफाइनल और फाइनल मैच मे अंपायरिंग करते हुए एक पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय अंपायर भी नजर आएंगे। बैठक मे पूर्व राज्य क्रिकेटर आकाश लूथरा को एग्जीक्यूटिव सदस्य बनाया गया जबकि अंकुर को क्रिकेट कोच, रवि कौशिक को टेक्निकल कमिटी हेड, डॉ शिवानी को चिकित्सा प्रमुख की जिम्मेदारी सर्व सम्मति सें दी गई. आज हुई एक बैठक मे चेयरमैन भीम कंसल, अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, सचिव मनोज पुंडीर उपाध्यक्ष कुशल पाल सिंह, इन्दर माथुर, योगेंद्र मलिक संजय शर्मा, अजय जैन सी ए, ओमद. ेव सिंह, विकास राठी, रोहित चौधरी, रोहन त्यागी, संजय चौधरी, आशीष भटनागर श्रीश वर्मा, अरविन्द भारद्वाज, अरशद, डॉ हेमंत, योगेश कुमार, आदि उपस्थित रहे

फुगाना पुलिस ने वारंटी अरेस्ट कर भेजा जेल

फुगाना/बुढाना। फुगाना पुलिस ने किसी एक पुराने मामले में महीनों से फरार चल रहे एक वारंटी को उसके ही घर से गिरफ्तार करने के बाद लिखा पढ़ी कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार फुगाना थाना अध्यक्ष विजय कुमार के नेतृत्व में सराय पुलिस चौकी के प्रभारी पिंटू चौधरी ने सब इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह की मदद से कई महीनों से फरार चल रहे एक वारण्टी विपिन कुमार पुत्र घमण्डी लाल निवासी ग्राम सराय थाना फुगाना जनपद मुजफ्फरनगर को आज सोमवार की अल सुबह किसी खास मुखबिर की सटीक सूचना पर उसके घर से गिरफ्तार करने के बाद लिखा पढ़ी करते हुए जिला कारागार भेज दिया है।

5 जनवरी को तहसील में उग्र आंदोलन करेगा प्रधान संगठन

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। अखिल भारतीय प्रधान संगठन से जुड़े दर्जनों ग्राम प्रधानों ने सोमवार को तहसील परिसर में एकजुट होकर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानों ने तहसील प्रशासन पर समस्याओं की अनदेखी और कथित धांधली के गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार नारेबाजी की। संगठन ने प्रशासन को 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में लंबित मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो 5 जनवरी को तहसील परिसर में विशाल धरना-प्रदर्शन के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन के पश्चात प्रधान संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी निकिता शर्मा को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में बताया गया कि तहसील खतौली क्षेत्र में मत्स्य पालन के अंतर्गत उठाए गए तालाबों की वसूली कई वर्षों से लंबित है, जिसे शीघ्र जमा कराया जाना आवश्यक है। प्रधानों ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में टंकी निर्माण के दौरान उखाड़े गए रास्तों को अब तक दुरुस्त न किए जाने और टंकियों के संचालन में हो रही देरी पर भी नाराजगी जताई। इससे ग्रामीणों को रोजमर्रा की आवा. जाही और पेयजल आपूर्ति में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त ग्राम जहांगीरपुर दूधाहेड़ी-अब्दुल्ला नगर उर्फ सोंटा की सीमा पर हटाए गए सीमा-धोतक चिन्हों को तत्काल पुन: स्थापित कराने की मांग की गई।

ग्राम दूधाहेड़ी में पंचायत सचिवालय निर्माण के लिए ग्राम सभा की भूमि उपलब्ध न होने पर ग्रामीणों द्वारा विनोद निवासी दूधाहेड़ी की भूमि समर्पित किए जाने के बावजूद राजस्व संहिता की धारा 118 के अंतर्गत अब तक कार्रवाई न होने पर भी प्रधानों ने रोष व्यक्त किया।

ज्ञापन में ग्राम दूधाहेड़ी से जुड़े धर्मवीरी पत्नी सुक्कन तथा बाबूराम पुत्र कलीराम के मामलों में बिना सूचना एकतरफा निस्तारण कर अवैधानिक रूप से कब्जा कराए जाने का आरोप लगाते हुए इसे नियमों के विरुद्ध बताया गया और तत्काल सुधार की मांग की गई। प्रधान संगठन ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में सभी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो 5 जनवरी को तहसील परिसर में बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ठण्ड से कांप रहे बुजुर्ग को एसडीएम ने अपने हाथो से औढ़ाया कंबल

जानसठ। उप जिलाधिकारी कार्यालय में माहौल उस समय खुशनुमा हो गया जब एक बुजुर्ग एक शिकायत लेकर उप जिलाधिकारी के पास पहुंचा लेकिन अत्यधिक ठंड होने के कारण बुजुर्ग सर्दी से कांप रहा था तुरंत ही उप जिलाधिक. ारी जानसठ ने कंबल मंगाकर उसको अपने हाथों से ओढ़ाया जिसने भी यह दृश्य देखा उसी ने उप जिलाधिकारी की मानवीयता इंसानियत की तारीफ की।

सोमवार को एसडीएम जानसठ राजीव भारती अपने कार्यालय में जन समस्याएं सुन रहे थे तभी ठंड से काँपते हुए एक बुजुर्ग अपनी शिकायत लेकर एसडीएम के पास पहुंचा और अपनी समस्या से अवगत कराया तो वहीं ठंड से कांप रहे बुजुर्ग व्यक्ति आसाराम पुत्र अत: निवासी ककरौली को एसडीएम ने कर्मचारियों से कंबल मंगवा कर अपने हाथों से औढ़ाया और एसडीएम ने उनकी समस्याएं भी सुनी और जांच कर कार्रवाई की बात कही। प्रशासन का मानवीय इंसानियत भराचेहरा यह दिखता है,कि अधिकारी सिर्फ अपनी डयूटी ही नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ भी लोगों की मदद करते हैं खासकर ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को सहारा देकर यह घटना दर्शाती है कि अधिकारी जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और इस तरह के मानवीय कार्य भी बड़े प्रभाव डालते हैं।

श्री रामभवन में विश्व ध्यान दिवस पर ध्यान योग साधना

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरकाजी। शान्ति कुंज परिवार के तत्वाधान में कस्बे में वियव ध्यान योग दिवस भारी उत्साह के साथ मनाया गया है इस अवसर पर साधको को एलएडी के माध्यम से ओन लाईन ध्यान योग कराया गया है।

रविवार की देर शाम श्री रामभवन एवं गायत्री योग संस्थान सत्यविहार कालौनी पुरकाजी में शान्ति कुज परिवार से जुडे शरद गर्ग तथा शांति कुंज हरिद्वार प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में संयुक्त रूपसे मनाया गया है। इस दौरान एलईडी के माध्यम से हार्टफुलनेस संस्था के प्रमुख श्री कमलेश पटेल के सानिध्य में आन लाईन ध्यान योग साधना कराया गया है । ध्यान योग साधना आत्मा और परमात्मा मिलन का सबसे सरल मार्ग है तथा ध्यान योग साधना

स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है । सिर्फ 30 मिनट मोन रहकर मन को एकाग्र रख परमात्मा मे ध्यान करे जो पेर की अगुलियो से शुरू कर आंखें बन्द कर शरीर के सभी अंगो तक पर ध्यान केंद्रित रख परमात्मा का स्मरण करें

इस अवसर पर ध्यान योग में शरद गर्ग . योगेन्द्र भारद्वाज . विनित चौधरी . कमल बंसल . मनीष गोयल . प्रभा गोयल . क्षमा गोयल . डिम्पल चौधरी . चौधरी सहदेव का भारी सहयोग रहा है तथा ध्यान दिवस मे सुधीर बंसल . डा . कुलद. ीप कोरी . धीरज गर्ग . दुष्यंत शर्मा . बिनू बंसल .

कल्याणपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन

बुढ़ाना। गांव कल्याणपुर में शहीद नसीम अली और शहीद वकील अली की स्मृति में आयोजित की गयी मेमोरियल कप क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन बीती रविवार की सायं हो गया। 19 दिवसीय टूर्नामेंट में कुल 34 टीमों ने भाग लिया। विभिन्न गांवों से आए युवा खिलाड़ियों ने इसमें हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला किरठल टीम व सांझक टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर किरठल टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 87 रन बनाए। जवाब में सांझक टीम ने 89 रन बनाकर फाइनल जीत लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य चौधरी मुजफ्फर अली रहे। विजेता टीम सांझक को 71 हजार रुपए नकद, ट्रॉफी व मेडल दिए गए। उप विजेता टीम किरठल को 31 हजार रुपए नकद, ट्रॉफी व मेडल दिया गया। टूर्नामेंट सभी ग्रामीणों द्वारा कराई गयी। एंपायरिंग बटर कुरैशी और नोमान चौधरी ने की और कमेंट्री शोएब खान व रिफाकत ने की।

आर्य एकेडमी में आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला

मुजफ्फरनगर। आर्य एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल में आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई। सीबीएसई की गाइडलाइन पर आयोजित इस कार्यशाला में अनुभवी विषय विशेषज्ञ मुकुल तायल प्रधानाचार्य द्धनिर्मल आश्रम दीपमाला पघरानी पब्लिक स्कूल देहरादून) एवं श्रीमती भारती तिवारी प्रधानाचार्या एस डी पब्लिक स्कूल मुज़फ्फरनगर द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा किया गया ।

विशेषज्ञों ने आपदा के समय सुरक्षा उपाय, सुरक्षित निकासी योजना, प्राथमिक उपचार तथा विद्यालय स्तर पर आपदा प्रबंधन योजना की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र संवादात्मक रहा, जिसमें शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किया और आपदा से संबंधित विभिन्न परिस्थितियों पर प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को विद्यालय एवं विद्यार्थियों कि सुरक्षा सुनिचित करने हेतु आवश्यक दक्षताओ सशक्त किया गया । विद्यालय की प्रधानाचार्या सोनिका आर्य जी ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम को समय की आवश्यकता बताते हुए कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

जीडी गोयनका में करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम सम्पन्न

मुजफ्फरनगर। जी. डी. गोयनका विद्यालय, मुज़फ्फरनगर में विद्यार्थियों को भविष्य की शिक्षा एवं करियर विकल्पों से अवगत कराने के उद्देश्य से एक करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन एवं उभरते हुए करियर विकल्पों की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रणवीर सिंह, प्रधानाचार्य, राजकीय इंटर कॉलेज, कम्हेड़ा तथा विद्यालय प्रबंधक महोदय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतिष्ठित बि्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर कक्षा 12 के बाद उच्च शिक्षा के विकल्पों, कौशल-आधारित करियर तथा 21वीं सदी में आवश्यक कौशलों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बल मिला।कार्यक्रम के अंतर्गत क्वांटिका एजुकेशन से श्री अतुल आनंद ने न्यू एज एवं स्किल-बेस्ड करियर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने कक्षा 10 के बाद शैक्षणिक विकल्पों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। ळस। यूनिवर्सिटी से श्री सिद्धार्थ पन्नू ने बोर्ड परीक्षाओं में तनाव प्रबंधन विषय पर उपयोगी सुझाव दिए। ज्ञस यूनिवर्सिटी से श्री प्रवीण कुमार ने सही कॉलेज एवं इंजीनियरिंग के चयन पर जानकारी दी, जबकि ग्लोबल करियर काउंसलर सुश्री ऐेश्वर्या वर्मा ने ब्न्ल्ज से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। मुख्य अतिथि डॉ. रणवीर सिंह ने

अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रूबी मलिक द्वारा अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने जानक. ारी दी कि विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार के शैक्षिक एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

भीम आर्मी जय भीम संगठन ने नकली किन्नरों के खिलाफ खोला मोर्चा

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर में भीम आर्मी जय भीम संगठन ने देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा उठाते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि जिले में नकली किन्नरों के नाम पर संगठित रूप से धन वसूली की जा रही है, जो अब एक संभावित सुरक्षा खतरे के रूप में सामने आ रही है।

संगठन का कहना है कि कुछ संदिग्ध लोग हिंदू नाम अपनाकर किन्नर का भेष धारण कर बधाई के नाम पर जबरन वसूली कर रहे हैं। आरोप है कि इन लोगों की पहचान, जन्म स्थान और आपराधिक पृष्ठभूमि संदिग्ध है, जिससे सामा. जिक सौहार्द के साथ-साथ कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

भीम आर्मी जय भीम ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे सभी व्यक्तियों की गहन जांच, डिजिटल

व फिजिकल वेरिफिकेशन और आपराधिक इतिहास की पड़ताल कराई जाए।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि प्रशासन ने शीघ्र सख्त कदम नहीं उठाए, तो संगठन सड़क से संसद तक आंदोलन करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ी तो जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा, क्योंकि यह मामला सिर्फ स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित और देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। संगठन के लोगों ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में प्रशासन को एक शिकायती पत्र दिया है और यदि उसे पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह अगला कदम उठाएंगे

शाह टाइम्स

स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नाबालिग के लापता होने से मचा हड़कंप, तीन पर ले जाने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग लड़की के अचानक लापता होने का मामला सामने आने से इलाके में हड्कंप मच गया। परिजनों ने कुछ युवकों पर लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झिंझाना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ने चौकी पर दी तहरीर में बताया कि चार दिसंबर की सुबह करीब नौ बजे उनकी पुत्री घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी।

काफी देर इंतजार करने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और रिश्तेदारों व आसपास के गांवों में भी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पीड़ित पिता का आरोप है कि गांव के ही अमन , सोनी कुमार , और अमित, उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं।

परिजनों का कहना है कि आरो. पित युवकों के मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। बेटी के लापता होने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुक. दमा दर्ज कर लिया है। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और युवकों की तलाश की जा रही है। चौकी प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। लड़की की सकुशल बरामदगी के लिए टीम लगाई गई है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

कोहरे के बीच नौनिहान जा रहे स्कूल, छुट्टी की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शीत लहर और घने कोहरे के चलते सबसे अधिक परेशानियां स्कूली बच्चों को हो रही है। ऐसे कडाके ही ठंड में सरकारी स्कूलों में बच्चें फर्श पर बैठकर शिक्षण कार्य करने को मजबूर है। जिसका असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड सकता है।

सोमवार सवेरे से ही घने कोहरे और शीत लहर का प्रकोप देखने को मिला।

तडके घने कोहरे के बीच बच्चे स्कूल पहुंचे। यहां ठंड में कांपते हुए स्कूल पहुंचे बच्चों व उनके अभिभावकों को काफी परेशानियां हुई। सबसे अधिक परेशानी सरकारी स्कूलों के बच्चों को हुई है। यहां बच्चों कें लिए बैठने के लिए फर्नीचर की व्यावस्था न होने से बच्चे जमीन पर बैठकर शिक्षण कार्य करते नजर आए। शिक्षकों का कहना था कि फर्नीचर की व्यावस्था न होने के कारण बच्चे टाट पर बैठते है। वही प्राईवेट स्कूलों के वाहनों में जाने वाले बच्चों को भी कोहरे से होकर गुजरना पडा।

कोहरे में बच्चों को स्कूल भेजते समय अभिभावक भी काफी परेशान नजर आए। अभिभावकों ने जिला प्रशासन से ठंड के प्रकोप को देखते हुए स्कूलों का अवकाश घोषित करने की मांग की है।

ठंड व कोहरे के चलते घरों में दुबके लोग, कारोबार ठंडा

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जनपद शामली में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह और देर रात घना कोहरा छाए रहने से लोग आवश्यक कार्यों के अलावा घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। ठंड बढ़ने के कारण बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दिया, जिससे रोजमर्रा का कारोबार भी प्रभावित हुआ है।

सोमवार को मौसम का अधिकतम तापमान 19 डिग्री सैल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। सवेरे से ही आसमान में कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण सड़कों और हाईवों पर .श्यता काफी कम रही। जिससे वाहन चालकों को अपने गणत्वय की ओर जाने में काफी दिक्कतें हो रही थी। शामली के मेरठ-करनाल मार्ग, दिल्ली यमनोत्री मार्ग, पानीपत खटीमा मार्ग पर कोहरा से दृश्यता कम रही है। जिससे वाहल चालक दुर्घटनाओं की आशंका के चलते रेंगते हुए गुजरे। कई वाहन चालक को हादसों की आशंका के चलते सड़क किनारे खड़े रहे। बढ़ती ठंड के कारण लोगों का जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त दिखाई दिया। शाम होने पर ठंड का प्रकोप और अधिक बढ़ गया था। रात में तापमान गिरने से लोग घरों में दुबके रहे हैं।

एक नजर

सफाई कर्मियों की नियुक्ति को लेकर गंभीर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की एक बैठक नगर पालिका स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संघ पदाधिकारियों ने नगर पालिका में सफाई कर्मियों की नियुक्तियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए और रोष व्यक्त किया। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि पूर्व में यूनियन, नगर पालिका शासन व प्रशासन के बीच आपसी सहमति से यह तय हुआ था कि शहर के गरीब, योग्य और मेहनती व्यक्तियों को ही सफाई कार्य पर रखा जाएगा। इसके बावजूद नगर पालिका अध्यक्ष व कुछ सभासदों द्वारा मनमर्जी करते हुए एक से दो लाख रूपए तक की कथित रिश्वत लेकर नगर क्षेत्र शामली से बाहर के लोगों को सफाई कार्य पर रखा जा रहा है, जिसका यूनियन लगातार विरोध कर रही है। संघ ने आरोप लगाया कि इस संबंध में ईओ को कई बार पत्र लिखकर अवैध नियुक्तियों पर सवाल उठाए गए, लेकिन हर बार ईओ द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया और बात को टाल दिया गया। बताया कि इस प्रकरण में एडीएम द्वारा अधिशासी अधिकारी को लिखित आदेश दिए गए थे कि सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति पारदर्शिता एवं नियमों के अनुसार की जाए, लेकिन आरोप है कि इन आदेशों की अवहेलना करते हुए पैसे लेकर नियुक्तियां की गई हैं। इतना ही नहीं, जिन लोगों को रखा गया है, उनमें से कई स्वयं कार्य नहीं करते और अपने स्थान पर अन्य व्यक्तियों से काम कराते हैं, जबकि कुछ तो डड्टी पर आते ही नहीं हैं। प्रशासन से मांग की है कि नियमों के तहत निष्पक्ष रूप से, बिना किसी लेन-देन के, ऐसे गरीब और मेहनती व्यक्तियों को कार्य पर रखा जाए जो स्वयं काम करें। चेतावनी दी है कि यदि अवैध नियुक्तियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो यूनियन कठोर कदम उठाने को मजबूर होगी। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रवीन कुमार, जिला महासचिव अश्वनी कुमार आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सवेरा के तहत विद्यालय में नशा-मुक्ति का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन सवेरा नशे के अंधकार से, जीवन के उजाले की ओर के तहत थाना कैराना पुलिस ने सोमवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय ऊंचा गांव में नशा-मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर उन्हें नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी। सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इससे व्यक्ति की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और निर्णय क्षमता कमजोर हो जाती है, जिसका सीधा असर पढ़ाई, करियर और सामाजिक जीवन पर पड़ता है। कार्यक्रम में बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के उज्ज्वल भविष्य को अंधकार में धकेल देती है और यह अपराध, हिंसा व सड़क दुर्घटनाओं का भी प्रमुख कारण बनती है। नशे के चलते पारिवारिक विघटन, आर्थिक संकट और सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पुलिस ने छात्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने, गलत संगत से बचने, शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेने तथा सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कैराना पुलिस ने विद्यार्थियों को नशा संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को नशा-मुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ह्ऑपरेशन सवेराह्व अभियान के तहत आगे भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

व्यापारी हितों से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिका. रियों ने सोमवार को डीएम अरविन्द कुमार चौहान से मुलाकात कर व्यापारी हितों से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं को जिला व्यापार बंधु की बैठक के एजेंडा में शामिल कराने की मांग की।

उन्होने ज्ञापन देकर बताया कि शामली शुगर मिल से निकलने वाली छाई बड़ी मात्रा में वातावरण में फैल रही है, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। जिसका सीधा प्रभाव व्यापारी वर्ग पर भी पड़ रहा है। व्यापार मंडल ने शहर में ई-रिक्शाओं की अत्यधिक संख्या, गन्ने की बुग्गियों व ट्रॉलियों के अनियंत्रित आवागमन को भी प्रमुख समस्या बताया। इसके कारण शहर में रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके अलावा सड़कों के दोनों ओर फल व सब्जी विक्रेताओं द्वारा किए गए अतिक्रमण से सड़कें संकरी हो गई हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है।

मंगलवार व शनिवार को हनुमान टीला हनुमान धाम मॅदिर के बाहर लगने वाली भीड़ और अव्यवस्थित पार्किंग का मुद्दा भी उठाया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि इस कारण घंटों तक जाम लगा रहता है, लेकिन इसके बावजूद वहां स्थाई ट्रैफिक पुलिस व यातायात नियंत्रण की व्यवस्था नहीं की गई है। इसके साथ ही पूर्वी यमुना नहर, झिंझाना रोड और कैराना रोड पर समुचित घाटों की व्यवस्था न होने से धार्मिक क्रियाकर्म करने में लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कमला कॉलोनी क्षेत्र में अवैध पार्किंग के कारण हो रही परेशानियां, रात्रि में बाईपास उपलब्ध होने के बावजूद भारी वाहनों के शहर के अंदर से गुजरने पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित गोयल, जिला महामंत्री संजीव कुमार उपस्थित रहे।

अबेकस में बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। नेशनल मैथ्स डे के अवसर पर सीआईपी अबेकस में आयोजित विशेष गणितीय कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता में बच्चों ने तेज और सटीक गणना का शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया।

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को चौंपियन ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्थान की डायरेक्टर डॉ। मुदुला जैन ने कहा कि आज के समय में कई बच्चे गणित को कठिन समझकर उससे डरने लगते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है। अबेकस शिक्षा गणित को रोचक और सरल बनाती

है, जिससे बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और तार्किक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। उन्होंने बताया कि अबेकस के नियमित अभ्यास से बच्चे कम समय में सही उत्तर निकालना सीखते हैं। चौंपियन ट्रॉफी विजेता बच्चों में अर्णव गोयल, शिवांश शर्मा, आगम जैन, आरोही चौधरी, निष्का जैन, उम्मेहनी, माधव कुछ्छल, अविका, आरव शर्मा, हर्षिता सिंह और कृष्ण गुप्ता शामिल रहे। रूबी मित्तल, रुचि अरोड़ा, इशिका, एंजेल सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस मुठभेड़ की जांच शुरू

शामली। गत एक दिसंबर 2025 की रात थाना झिंझाना क्षेत्र के ग्राम पांवटी खुर्द के जंगल में वेदखेड़ी-मंसूरा मार्ग पर सतीश कश्यप के खेत में स्थित एक झोपड़ी में बदमाशों के होने की सूचना पुलिस को मिली थी। जहां पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस एवं स्वाट टीम ने बदमाशों की घेराबंदी करते हुए आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने फायरिंग की। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में जनपद शामली से एक लाख रूपए तथा जनपद बागपत से वॉछित अंतर्राज्यि हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त मिथुन पुत्र बिल्लू उर्फ पीलू निवासी ग्राम अलाउद्दीनपुर, थाना झिंझाना घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गया। घायल अभियुक्त मिथुन को उपचार के लिए जिला अस्पताल शामली भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मामले की मजिस्ट्रियल जांच उप जिला मजिस्ट्रेट कैराना द्वारा की जा रही है। उप जिला मजिस्ट्रेट कैराना निधि भारद्वाज ने बताया कि किसी व्यक्ति के पास सूचना या साक्ष्य हों, तो 10 जनवरी तक प्रस्तुत करें।

एसआईआर का प्रकाशन 23 को

शामली। अरविन्द कुमार चौहान, जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत शामली द्वारा अवगत कराया कि पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण 2025 हेतु राज्य निर्वाचन आयोग उप्र की संशोधित अधिसूचना 18.11.2025 के क्रम में 23.12.2025 को पंचायत निर्वाचक नामावली का अनन्तिम प्रकाशन किया जाएगा। पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण 2025 की निर्गत निर्देश पुस्तिका के अध्याय 7 (अनन्तिम निर्वाचक नामावली के आलेख्य का प्रकाशन) के अनुसार निर्धारित अवधि में निर्वाचक नामावलियों की प्रतियां उप्र पंचायत राज अधिनियम (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 में निर्धारित प्रपत्र 1 पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की ओर से नोटिस प्रदर्शित करके निर्वाचक नामावली के आलेख्य का प्रकाशन किया जाएगा और नामावली की एक-एक प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विकास खण्ड कार्यालय, तथा सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर 24.12.2025 से 30.12.2025 तक नियुक्त बी.एल.ओ. द्वारा नि:शुल्क निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई जाएगी। तत्कम में मतदान केन्द्र को ग्राम पंचायत का कार्यालय घोषित किया जाता है। नियुक्त बीएलओ द्वारा निर्धारित अवधि के अन्तर्गत संलग्न सूची के साथ ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपस्थित रहकर दावे एवं आपत्तियों को प्राप्त किया जाएगा तथा नियुक्त पर्यवेक्षक भी उक्त कार्य के पर्यवेक्षण कार्य करने हेतु उत्तरदाई होंगे। निर्वाचक नामावली के निरीक्षण हेतु निर्धारित अवधि के मध्य सुविधानुसार यथासम्भव प्रत्येक ग्राम सभा की खुली बैठक भी बुलाई जाए।

विद्युत विभाग की टीमों का बकायादारों के खिलाफ अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। टोडा में विजिलेंस टीम और बिजली विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाया गया। संयुक्त टीमो ने बकाएदारों के घरो पर पहुँचकर बकाया के सम्बंध मे सूचित किया और तुरंत भुगतान की हिदायत दी। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर समयाबद्ध तरीके से भुगतान नही किया गया तो विभागीय कार्यवाही अमल मे लाई जाएगी।

विभागीय संयुक्त टीमों ने गांव में बिजली के बड़े बकाएंदारों और बिजली चोरी के मामलों में जुर्माना लगाए गए उपभोक्ताओं के यहां पहुंचकर बकाया बिलों की जांच की और तत्काल भुगतान के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया

कि निर्धारित समय में बकाया जमा न करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे और सख्ती बरती जाएगी, जिसमें कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है। इस संयुक्त अभियान से गांव में हड्कंप मच गया और कई उपभोक्ताओं ने मौके पर ही बकाया जमा करने या शीघ्र भुगतान का आश्वासन दिया।

विजिलेंस विभाग की टीम में एसआई रोहिताश सिंह, एसआई नवीन कुमार, हेड कांस्टेबल राम वीरेश यादव, कांस्टेबल प्रवीन और पवन कुमार शामिल रहे। वहीं बिजली विभाग की ओर से जेई मनोज कुमार, जेई आजम अकबर, छोटे जेई रंजीत कुमार तथा टेक्नीशियन बृजेश कुमार अभियान में मौजूद रहे।

श्मशान घाट के समग्र विकास का कार्य शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित वाल्मीकि समाज के वर्षों पुराने अन्त्येष्टि स्थल की बदहाल स्थिति अब जल्द ही अतीत बनने जा रही है। नगर पंचायत द्वारा इस श्मशानघाट के समग्र विकास का कार्य शुरू करा दिया गया है, जिस पर लगभग 28 लाख रूपए की लागत आएगी। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने बताया कि हाइवे के निर्माण के बाद यह अन्त्येष्टि स्थल सड्क स्तर से नीचे चला गया था, जिसके कारण बरसात के दिनों में ही नहीं बल्कि सामान्य दिनों में भी पानी भरा रहता था। जलभराव की गंभीर समस्या के चलते पिछले कई वर्षों से इस स्थान पर अंतिम संस्कार करना भी मुश्किल हो गया था, जिससे वाल्मीकि समाज सहित क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड् रहा था।

अधिशासी अधिकारी ने जानक. ारी दी कि इस विकास कार्य के अंतर्गत श्मशानघाट को उपयोग योग्य बनाने के लिए भूमि का भराव कार्य, जल निकासी की उचित व्यवस्था, आवश्यक निर्माण कार्य और मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या दोबारा न हो। नगर पंचायत का उद्देश्य है कि अन्त्येष्टि स्थल को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक रूप में विकसित किया जाए, जिससे अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। यह विकास कार्य 3 से 6 माह की समयावधि में पूर्ण कराया जाएगा।

विकास कार्य का शुभारंभ विधिवत फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर सभासद जय भगवान, बॉबी अरोरा, अनिल कुमार के साथ अथर सिद्दीकी, सुरेश सैनी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर विकास कार्य का उद्घाटन किया और नगर पंचायत की इस पहल की सराहना की।

स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि वर्षों से उपेक्षित पड़े इस अन्त्येष्टि स्थल के विकास से वाल्मीकि समाज को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा होगा, जिससे भविष्य में किसी भी मौसम में यहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न की जा सके।

गलती से भेजी गई धनराशि वापस कराई

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। थाना थानाभवन में संचालित साइबर सेल टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए आवेदक द्वारा गलती से दूसरे के खाते में ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के माध्यम से भेजी गई 70 हजार रूपए की पूरी धनराशि शत-प्रतिशत वापस करा दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 दिसंबर 2025 को कस्बा थानाभवन के मोहल्ला कस्यावान निवासी इन्जार पुत्र गुलजार ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई थी कि उससे भूलवश ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के दौरान 70,000 रूपए किसी अन्य व्यक्ति के खाते में चले गए हैं। शिकायत मिलते ही साइबर सेल टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं

क्षेत्राधिकारी थानाभवन के निकट पर्यवेक्षण में थाना थानाभवन साइबर सेल टीम द्वारा आवेदक की शिकायत को हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराया गया। इसके पश्चात संबंधित बैंक से पत्राचार कर तकनीकी प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके परिणामस्वरूप गलती से भेजी गई पूरी धनराशि 70 हजार रूपए आवेदक के खाते में वापस करा दी गई। अपनी रकम वापस मिलने पर आवेदक इन्जार ने जनपद शामली पुलिस एवं थाना थानाभवन की साइबर सेल टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी भी प्रकार की गलत ऑनलाइन ट्रांजैक्शन, साइबर ठगी या अन्य साइबर अपराध से संबंधित समस्या उत्पन्न होती है, तो तुरंत 1930 पर कॉल करें अथवा www.cyber-crime.gov.in वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर धनराशि सुरक्षित कराई जा सके। धन. राशि वापस कराने वाली टीम में बिजेन्द्र सिंह रावत प्रभारी निरीक्षक, प्रमोद कुमार, निरीक्षक अपराध, अमरजीत सिंह, कांस्टेबल, जोगेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, थाना थानाभवन शामिल रहे। यह कार्रवाई साइबर अपराधों के प्रति पुलिस की तत्परता और आमजन के हित में की जा रही प्रभावी पहल को दर्शाती है।

जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊन। तहसील के गांव खेड़ी खुशनाम में जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है तथा कब्ज धारा पीड़ित को उलटे झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी दे रहे हैं इस संबंध में पीड़ित ने उपजिला अधिकारी को शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है । गांव खेड़ी खुशनाम निवासी प्रेम पुत्र आसाराम की खसरा नंबर 81म हैं आरोप है कि उक्त भूमि पर गांव निवासी सुनील ने अवैध कब्जा कर रखा है तथा आए दिन सुनील व उसकी पत्नी रीता उसे झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी देते हैं तथा उसके खिलाफ बार-बार झूठे प्रार्थना पत्र दिए जा रहे हैं इस संबंध में पीड़ित ने उप जिलाधिकारी को शिकायतकर कार्रवाई की मांग की है।

भारत स्काउट-गाइड का कैंप लगा

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। भारत स्काउट एवं गाइड, शामली के तत्वावधान में सोमवार को नगर के लाला लाजपत राय कन्या इंटर कॉलेज, में गाइड कैंप का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. पूजा मलिक द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को शुभाशीष देते हुए देशभक्ति, अनुशासन तथा स्काउटिंग के सेवा-भाव को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित करते हुए गाइड गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को प्रथम सोपान से लेकर राज्य पुरस्कार तक की यात्रा को लक्ष्य बनाकर निरंतर परिश्रम, सेवा एवं नेतृत्व गुणों को विकसित करने के लिए उत्साहित किया। शिविर की संचालिका मती

गीता रानी जिला संगठन आयुक्त एवं श्रीमती गायत्री देवी द्वारा आज के प्रशिक्षण सत्र में छात्राओं को ध्वज शिष्टाचार, टोली निर्माण, स्काउट-गाइड का इतिहास, प्रार्थना, झंडा गीत आदि के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं में अनुशासन, सहयोग और राष्ट्रीय भावना का विकास किया गया।

विद्यालय की गाइड कैप्टन मती ललतेश रानी एवं मती बबीता तायल ने छात्राओं की टोलियां बनाने, शिविर की व्यवस्थाओं तथा संचालन में सक्रिय व सराहनीय सहयोग प्रदान किया। शिविर के दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की तालियों, प्रेरणादायक गीतों एवं सामूहिक गति. विधियों के माध्यम से उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण अनुशासन, ऊर्जा और उल्लास से परिपूर्ण रहा।

पश्चिमी यूपी में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर एसडीपीआई ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कैराना। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की स्थाई खंडपीठ स्थापित किए जाने की मांग को लेकर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया एसडीपीआई के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज को सौंपा।

सोमवार को एसडीपीआई के कार्यकर्ता तहसील मुख्यालय पहुंचे और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नागरिकों को सुलभ व शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाईकोर्ट की स्थाई खंडपीठ स्थापित किए जाने की मांग उठाई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय का मुख्यालय प्रयागराज में स्थित है, जो पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एकमात्र उच्च न्यायालय है। वर्तमान में इसकी केवल एक स्थाई पीठ लखनऊ में संचालित है, जबकि पश्चिमी उत्तर

प्रदेश जैसे बड़े और घनी आबादी वाले क्षेत्र के लिए अब तक कोई खंडपीठ स्वीकृत नहीं की गई है।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि मेरठ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्षों से हाईकोर्ट बेंच की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश से उच्च न्यायालय में दायर होने वाले कुल मामलों में से लगभग 54 प्रतिशत मामले पश्चिमी उत्तर प्रदेश से संबंधित हैं, इसके बावजूद यहां स्थाई खंडपीठ का न होना न्याय व्यवस्था में असंतुलन को दर्शाता है। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 214 से 231 तक का हवाला देते हुए बताया गया कि उच्च न्यायालयों एवं उनकी खंडपीठों की स्थापना से संबंधित स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट द्धअधिकरण स्थापना आदेश-1948ऋ और संविधान के अनुच्छेद 231 के अंतर्गत राष्ट्रपति को स्थाई खंडपीठ की स्थापना का अधिकार प्राप्त है। ऐसे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से आमजन को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय मिल सकेगा। एसडीपीआई कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से मांग की कि उपरोक्त तथ्यों और संवैधानिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की स्थाई खंडपीठ स्थापित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इस दौरान वेसर, इसरार, नौशाद सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता

नूरपूर। आरआर पब्लिक स्कूल में महान गणितज्ञ रामानुजन की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। स्कूल में गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने रामानुजन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में राष्ट्रीय गणित दिवस महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की याद में मनाया जाता है। रामानुजन का बचपन निर्धनता और कठिनाइयों में बीता। श्रीनिवासन रामानुजन के गणित पर लिखा आर्टिकल तत्कालीन समय की सर्वोत्तम विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित होते थे। संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए उन्हें संख्याओं का जादूगर माना जाता है। उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह के अनुसार महान गणितज्ञ रामानुजन की जयंती पर स्कूल में प्रत्येक वर्ष रामरक्षपाल मेमोरियल मैथमेटिक्स ओलंपियाड का आयोजन होता है। सुशांत मेहरा, मुकुल शर्मा, गौरव रहे।

छात्राओं ने राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता में जीते पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्राओं ने 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेल कुराश प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वावधान में भीमराव अंबेडकर स्टेडियम, सहारनपुर में आयोजित यह प्रतियोगिता 16 दिसंबर से 21 दिसंबर तक चली, जिसमें देश के 18 राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यालय की बालिकाएं सलोनी, सृष्टि एवं गोरी ने सहभागिता की। अंडर-19 वर्ग में सलोनी ने रजत पदक तथा सृष्टि ने विद्या भारती कुराश प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ग में रजत पदक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। सलोनी को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 50 हजार की पुरस्कार राशि तथा सृष्टि को विद्या भारती की ओर से 10 हजार रूपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। साथ ही भविष्य में सलोनी के खेलो इंडिया के लिए चयन की भी संभावना जताई जा रही है। प्रतियोगिता से लौटने पर विद्यालय परिसर में छात्राओं का पुष्पवर्षा एवं घोष के साथ भव्य स्वागत किया गया। मौके पर रवि बंसल, प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार, रेनू रानी, धर्मेंद्र कुमार, संजीव कुमार, संदीप कुमार, गीता रानी, कविता रानी, अनीता रानी, अमित कुमार, मोहित कुमार, विकास कुमार मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। सोमवार को लखनऊ स्थित विधानसभा परिसर में समा. जवादी पार्टी के सभी विधान परिषद सदस्यों ने प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कोडिन कफ सिरप मामले, जाति विरोधी नीति, चित्रकूट में सामने आए ट्रेजरी घोटाले की सीबीआई जांच की मांग तथा प्रदेश में लगातार बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर सरकार को घेरा गया।

धरना-प्रदर्शन में शामली से एमएलसी किरणपाल कश्यप ने भी भाग लिया और सरकार पर जनविरा. `धी कार्यशैली अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और सरकार गंभीर मामलों की निष्पक्ष जांच कराने से बच रही है। कोडिन कफ सिरप प्रकरण में दोषियों पर सख्त कार्रवाई न होने से जनता में रोष है, वहीं जाति के आधार पर भेदभावपूर्ण नीतियां सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा रही हैं।

एमएलसी किरणपाल कश्यप ने चित्रकूट ट्रेजरी घोटाले की सीबीआई जांच कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि बिना स्वतंत्र जांच के सच्चाई सामने नहीं आ सकती। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी।

हाईकोर्ट की स्थाई बेंच की स्थापना की मांग को लेकर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। सोमवार को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की स्थाई बेंच की स्थापना की मांग को लेकर कलक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट का मुख्यालय प्रयागराज में स्थित है, जो उत्तर प्रदेश का एकमात्र उच्च न्यायालय है। वर्तमान में इसकी केवल एक स्थाई बेंच लखनऊ में कार्यरत है, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए कोई भी स्थाई बेंच उपलब्ध नहीं है। मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की मांग पिछले कई दशकों से की जा रही है, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। एसडीपीआई पदाधिक. ारियों ने कहा कि क्षेत्रीय न्याय उपलब्धता और न्यायिक समानता के .ष्टिकोण से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की स्थाई बेंच की स्थापना अत्यंत आवश्यक हो चुकी है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 214 से 231 तक का उल्लेख करते हुए कहा कि

हाईकोर्ट की स्थाई बेंच की स्थापना का अधिकार राष्ट्रपति को प्राप्त है।वर्ष 1972 में तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थाई बेंच स्थापना के अधिकार का प्रयोग किया गया था, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट की फुल कोर्ट की सहमति न मिलने के कारण वह आदेश प्रभावी रूप से लागू नहीं हो सका। वर्तमान में प्रयागराज स्थित मुख्यालय और लखनऊ बेंच के अतिरिक्त प्रदेश में कोई अन्य स्थाई बेंच नहीं है।

कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हाईकोर्ट में लगभग 54 प्रतिशत वाद आते हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या, अनेक जनपदों और भारी वाद-भार के बावजूद यहां स्थाई बेंच का न होना वादकारियों पर अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक बोझ डालता है। न्याय की सुगम, सुलभ और किफायती उपलब्धता के लिए यह स्थिति अत्यंत अन्यायपूर्ण है।

मांग की कि उपरोक्त तथ्यों और संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की स्थाई बेंच की स्थापना की जाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष इसरार खान, डा। सरवार, इंतजार, उवेश, सादिक, शहजाद, उसमान, चांद आदि मौजूद रहे।

एक नजर

रबी की फसलों में कोहरा व पाले से होने वाले नुकसान से बचाव के दिए टिप्स

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जनपद शामली के सभी कृषको को जिला कृषि रक्षा अधिक. ारी शामली की ओर से अवगत कराया जाता है कि तापमान में आई गिरावट के कारण कोहरे व पाले से दलहनी एवं तिलहनी फसले पाले से प्रभावित हो सकती है, शाम के समय पाला पडने की सम्भावना अधिक रहती है जिससे फसलो की पत्तिया काली पड़ सकती है इससे बचाव के लिए शाम या रात मे हल्की सिंचाई करने से खेत का तापमान बढ़ता है और पौधे सुरक्षित रहते है। साथ ही किसान भाई आलू में अगेती व पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतू मैकोजेब 75% WP2 किग्रा अथवा कापर आक्सीक्लोराइड 50% WP की 2.5 किग्रा मात्रा प्रति हैक्टर की दर से 500 से 600 ली. पानी मे घोलकर छिडकाव करें। राई-सरसों की फसल में आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग व सफेद गेरूई रोग की रोकथाम हेतू मैंकोजेब 75% WP की 2 किग्रा मात्रा अथवा कापर आक्सीक्लोराइड 50% WAP की 2 किग्रा मात्रा का 500 से 600 ली पानी में घोल बनाकर प्रति है. छिडकाव करें। राई सरसो की फसल में माहू एवं पत्ती सुरंगक कीट के नियंत्रण हेतू एजाडीरेक्टिन 0.15% EAC की 2.5 ली. मात्रा को 500 से 600 ली. पानी में घोल बनाकर प्रति है. छिडकाव करें। रासायनिक नियंत्रण हेतू डाईमैथोएट 30 EAC 1 ली. अथवा क्लोरोपायरीफोस 20% EAC की 1 ली. मात्रा का 600 से 700 ली. पानी में घोल बनाकर प्रति है. छिडकाव करें। मटर की फसल में मिल्डयू रोग के नियंत्रण हेतू मैंकोजेब 75% की 20 किग्रा मात्रा अथवा कापर आक्सी क्लोराइड 50% WAP की 3 किग्रा मात्रा प्रति है. की दर से 500 से 600 ली. पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।

त्रिकालदर्शी वाल्मीकि मंदिर की भूमि को मंदिर के नाम दर्ज करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। क्षेत्र के गांव सिलावर निवासी वाल्मीकि समाज के लोगों ने बहुजन एकता संघर्ष समिति संगठन के नेतृत्व में डीएम को शिकायती पत्र देकर गांव में स्थित प्राचीन महर्षि त्रिकालदर्शी बाल्मीकि मंदिर की भूमि को मंदिर के नाम दर्ज कराने की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि ग्राम के पश्चिम-दक्षिण दिशा में नाले की पटरी व रविदास मंदिर से सटी हुई भूमि पर लगभग 100 वर्ष पुराना महर्षि त्रिकालदर्शी बाल्मीकि मंदिर स्थित है, जिसमें महर्षि बाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित है। मंदिर में गुलाबनाथ पुजारी निवास करते हैं और यह मंदिर पूरे गांव की आस्था का केंद्र है। आरोप है कि दबंगों द्वारा मंदिर की भूमि को राजस्व अभिलेखों में ग्राम की बंजर भूमि के रूप में दर्ज करा दिया गया है, जबकि उक्त स्थान पर वर्षों से मंदिर विद्यमान है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अधिकतर अनपढ़ हैं और कानूनी प्रक्रिया की जानकारी न होने के कारण इस संबंध में अब तक कोई कार्रवाई नहीं करा सके। शिवकुमार द्वारा दिए गए पत्र में कहा गया है कि यह मंदिर करीब एक सदी पुराना है और सामाजिक व धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए न्यायहित में मंदिर की भूमि को सरकारी अभिलेखों में बंजर भूमि के स्थान पर महर्षि बाल्मीकि मंदिर के नाम दर्ज किया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर सदीप कुमार, अरविंद कुमार, राजदेव सिंह, बिटटू कुमार, सुरेशपाल, सतीश, विनोद, जसबीर, विपिन कुमार आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। नगर के राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किसानों के मसीहा एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो। बृजभूषण द्वारा चौधरी चरण सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं पुष्प अर्पित कर किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. बृजभूषण ने चौधरी चरण सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन किसान, ग्रामीण समाज और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा।

उन्होंने सादगी, ईमानदारी और सिद्धांतों के साथ राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। किसानों के अधिकारों की रक्षा और ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण के लिए उनके विचार आज भी प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. ब्रिजेश कुमार राठी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सीमा सिंह, डॉ. नयना शर्मा, डॉ। लक्ष्मी गौतम, डॉ. अंकिता त्यागी, डॉ. संजय कुमार तथा महाविद्यालय की छात्राओं ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मनरेगा से बनी सड़क पर लगवा दिया अपना शीलापट, जांच को पहुंचे डीपीआरओ

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। जिजौला मे मनरेगा से बनी सीसी सडक उदघाटन कर फीता काटने व शीलापट लगवाने के मामले मे डीपीआरओं ने जॉच की और आरा. `पी ग्राम के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अधिकारियो ने बताया कि आगामी पंचायत चुनाव का लाभ लेने के लिए जबरण शीलापट लगवाकर सोशल मीडिया पर फीता काटने की पोस्ट भी वायरल की गई। जांच के बाद अब आरोपी पर कानूनी कार्यवाही होगी।

चौसाना चौकी क्षेत्र के गांव जिजौला मे 53 मीटर सीसी सडक का निर्माण मनरेगा योजना के अन्तर्गत किया गया था। ताकि गंदगी से ग्रामीणो को निजात मिल सके। बता दे कि पंचायत चुनाव को लेकर गांव मे सदगर्मी तेज हो गई है। सीसी सडक के निर्माण का लाभ लेने की नियत से गुफरान नाम के व्यक्ति ने गांव के लोगो को अपने साथ लेकर पहले से सडक के कोने पर अपने नाम का शीलापट लगवाया और उसके बाद गांव के कुछ लोगो को साथ लेकर सडक पर फीटा काटा गया। जिसकी विडियों व फोटो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल किया गया। मामले की जानकारी ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव राजीव कुमार को लगी तो उन्होने उच्चाधिकारियों मामले से अवगत कराया। ग्राम प्रधान आदिल राणा ने एडीओ सतीश कुमार को पत्र देकर जांच की मांग की। इस पर एडीओ समीश कुमार ग्राम सचिव के संग गांव मे पहुँचें और शिकायत को सही पाया। एडीओ सतीश कुमार का कहना है कि आरोपी व्यक्ति के खिलाफ जल्द ही कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सोमवार को डीपीआरओं संदीप अग्रवाल भी जांच को पहुँचें और ग्राम प्रधान को साथ मौके का निरीक्षण किया। डीपाआरओ ने बताया कि सडक का निर्माण मनरेगा से किया गया। गुफरान द्वारा गलत तरीके से लोगो को भ्रमित करने के लिए शीलापट लगाया गया। शीलापट हटाने के साथ कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

किसान यूनियन से जुडा है आरोपी युवक

चौसाना। आरोपी गुफरान ने प्रशासन पैठ दिखाने को गांव के लोगो को भ्रमित करने की नियत से शीलापट लगवा दिया। ताकि रौब गालिब किया जा सके। ग्राम प्रधान ने वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराई तो पटाक्षेत्र हो गया। अब कार्यवाही की तलवार लटकी हुई है।

दिगम्बर जैन मंदिर में णमोकार महामंत्र का पाठ

नजीबाबाद। श्री दिगम्भर जैन पंचायती मॉदिर में विश्व णमोकार मंत्र दिवस पर जैन महिला मिलन शाखा के तत्वावधान में णमोकार महामंत्र का पाठ किया गया। 21 दिसंबर को णमोकार मंत्र दिवस को रूप में विश्व पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद दिया। वरिष्ठ श्राविका रश्मि जैन के सानिध्य में एक घंटे का पाठ किया गया। जिसमें निधि जैन, कुमकुम जैन, संगीता जैन, कुशमंदानी जैन, संध्या जैन, स्वाति जैन, सुनीता जैन, पूनम जैन, श्री जैन, संयम जैन, आदिश जैन, राजीव जैन, भाविक जैन आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5: विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत थाना कैराना पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। इसी क्रम में थाना प्रभारी समयपाल अत्री के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा कस्बा कैराना स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय ऊंचा गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम प्रभारी पिंकी गोस्वामी, मिशन शक्ति टीम व एंटी रोमियो टीम के सदस्यों ने छात्र-छात्राओं, महिलाओं व बालिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्हें बूमेन पावर लाइन 1090, यूपी- 112, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल सुरक्षा और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति भी जागरूक किया। महिला बीट अधिकारी ने डिजिटल ठगी, साइबर अपराध और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई साइबर चुनौतियों से सतर्क रहने के उपाय समझाए। साथ ही मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में महिलाओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, नारी सुरक्षा योजना तथा सभी थानों पर संचालित महिला हेल्प डेस्क के बारे में भी अवगत कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या आपात स्थिति में वे बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि महिला सुरक्षा के लिए थाना स्तर पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

गाड़ी वाला चौक का नामकरण

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। राष्ट्रीय संत महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने मेरठ-करनाल मार्ग स्थित गाड़ी वाला चौक पर विधि-विधान से भूमि पूजन कर आधारशिला का शिलान्यास किया। सोमवार से गाड़ी वाला चौक का नाम औपचारिक रूप से मद्भगवद् गीता चौक हो गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता केवल हिंदू धर्म या भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समस्त विश्व और सभी प्राणियों के लिए है। गीता हमें नेक बनो और एक बनो का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि हस्तिनापुर से कुरुक्षेत्र के युद्ध में जाने का यह मुख्य मार्ग रहा है और यह चौराहा कुरुक्षेत्र और हस्तिनापुर के मध्य स्थित है, इसलिए इसका नामकरण अत्यंत सार्थक है। स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि गीता युद्ध का नहीं, बल्कि शांति और वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देती है। भूमि पूजन और शिलान्यास के दौरान स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कस्बे के खुर्शीद आलम का नाम लेते हुए कहा कि गाड़ी वाला चौक को गीता चौक नाम दिलाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम से पूर्व पंडित वासुदेव द्वारा मंगलाचरण कर भूमि पूजन संपन्न कराया गया। महामंडलेश्वर स्वामी का स्वागत एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक अंदाज में किया गया। छात्राओं के स्वागत से प्रभावित होकर स्वामी जी ने शिक्षा और संस्कारों को समाज की नींव बताया।

इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेश पाल कश्यप, शामली नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश गोयल, अमित शर्मा, राहुल देव गुप्ता, सतीश कश्यप, पाल आर्य, अनिल गर्ग, चरणदास, अनिल संगल, विनोद संगल, नवीन बिंदल, रज्जाक नगर के प्रधान सोरज कश्यप, बाबर कुद्दूसी, शायर वसीम कुरेशी, खुर्शीद आलम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आवासीय प्लॉट पर कब्जे का प्रयास, मां-बेटे से मारपीट, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम झाड़खेड़ी में आवंटित आवासीय प्लॉट पर अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने प्लॉट पर काम कर रहे मां-बेटे के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम झाड़खेड़ी निवासी कमल ने कोतवाली कैराना में दी तहरीर में बताया कि खसरा संख्या 530ख स्थित 80 वर्ग मीटर का आवासीय प्लॉट उसके पिता के नाम वर्ष 2015 में प्रस्तावित होकर स्वीकृत हुआ था, जिस पर विभागीय प्रक्रिया के तहत उन्हें मौके पर कब्जा भी दिलाया गया था। पीड़ित के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे वह अपनी मां के साथ उक्त प्लॉट पर कार्य कर रहा था।

इसी दौरान गांव का ही राहुल पुत्र तेजपाल वहां पहुंचा और प्लॉट पर कब्जा करने की नीयत से गाली-गलौज करने लगा।आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने मां-बेटे के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर प्लॉट पर अवैध कब्जे से रोकने की मांग की है।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक समयपाल अत्री ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुक. दमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

हत्यारोपी तीन दोस्तों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। दस हजार रुपये की खातिर कत्ल करने वाले तीन दोस्तों को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीत कुमार वासवानी की अदालत ने दोषी मानते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थदंड भी लगाया गया है।

मोहल्ला सराय पीरजादगान निवासी अफजाल उर्फ मोनू 11 जनवरी 2024 को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। दो दिन बाद उसके भाई नवाबुर्रहमान ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जांच में जुटी पुलिस को सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में अफजाल आखिरी बार मोहल्ला दुद्धा निवासी दोस्त उस्मान के साथ हाईवे स्थित पेट्रोल पंप के पास जाते हुए दिखाई दिया था। जबकि मोहल्ला सराय पीरजादगान निवासी महताब और मोहल्ला दुद्धा निवासी नरेंद्र सैनी को फावड़ा लेकर जाते हुए देखा गया था। पुलिस ने मृतक की पत्नी आसिया की तहरीर पर तीनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की थी। जिसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की। आरोपियों की निशानदेही पर दस दिन बाद अफजाल का शव हाईवे किनारे एक गड्ढे से बरामद किया गया था। सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीत कुमार वासवानी ने दलीलें सुनने के बाद तीनों को दोषी मानते हुए सश्रम आजीवन कारावास और 70-70 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा न करने पर दो वर्ष अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता देवी दयाल शर्मा ने बताया कि शराब पीने के दौरान हत्यारोपी उस्मान की जेब से दस हजार रुपये गुम हो गए थे, उसे अफजाल पर पैसे निकालने का शक था। इसको लेकर उनके बीच कहासुनी भी हुई थी। इसी रंजिश में उस्मान ने अपने साथियों के साथ मिलकर अफजाल की हत्या की योजना बनाई और हत्या करने के बाद उसके शव को गड्ढा खोदकर दबा दिया था।

मुफ्ती यासिर और मुफ्ती शुमाईल नदवी का हुआ सम्मान

देवबन्द। अंजुमन फिक्र-ओ-तहकीक के बैनर तले रविवार की रात सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इसमें प्रसिद्ध इस्लामिक स्कॉलर मौलाना मुफ्ती यासिर नदीम और मौलाना मुफ्ती शुमाइल अब्दुल्ला नदवी को सम्मानित किया गया।

ईदगाह मार्ग स्थित महमूद हाल में आयोजित समारोह की शुरुआत दारुल उलूम वक्फ के उस्ताद कारी वासिफ की तिलावत-ए-कलाम पाक और मौलवी जीशान की नात-ए-पाक से हुई। इसमें दारुल उलूम के वरिष्ठ उस्ताद मौलाना अशरफ अब्बास ने कहा कि हक और सच हमेशा जिंदा रहता है। उन्होंने कहा कि मदरसा छात्रों को चाहिए कि वे धार्मिक मूल्यों को न केवल समझें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इस्लामिक स्कॉलर मुफ्ती यासिर नदीम ने समाज में धर्म के प्रचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है, विशेष रुप से उन लोगों के लिए जो धर्म के प्रति अनभिज्ञ हैं। कहा कि अनर्गल बयानबाजी करने वालों को समझाने की जरुरत है कि धार्मिक ज्ञान उनके जीवन को कैसे बेहतर बना सकता है। प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर से डिबेट के बाद सुर्खियों में आए मुफ्ती शुमाइल अब्दुल्लाह नदवी ने दारुल उलूम की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि यह संस्था समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां से तालीम हासिल कर छात्र देश ही नहीं बल्कि दुनिया में इस्लाम का परचम फहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे नदवातुल उलमा से अलग नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि दोनों ही इदारों का मिशन एक समान है। अध्यक्षता मौलाना अशरफ अब्बास व संचालन मौलाना महमूदुर्रहमान ने किया। अंत में दारुल उलूम के उस्ताद मौलाना सदाकत कासमी ने मुल्क की खुशहाली और अमनो अमान के लिए दुआ कराई। इस मौके पर मौलाना मोहम्मद मदनी, फैजी सिद्दीकी, जहीन अहमद, उजैफा समेत काफी संख्या में मदरसा छात्र मौजूद रहे।

किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने एक्सईएन को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। किसान मजदूर संगठन के तहसील अध्यक्ष शिवओम राणा के नेतृत्व में किसानों ने सोमवार को एक्सईएन मृत्युंजय शाही को ज्ञापन सौंपा और विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण की मांग की।

किसानों ने बताया कि निहालखेड़ी गांव में हाइवे के नीचे अंडरग्राउंड तार ब्लास्ट हो गए है और हाइवे पार करने के बाद निजी नलकूपों पर जा रही विद्युत लाइन जर्जर बनी हुई है जिसके चलते ट्रांसफार्मर बार-बार फुंक जाता है। इन समस्याओं का समाधान किया जाए। संगठन के पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि स्मार्ट मीटर किसी कीमत पर लगने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने ज्ञापन में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाने, नूनाबड़ी में करंट के कारण मारी गई नूर मोहम्मद की भैंस के मामले में पीडिघ्त पशुपालक को मुआवजा दिए जाने, निहालखेड़ी में किसान सतीश राणा के निजी नलकूप पर विद्युत लाइन खींचे जाने की भी मांग की। किसानों ने यह भी बताया कि उपभोक्ताओं का कनेक्शन बिना किसी सूचना के दो से तीन किलोवाट में तब्दील किया जा रहा है, जो गलत है। ज्ञापन देने वालों में कुशलपाल सिंह, मरगूब, पुरूषोत्तम, विनोद कुमार, अमित राणा, युवांश पुंडीर, अहसान राणा व संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

धोखाधड़ी कर 15 लाख रुपये हड़पने के अरोप में महिला गिरफ्तार

देवबन्द। किसी अन्य व्यक्ति के प्लाट को अपना दर्शाकर फर्जी बैनामा करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मोहल्ला पठानपुरा निवासी आसमा को गिरफ्तार किया है। उस पर धोखाधड़ी कर 15 लाख रुपये हड़पने का भी आरोप है।

पुलिस की ओर से जारी विज्ञिप्त में बताया गया कि 11 नवंबर को सांपला गांव निवासी मनीष सेठ ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि आसमा ने धोखाधड़ी करते हुए किसी अन्य व्यक्ति के प्लाट को अपना दर्शाया और 15 लाख रुपये लेकर उसका फर्जी बैनामा कर दिया। मनीष का आरोप है।

निर्दोष की हत्या समूची मानवता के विरुद्ध अपराध: मौलाना मेहंदी

देवबन्द। इंडिया इस्लामिक एकेडमी के संस्थापक मौलाना मेहदी हसन ऐनी कासमी ने न्यूजीलैंड में सिख समाज द्वारा निकाले जा रहे धार्मिक जुलूस का एक चर्च से जुड़े समूह द्वारा विरोध करने और बांग्लादेश में उपद्रवियों द्वारा हिंदू युवक की हत्या किए जाने की घटनाओं की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इन घटनाओं को कायरतापूर्ण और अमानवीय बताया। सोमवार को जारी बयान में मौलाना मेहदी हसन ने कहा कि न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में सिख समुदाय द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से नगर कीर्तन निकाले जाने का डेस्टिनी चर्च से जुड़े समूह द्वारा यह कहते हुए कि 'ये न्यूजीलैंड है भारत नहीं विरोध करना और कीर्तन के आगे खड़े होकर उसे रोक देना बेहद निंदनीय घटना है। कहा कि किसी भी धार्मिक आयोजन में बाधा डालना असहिष्णुता को बढ़ावा देता है और समाज को विभाजित करता है। कहा कि सेवा, त्याग और सार्वभौमिक भाईचारे की परंपरा रखने वाला सिख धर्म सम्मान और सुरक्षा का पूर्ण अधिकारी है। मौलाना ऐनी ने बांग्लादेश में उपद्रवियों द्वारा एक निर्दोष हिंदू नागरिक की निर्मम हत्या कर दिए जाने की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे मानवता को झकझोर देने वाली, कायरतापूर्ण और अमानवीय घटना बताया। कहा कि धर्म के नाम पर किसी भी निर्दोष व्यक्ति की हत्या न केवल एक समुदाय पर हमला है, बल्कि यह समूची मानवता के विरुद्ध अपराध है। बांग्लादेश सरकार से मांग की कि इस जघन्य अपराध की निष्पक्ष, त्वरित और पारदर्शी जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की गारंटी सुनिश्चित की जाए।

राशन कार्ड निरस्त कराने का आरोप, बीडीओ को सौंपा पत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। गांव दिवालहेड़ी के कुछ लोगों ने गांव के ही एक व्यक्ति पर पार्टी बाजी के चलते उनका राशन कार्ड निरस्त करा दिए जाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में ग्रामीण पोपिन, मोहन, संजय, अंकित, सतीश, विपिन, पवन, आकाश व टीनू ने बीडीओ को प्रार्थना सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि उक्त व्यक्ति ने हम लोगों को अपात्र बताकर उनका राशन कार्ड निरस्त करने की शिकायत की है। जबकि हम मजदूर व गरीब होने के कारण पात्र हैं। इसलिए शिकायत की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाए।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

देवबन्द। पुलिस ने नगर के मोहल्ला कोहला बस्ती निवासी परवेज को 12 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी को मंगलौर मार्ग स्थित नवनिर्मित कॉलोनी के गेट से गिरफ्तार किया है। एनडीपीएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान किया गया है। पुलिस का कहना हैं नशा तस्कारो के खिलाफ क्षेत्र में अभियान लगातार जारी रहेगा। जो कोई भी नशे के कारोबार से जुडा मिलता है उसके विरूद्ध कडी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों का किया गया स्वास्थ्य परिक्षण, दवाई की वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम मुजफ्फरनगर के द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों का स्वास्थ्य परिक्षण कर दवा वितरित की गई। मेरठ रोड स्थित सूजडू चूंगी पर हिंदी दैनिक समाचार पत्र शाह टाइम्स परिसर में आयोजित स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आज 22 दिसम्बर 2025 को लगाया गया। जिसमें समाचार पत्र के एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया और उन्हे उनके अनुसार दवाई वितरित की गई। इस दौरान कर्मचारी राज्य बीमा औषद्यालय मुजफ्फरनगर के चिकित्सक डा. रविंद्र कुमार ने सभी कर्मचारियों का परिक्षण किया और जांच के बाद फॉमेसिस्ट राकेश कुमार ने दवाईयां वितरित की।

इस दौरान शाह टाइम्स के शाहनूर राना, जिया अब्बास जैदी, मौ. आजम, शाह आलम, नदीम खान, नदीम कुरैशी, सज्जाद हैदर, सुहैल बिस्मिल, यूसुफ हैदर, साजिद जैदी, शहजाद आदि कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर के बाद निगम के चिकित्सक डा. रविंद्र कुमार के साथ ग्रुप फोटो का एक दृश्य।

ट्रेन में सवार खाद्य विभाग के कर्मचारी की मौत, परिजनों में कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। दिल्ली जा रही ट्रेन में सफर कर रहे खाद्य विभाग के कर्मचारी की अचानक से तबियत बिगड़ गई। 108 एंबुलेंस की मदद से नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने मर्तक घोषित कर दिया। सूचना पर परिजन भी पहुंच गए परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक व्यक्ति दिल्ली खाद्यय विभाग में नौकरी करता था। परिजन बिना किसी कार्रवाई के शव को अपने साथ ले गए। थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के गांव बधैव निवासी 45 वर्षीय शीशपाल पुत्र रघुवीर दिल्ली में खाद्य विभाग के रासायनिक एवं उर्वरक मंत्रालय में मल्टी टास्किंग स्टाफ के पद पद पर तैनात था। सोमवार सवेरे वह अपने घर से दिल्ली जा रही ट्रेन में सवार होकर अपनी डड्ढूटी पर जा रहा था। ट्रेन में सवार अचानक से तबीयत बिगड़ गई आसपास बैठी सवारियों ने मामले की सूचना डायल 108 एंबुलेंस को दी। रेलवे स्टेशन पर पहुंची एंबुलेंस के कर्मचारियों ने ट्रेन से उतार कर नगर के सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों शीशपाल को मृतक घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। मृतक की जेब में मिले आईडी कार्ड से पहचान हुई और जानकारी परिजनों को दी गई। सूचना पर मृतक के परिजन भी अस्पताल में पहुंच गए और शव देखकर कोहराम मच गया। परिजन बिना किसी कार्रवाई के मृतक को अपने साथ ले गए। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। सरकारी अस्पताल के डाक्टर वीरेंद्र सिंह का कहना है की आशंका है कि ट्रेन में सवार व्यक्ति की हृदय गति रुकने के कारण मौत हुई है।

नो हेलमेट नो फ्यूल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को पेट्रोल पंप पर तैनात रहेगी पुलिसकर्मी

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिका. रियों से सड़क सुरक्षा की दृष्टि से एजेंडा बिंदु के अनुसार समीक्षा करते हुए उचित दिशा निर्देश देते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जहां पर भी अधिक रोड एक्सीडेंट होते हैं उन स्थानों को पर विशेष रूप से सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में समीक्षा करते हुए जिला. धिकारी ने जहां-जहां रोड पर सफेद पट्टी धुंधली हो गई है वहां पर सफेद पट्टी पुन: बनाने के निर्देश एन।एच।ए।आई। को दिए। बैठक में समीक्षा करते हुए हाईवे पर जो गांव के नाम के सूचना बोर्ड है उनका चिन्हांकन कर आवश्यकता अनुसार गांव के बोर्ड को पुन: ठीक कराने के निर्देश दिए। मेरठ करनाल, पानीपत खटीमा,ओर दिल्ली यमुनोत्री मार्ग पर स्पीड की निगरानी हेतु स्पीडोमीटर लगाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान कोहरे की दृष्टिगत टोल गेट पर सड़क सुरक्षा की दृष्टिगत अनाउंसमेंट होता रहने के निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए मानक के अनुसार यातायात के नियमों का पालन न करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा नो हेलमेट नो फ्यूल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए हर पेट्रोल पंप पर पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी,एसडीएम शामली अर्चना शर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजकुमार, साहयक अभियंता लोक निर्माण दीपेंद्र जायसवाल, यातायात सहित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी के छात्रों ने लिया शैक्षणिक पिकनिक का आनंद

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय प्रधानाचार्य कुमारी रंजना मित्तल के नेतृत्व में मुरथल स्थित प्रसिद्ध मेरा देश मेरा गांव रिजॉर्ट में एकदिवसीय शैक्षणिक पिकनिक का आनंद लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को ग्रामीण परिवेश,भारतीय लोक-संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली को नजदीक से समझने का अनूठा अवसर मिला।निर्धारित समय पर छात्र-छात्राएं मुरथल पहुंचे, जहां उनका स्वागत पारंपरिक ग्रामीण माहौल में किया गया। पिकनिक के दौरान बच्चों ने जिप लाइनिंग, रस्सी पुल, रज्जु मार्ग, टायर बैलेंसिंग, जाल चढ़ाई, ऊंट की सवारी, झूला झूलना, नौका-विहार, कठपुतली शो एवं मैजिक शो जैसी रोमांचक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन एडवेंचर गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने शारीरिक चुस्ती, साहस और आत्मविश्वास का परिचय दिया।रिजॉर्ट में सजी विशाल कुर्सी, पारंपरिक चित्रों और ग्रामीण सजावट के बीच विद्यार्थियों ने फोटो सेशन कर यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। इस शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों को भारतीय ग्रामीण संस्कृति, लोक परंपराओं और पारंपरिक खेलों से रूबरू कराया, जिससे उनमें अपनी जड़ों और संस्कारों से जुड़े रहने की भावना और अधिक प्रबल हुई।सामूहिक खेलकूद और समूहगत गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में टीमवर्क, सहयोग और नेतृत्व कौशल का भी विकास हुआ।

जरूरतमंदों को लिहाफ वितरित

नहटौर। मौहल्ला मीरा की सराय में स्थित मदरसा मिस्बाहुल उलूम में लिफाफ वितरण समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व सभासद खुर्शीद आलम अंसारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी 22वां लिफाफ वितरण समारोह में 510 जरूरतमंद लोगों को लिफाफ वितरित किए गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम को देखते हुए प्रत्येक वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिससे जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके। उन्होंने कहा कि समाज सेवा करना एक फर्ज है। जरूरतमंद लोगों की मदद करने से सुकून मिलता है।

हमें अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए समाजसेवा में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने अन्य लोगों से भी जरूरतमंद लोगों की मदद करने का आह्वान किया। इस मौके पर हाजी असलम सैफी, सलीम डालर, राजू चौधरी, युसूफ खान, रिजवान अहमद, शकील अहमद, मौलाना नफीस अहमद कासमी, कारी अकील अहमद, मौलाना तफजील अहमद, जैद अंसारी, सोनू अंसारी खालिद अंसारी, सागीर जैद,पम्मी जमशेद, वसीम एडवोकेट, सभासद रियासत उर्फ बॉन्टिस, काका इसरार अहमद आदि मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन/सूचना

मेरे पिता का नाम मेरे पासपोर्ट में IRFAN है जबकि मेरे पिता का पूरा नाम IRFAN ANSARI (इरफान अन्सारी) है जो उनके वोटर आई डी कार्ड व अन्य सभी आई डी कार्ड में भी है मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम IRFAN ANSARI ही किया जाए।

MOHAMMAD JISHAN
S/O IRFAN ANSARI R/O
203, MOH-BARZIYAUL
HQ-2 DEOBAND
SAHARANPUR UP

सूचना

पहले मेरा नाम REEHANA था अब मुझे RIHANA BEGAM के नाम से जाना जाता है। भविष्य में भी मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

Rihana Begam
W/o M Abid
121 Abulbarkat,
Deoband (Saharanpur)

सूचना

मेरी माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाईस्कूल वर्ष 2021 अनुक्रमांक संख्या 210548514 की मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गई है।

आयुष भारद्वाज
पुत्र महेश कुमार
निवासी रणखंडी देवबंद,
जनपद सहारनपुर।

ट्रिपल मर्डर प्रकरण, हथियार सप्लायर प्रतिबंधित कारतूस व तमंचे सहित गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत में एक सप्ताह पूर्व पति द्वारा पत्नी व दो बेटियों की हत्या कर दी थी। पुलिस ने तीनों शव बरामद कर हत्या आरोपी को जेल भेज दिया था। जेल जाने से पूर्व हत्या आरोपी ने तमंचे बेचने वाले आरोपी का नाम बताया था। पुलिस ने तमंचे सप्लायर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद कर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत निवासी फारुख पुत्र दाऊद ने विगत दस दिसंबर को अपनी पत्नी ताहिरा व दो बेटियों आफरीन व समरीन की गोली मारकर हत्या कर दी थी।और तीनों शव घर के आंगन में ग्ढा खोदकर उसमें दफना दिए थे। लगभग एक सप्ताह बाद गत 16 दिसंबर को लापता पुत्र वधू व दो पोतियां लापता होने पर हत्या आरा. ेपी के पिता दाऊद ने शक जाहिर करते हुए सूचना ग्राम प्रधान व पुलिस को दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्या आरोपी फारुख को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था।

जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने ग्ढा खोदकर तीनों शव को निकाल कर पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस पूछताछ में हत्या आरोपी फारूख ने बताया था कि उसने यह तमंचे और कारतूस कैराना कोतवाली क्षेत्र के गांव गंदराऊ से खरीदे थे। सोमवार सवेरे पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि तमंचा सप्लायर थाना क्षेत्र में फिर से तमंचे व कारत. ूस लेकर सप्लाई करने के लिए आ रहा है। पुलिस ने मुखबिर के बताए गए स्थान असदपुर जिडाना रजवाहे की पुलिया पर अपना जाल बिछाया तो आरोपी पुलिस के जाल में फंस गया पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले आई। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर, एवं प्रतिबंधित कारतूस 7, 62 बोर बरामद हुए, आरोपी ने अपना नाम मुबारिक पुत्र शौकत गांव गंदराऊ कोतवाली कैराना बताया है। पुलिस में आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस आरोपी हथियार सप्लायर के अन्य नेटवर्क की भी तलाश कर रही है।

खेल विशेष

नोएडा के गोल्फर सुखमन सिंह ने आईजीयू 124वीं एमेच्योर चैंपियनशिप ऑफ इंडिया जीती

कोलकाता, वार्ता। नोएडा के गोल्फर सुखमन सिंह ने रविवार को यहां टॉलीगंज क्लब में प्रतिष्ठित आईजीयू 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया जीतकर क्रिसमस का जश्न पहले ही मना लिया। सुखमन ने 36-होल के फाइनल में हरियाणा के हरमन सचदेवा को हराकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 29 होल के बाद 7अप की अजेय बढ़त बना ली थी। आईजीयू 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया, इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) द्वारा आयोजित दुनिया की सबसे लंबे समय तक चलने वाली एमेच्योर मैचप्ले चैंपियनशिप है। एक बेहतरीन पटर और शानदार लॉन्ग गेम के साथ, सुखमन ने फाइनल की शुरुआत से ही फ्लैग पर अटैक करना जारी रखा। वह छठे होल तक बराबरी पर थे, लेकिन 12 होल के बाद 4अप हो गए और पहले 18 होल के बाद 2 अप पर बने रहे। सुखमन के पिता सिमरजीत सिंह पूर्व इंडिया नंबर 1 एमेच्योर और श्रीलंका एमेच्योर के तीन बार के विजेता होने के साथ-साथ आईजीयू मिड-एमेच्योर चैंपियन भी हैं। हालांकि, हरमन ने 23 होल तक अपनी बढ़त को तीन तक कम कर दिया था, लेकिन उसके बाद सुखमन अपने बेहतरीन फॉर्म में थे और लगातार बर्डी लगाकर 25वें होल तक 6अप हो गए। जब वह 29 होल के बाद 7अप हो गए, तो टूर्नामेंट डायरेक्टर ने उन्हें इवेंट का विजेता घोषित कर दिया क्योंकि उनकी बढ़त अपने प्रतिद्वंद्वी पर अजेय थी। सुखमन ने बाद में कहा कि यह अभी भी एक सपने जैसा लगता है, मुझे खुद को चुटकी लेनी पड़ रही है, हालांकि असल में मैं जीत गया हूं। मैं पूरी ज़िंदगी इसके लिए मेहनत कर रहा था, लेकिन आखिरकार इसे कर पाना, बहुत अच्छा लग रहा है।

स्मृति मंधाना 4000 टी-20 रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

विशाखापत्तनम, वार्ता। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ पहले महिला टी-20 इंटरनेशनल मैच के दौरान रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया, और महिला क्रिकेट में एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज टी-20 इंटरनेशनल में 4,000 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं, जो भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुल मिलाकर, मंधाना इस फॉर्मेट में 4,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने वाली दुनिया की दूसरी महिला हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सूजी बेट्स के साथ यह उपलब्धि हासिल की है, जो फिलहाल 4,716 रनों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। उन्होंने सिर्फ 3,227 गेंदों में 4,000 टी-20 रन बनाए, जो बेट्स से काफी तेज है, जिन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए 3,675 गेंदें ली थीं, जो सबसे छोटे फॉर्मेट में मंधाना की निरंतरता और आक्रामक रवैये को दिखाता है। श्रीलंका के खिलाफ मैच में, मंधाना ने 122 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नौवें ओवर में आउट होने से पहले 25 गेंदों में 25 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी छोटी थी, लेकिन यह उन्हें ऐतिहासिक मुकाम तक पहुंचाने के लिए काफी थी। यह मैच पिछले महीने वनडे विश्व कप फाइनल में भारत की यादगार जीत के बाद मंधाना का पहला इंटरनेशनल मैच भी था, जहां उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। इससे पहले, भारत के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों को ढीली गें. दों का फायदा उठाने में मुश्किल हुई और वे कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना पाए। सलामी बल्लेबाज विश्मी गुणरत्ने ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 39 गेंदों में 43 रन बनाए, जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा ने क्रमशः 20 और 21 रन बनाए। कप्तान चामरी अथापथु शुरुआत में आक्रामक दिखीं, लेकिन युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने उन्हें आउट कर दिया, जिससे भारत को शुरुआती सफलता मिली। ओस के कारण गेंद पर पकड़ बनाने में मुश्किल होने के बावजूद, भारत के गेंदबा. जों ने बीच के ओवरों में नियंत्रण बनाए रखा।

- **मंधाना इस फॉर्मेट में पहुंचने वाली दूसरी महिला है, न्यूजीलैंड सूजी बेट्स फिलहाल 4716 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर है**

स्पेन 2025 में फीफा विश्व रैंकिंग में रहा टॉप पर, भारत 142वें स्थान पर

स्विट्जरलैंड, वार्ता। सितंबर 2025 में टॉप स्थान हासिल करने के बाद स्पेन अभी भी विश्व चैंपियन अर्जेंटीना से आगे है जबकि भारत विश्व रैंकिंग में अपने 142वें स्थान पर कायम है। स्पेन (पहला, अपरिवर्तित) सितंबर में दूसरे स्थान पर मौजूद अर्जेंटीना (दूसरा, अपरिवर्तित) को हटाकर टॉप पर बना हुआ है, जबकि फ्रांस (तीसरा, अपरिवर्तित) साल के आखिर की लाइन-अप में पोडियम पूरा करता है। फीफा/कोका-कोला पुरुष विश्व रैंकिंग का दिसंबर 2025 एडिशन - साल का आखिरी - हाल ही में हुए 42 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के बाद जारी किया गया है, जिसमें फीफा अरब कप कतर 2025 सेंटर स्टेज पर रहा। दोहा, कतर में क्षेत्रीय खिताब जीतने के बाद, मोरक्को (11वां, अपरिवर्तित) अप्रैल 1998 के बाद पहली बार टॉप 10 में जगह बनाने से बस थोड़ा ही पीछे है, जो क्रोएशिया (10वां, अपरिवर्तित) से सिर्फ 0-54 अंकों से पीछे है। क्रोएशिया के साथ, टॉप 10 में शामिल अन्य देश इंग्लैंड (चौथा), ब्राजील (पांचवां), पुर्तगाल (छठा), नीदरलैंड (सातवां), बेल्जियम (आठवां) और जर्मनी (नौवां) अपरिवर्तित रहे। सबसे बड़ी छलांग रैंकिंग में नीचे की ओर लगी, जिसमें सिर्फ तीन टीमों ने एक से ज्यादा स्थान ऊपर चढ़ाई की: जॉर्डन (64वां, 2 स्थान ऊपर), जिसने फीफा अरब कप 2025 में उपविजेता रहने से पहले एटलस लायंस को कड़ी टक्कर दी, वियतनाम (107वां, 3 स्थान ऊपर) और सिंगापुर (148वां, 3 स्थान ऊपर)। कोसोवो (80वां, अपरिवर्तित) 89-02 अंक हासिल करके साल की सबसे बेहतरीन टीम के रूप में उभरी, जो किसी भी अन्य टीम से ज्यादा है, 2025 में 10 मैचों में सात जीत और दो ड्रॉ के अपने शानदार रिकॉर्ड के कारण। कुल मिलाकर, उन्होंने 2025 में साल की सबसे बड़ी 19 स्थानों की छलांग लगाई। अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में नॉर्वे (29वां, अपरिवर्तित) शामिल है, जिसने 68-70 अंक हासिल किए, और सूरीनाम (123वां, अपरिवर्तित), जो दिसंबर 2024 की रैंकिंग के बाद से 15 स्थान ऊपर चढ़ गया है। पिछले एक साल में बारह अन्य देशों ने भी 10 से 14 स्थान ऊपर चढ़ाई की है। 2025 के आखिर में कॉन्फेडरेशन के हिसाब से टॉप-50 देशों का बंटवारा पिछले साल के आखिर जैसा ही है, जिसमें 26 देश यूईएफए से, सात कॉनमेबोल (1 कम) और काफ से, पांच कोनकाकाफ (1 ज्यादा) और एएफसी से जुड़े हैं, और ओएफसी से कोई भी देश नहीं है।

- **अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में नॉर्वे शामिल है जिसने 68-70 अंक हासिल किए**

हीरो हॉकी इंडिया लीग के रांची लेग के आज से मिलेंगे मुफ्त टिकट

- **हीरो महिला एचआईएल 28 दिसम्बर से 10 जनवरी तक खेला जाएगा**

नई दिल्ली, वार्ता। हॉकी के प्रशंसकों की संख्या में इजाफा करने के मकसद से हॉकी इंडिया ने 28 दिसंबर से रांची में शुरू होने वाली हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 के टिकट मुफ्त देने की घोषणा की हैं। रांची लेग के टिकट आज से टिकट जिनी के वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। हीरो महिला एचआईएल 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक चलेगी जबकि हीरो पुरुष एचआईएल तीन जनवरी को चेन्नई में शुरू होगी और 11 जनवरी से रांची जाएगी और फाइनल लेग हॉकी के गढ़ भुवनेश्वर में 17 जनवरी से 26 जनवरी तक खेला जायेगा। हीरो एचआईएल के रांची लेग के टिकटों की बिक्री आज 1100 बजे शुरू हो गई, जबकि हीरो पुरुष एचआईएल चेन्नई के टिकट बुधवार को 1100 बजे से मिलेंगे। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कि हमने एक बार फिर हॉकी फैंस के लिए चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में सभी मैचों का आनंद लेने के लिए मुफ्त टिकट देने का फैसला किया है। जबकि महिलाओं के मैच रांची में होंगे, पुरुषों की एचआईएल तीन शहरों में खेली जाएगी। हम हॉकी स्टैंड को उन फैंस से भरना चाहते हैं जो अपने पसंदीदा सितारों को एक्शन में देखना चाहते हैं। इस सीजन में हमारे पास दुनिया के कुछ टॉप खिलाड़ी होंगे और हम एक महीने के दौरान कुछ शानदार हॉकी देखने के लिए उत्सुक हैं।

गिल, अभिषेक व अर्शदीप पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी टीम में शामिल

नई दिल्ली, वार्ता। टी 20 विश्व कप टीम से बाहर शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह को पंजाब की 18 सदस्यीय विजय हज़ारे ट्रॉफी टीम में चुना गया है, जो 24 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

इन तीन भारतीय अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के अलावा, पंजाब ने पावर-हिटर्स और ऑलराउंडरों का एक मजबूत समूह भी चुना है, जिसमें प्रभसिमरन सिंह, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, रमनदीप सिंह, सनवीर सिंह और हरप्रीत बराड़ शामिल हैं। गुरनूर बराड़ और कृष भगत ते गेंदबाज़ी आक्रमण की अगुआई करेंगे। गिल, अभिषेक और अर्शदीप की उपलब्धता कितनी रहेगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। भारत को 11 जनवरी से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीन वनडे खेलने हैं।

इसके बाद 21 जनवरी से पांच टी-20 मैच होंगे। गिल को हाल ही में टी 20 विश्व कप और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की टीम से बाहर किया गया है। हालांकि वह वनडे टीम के कप्तान हैं, जबकि अभिषेक और अर्शदीप भारतीय टी-20 टीम का नियमित हिस्सा हैं। पिछले सीजन के क्वार्टर फाइनल में हारने वाली पंजाब टीम अपने सभी सात लीग मैच जयपुर में खेलेगी। 2024-25 सत्र में अर्शदीप टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। पंजाब के ग्रुप में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, गोवा और मुंबई जैसी टीमें शामिल हैं। लीग चरण के मुघबले 8 जनवरी को समाप्त होंगे, जो भारत के पहले वनडे से तीन दिन पहले है। पंजाब ने आधिकारिक टीम घोषणा में कप्तान का नाम नहीं बताया है। पंजाब की विजय हज़ारे ट्रॉफी टीम शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारण, नमन धीर, सलील अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जसनप्रीत, गुरनूर, हरप्रीत, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी, सुखदीप बाजवा

- **भारत को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे और 5 टी-20 खेलने है**

शायद मैं एशेज की सही तैयारी नहीं करा पाया: मैकुलम

एडिलेड, वार्ता। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्वीकार किया है कि एशेज के लिए उनकी टीम की तैयारियों पर जायज सवाल उठेंगे। सिर्फ 11 दिनों के खेल में ही सीरीज गंवाने के बाद, जबकि अभी दो टेस्ट बाकी हैं, उनकी तैयारी अब कड़ी समीक्षा के दायरे में है। एडिलेड में 82 रन की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के 3-0 की अजेय बढ़त लेने के बाद टीएनटी स्पोर्ट्स से बात करते हुए मैकुलम ने माना कि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने प्बल्ले और गेंद दोनों से हमें पछाड़ दिया और फील्डिंग में भी हमें पछाड़ा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के समग्र प्रदर्शन को कई सालों में देखा गया सबसे सटीक कि ज़बरदस्त और निरंतर बताया। इंग्लैंड का इकलौता वॉर्म-अप मैच पर्थ के लाइलैक हिल में एक धीमी पिच पर खेला।

2023 वर्ल्ड कप की हार से पूरी तरह टूट गया था: रोहित

- **रोहित ने बताया कि यह निराशा उस बड़े व्यक्तिगत निवेश के कारण थी जो उन्होंने 2022 में कप्तानी संभालने के बाद किया था**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के पूर्व वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार के भावनात्मक असर पर बात की है, यह मानते हुए कि इस हार से वह पूरी तरह से टूट गए थे और खेल में अपने भविष्य पर सवाल उठाने लगे थे। मास्टर्स यूनियन कन्वोकेशन 2025 में बोलते हुए, जहां उन्होंने मुख्य अतिथि के तौर पर ग्रेजुएट होने वाले छात्रों को संबोधित किया, रोहित ने घर पर वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की हार के बाद की स्थिति पर खुलकर बात की। रोहित ने इवेंट के दौरान कहा कि 2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद, मैं पूरी तरह से टूट गया था और मुझे लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया था और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ नहीं बचा है। भारतीय कप्तान ने बताया कि यह निराशा उस बड़े व्यक्तिगत निवेश के कारण थी जो उन्होंने 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से किया था, जिसका एकमात्र लक्ष्य था: भारत के लिए वर्ल्ड कप जीतना। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस वर्ल्ड कप में सब कुछ लगा दिया था, न सिर्फ दो या तीन महीने पहले, बल्कि जब से मैंने 2022 में कप्तानी संभाली थी। मेरा एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना था, चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप हो या 2023 वर्ल्ड कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हुआ, तो मैं पूरी तरह से टूट गया था। रोहित ने आगे कहा कि भावनात्मक थकावट इतनी ज्यादा थी कि उन्हें मानसिक और शारी. रिक रूप से ठीक होने में महीनों लग गए। उन्होंने कहा कि मेरे शरीर में कोई एनर्जी नहीं बची थी। मुझे ठीक होने और खुद को वापस लाने में कुछ महीने लग गए। 37 साल के खिलाड़ी ने बताया कि आखिरकार जिस चीज़ ने उन्हें अपनी लय वापस पाने में मदद की, वह थी खुद को खेल के प्रति अपने प्यार की याद दिलाना। रोहि. त ने कहा कि इसमें थोड़ा समय लगा, और मैं खुद को याद दिलाता रहा कि यह कुछ ऐसा है जिससे मुझे सच में प्यार है, कि यह मेरे सामने था, और मैं इसे इतनी आसानी से जाने नहीं दे सकता था। धीरे-धीरे, मुझे अपना रास्ता वापस मिल गया, एनर्जी वापस आ गई और मैं मैदान पर फिर से आगे बढ़ने लगा। हालांकि, यह झटका एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। रोहित ने उस दौर को ज़िंदगी का एक बड़ा सबक बताया, जिसने उन्हें आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले खुद को रीसेट करने और फिर से फोकस करने में मदद की। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि ज़िंदगी वहीं खत्म नहीं होती। यह मेरे लिए एक बड़ा सबक था कि निराशा से कैसे निपटना है, खुद को रीसेट करना है और नई शुरुआत करनी है। इस नए फोकस का फायदा मिला, जब भारत ने रोहित की कप्तानी में 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीता, और बारबाडोस में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया।

नेमार के घुटने की सर्जरी होगी

रियो डी जेनेरो, वार्ता। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेमार सोमवार को अपने बाएं घुटने में फटे मेनिस्कस को ठीक करने के लिए कीहोल सर्जरी करवाएंगे। 33 वर्षीय सैंटोस फॉरवर्ड ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह दक्षिण-पूर्वी शहर बेलो होरिज़ोंटे के एक अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ब्राजील की नेशनल टीम के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार यह प्रोसीजर करेंगे, जिसमें लगभग चार हफ्ते रिकवरी का समय लगने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में, नेमार ने खुलासा किया था कि उन्होंने 2025 ब्राज़ीलियन सीजन का दूसरा हाफ चोट के साथ खेला था, लेकिन सैंटोस को रेलिगेशन से बचाने के लिए दर्द के बावजूद खेलने का फैसला किया। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार ने इस साल सभी प्रतियोगिताओं में सैंटोस के लिए सिर्फ 28 मैच खेले, जिसमें 11 गोल किए।

न्यूजीलैंड ने विंडीज को रौंदा

माउंट माउंगानुई, वार्ता। न्यूज़ीलैंड सोमवार को बे ओवल में तीसरे और आखिरी टेस्ट में वेस्टइंडीज पर 323 रन की ज़बरदस्त जीत के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गया। ब्लैक कैप्स ने आखिरी दिन के बीच में ही मैच खत्म कर दिया, वेस्टइंडीज़ को 462 रन के मुश्किल टारगेट का बचाव करते हुए 138 रन पर आउट कर दिया।

लेफ्ट आर्म पेसर जैकब डफी ने अहम झटका दिया, इस शानदार सीरीज़ का अंत किया जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया। डफी आखिरी टेस्ट में गेंद से सबसे शानदार रहे, उन्होंने दूसरी पारी में 5/42 विकेट लिए, जब मेहमान टीम लगातार दबाव में बिखर गई। इस दौरान उन्होंने न्यूज़ीलैंड का एक पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा, उन्होंने एक कैलेंडर साल में कीवी टीम द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट के सर रिचर्ड हैडली के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 80 विकेट अपने नाम करने के बाद, डफी ने सीरीज में अपना तीसरा फाइव-विकेट हॉल बनाया। डफी ने माना कि मैंने लंच टाइम में वह लिस्ट (एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा विकेट) देखी, और उसमें कुछ अच्छे नाम थे, इसलिए ऐसे नामों वाली किसी भी लिस्ट में ऊपर होना खास था। मैच में न्यूज़ीलैंड की कमांडिंग पोज़िशन उनके टॉप ऑर्डर, खासकर ओपनर डेवोन कॉनवे और कप्तान टॉम लैथम की ज़बरदस्त को. शिशों पर बनी थी। इस जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में पहली ओपनिंग पार्टनरशिप बनकर इतिहास रच दिया, जिसमें दोनों बैट्समैन ने एक ही मैच में दो सेंचुरी बनाईं। कॉनवे ने 227 और 100 रन की पारियों के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया, वह न्यूज़ीलैंड के पहले और टेस्ट इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बने जिन्होंने एक ही टेस्ट में डबल सेंचुरी और सेंचुरी बनाई। उनकी जबरदस्त कोशिश के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। कॉनवे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह बात अभी तक समझ में आई है। इस टेस्ट मैच में जो हुआ, उसे समझने में मुझे कुछ समय लगेगा। लेकिन मैं सच में खुश हूं कि हम जीत गए। इस बड़ी जीत ने न्यूज़ीलैंड को ड्रॉ हुए शुरुआती टेस्ट के बाद 2-0 से सीरीज़ जीतने में मदद की, और उनके नए डब्ल्यूटीसी चक्र की एक ज़बरदस्त शुरुआत की। इस नतीजे ने उन्हें स्टैंडिंग में दक्षिण अफ्रीका से ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया, उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया है। वेस्ट इंडीज़ के लिए, इस हार ने उन्हें डब्ल्यूटीसी तालिका में नौवें स्थान पर पहुंचा दिया है। वे अगले साल के बीच में श्रीलंका और पाकिस्तान की घरेलू सीरीज में मेज़बानी करते हुए एक्शन में लौटेंगे।

- **ब्लैक कैप्स ने आखिरी दिन के बीच में मैच खत्म कर दिया, विंडीज को 462 रन के मुश्किल लक्ष्य का बचाव करते हुए 138 रन पर आउट किया**

प्रो रेसलिंग लीग ने अपने 5वें सीजन से पहले आधिकारिक लोगो का अनावरण किया

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा स्वीकृत प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) ने अपने पांचवें.स. ीजन से पहले अपने नए आधिका. रिक लोगो का अनावरण किया। यह कदम भारतीय कुश्ती के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत को दर्शाता है और सात वर्षों के अंत. राल के बाद लीग की वापसी का संकेत देता है। नया लोगो जनवरी 2026 में प्रतिस्पर्धी एक्शन में वापसी से पहले लीग के पुनरुत्थान और व्यापक पुनर्गठन को दर्शाता है।

नया लॉन्च किया गया लोगो पारंपरिक लाल और नीले कुश्ती मैट से प्रेरित एक आधुनिक और गतिशील प्रतीक है, जो शक्ति, संतुलन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रतीक है। यह केवल एक दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि प्रो रेसलिंग लीग के लिए एक पूर्ण रीसेट का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने नए स्वामित्व और प्रबंधन के तहत संरचनात्मक और संचालनात्मक स्तर पर बड़े बदलाव किए हैं। लीग का संच. ालन अब ओएनओ मीडिया के स्वामित्व और प्रबंधन में किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व पार्टनर्स अखिल गुप्ता और दयान फरूकी कर रहे हैं।

नया प्रबंधन पुराने ढांचों से हटकर एक पारदर्शी, खिलाड़ी-केंद्रित इकोसिस्टम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो पेशेवरता, ईमानदारी और भारतीय कुश्ती में दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देता है। पीडब्ल्यूएल का नया मिशन पहलवानों के लिए एक विश्वस्तरीय पेशेवर मंच तैयार करने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक अखाड़ों और वैश्विक प्रतिस्पर्धी मंच के बीच की खाई को पाटे।

लर्नर टिएन ने जीता नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब

जेद्दा, वार्ता। अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को हराकर नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। लर्नर टिएन ने नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स जीतने से चूकने के एक साल बाद रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल वहां मौजूद थे। अमेरिकी खिलाड़ी की खिताब की उम्मीदों को शुरुआती झटका तब लगा जब वह स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले राउंड-रॉबिन मैच में चार मैच अंक में से एक भी हासिल नहीं कर पाए, और सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें बेहद मेजनत करनी पड़ी। लेकिन उन्होंने वहां से हिम्मत नहीं हारी।

टी-20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा: सूर्या

मुंबई, वार्ता। टी-20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करेंगे। पिछले एक साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्द्धशतक और सिर्फ 12.84 की औसत एवं 117-87 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में उन्होंने 12, 5, 12 और 5 के स्कोर बनाए और अब टी-20 विश्व कप से पहले उनके पास सिर्फ पांच मैच बचे हैं। टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा कि ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीजें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूजीलैंड सीरीज और टी-20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे। 2024 टी-20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ साल की शुरुआत में पांच पारियों में वह दो बार 0 पर आउट हुए और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 14 रहा। सात महीने बाद एशिया कप में सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ 47 रनों की नाबाद पारी खेली लेकिन उसके बाद उनका फॉर्म फिर से बिगड़ गया। लेकिन उन्होंने कहा कि मेरा फॉर्म ठीक है, बस रन नहीं बन रहे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में सूर्यकुमार ने चार पारियों में तीन बार 20 का आंकड़ा पार किया और उनका स्ट्राइक रेट 160 से ऊपर रहा। लेकिन घर आते ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका बल्ला फिर से शांत हो गया और वह सिर्फ 8.50 की औसत से रन बना सके। इस सीरीड़ के दौरान भी उनसे फॉर्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने फिर से कहा कि वह आउट ऑफ फॉर्म नहीं हैं, बस रन नहीं आ रहे। अपने 360 डिग्री स्टाइल की बल्लेबाजी और निरंतरता के कारण सूर्यकुमार आईसीसी टी-20 रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गए थे। टी-20 में उनके नाम विराट कोहली के बाद दूसरे सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड हैं। 2022 में उन्होंने 46.56 के औसत और 187.43 के स्ट्राइक रेट से 1164 रन बनाए थे, जो भारतीय रिकॉर्ड है। टी-20 में सबसे ज्यादा शतक के मामले में सूर्यकुमार (4) अभी रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल (5) से सिर्फ एक शतक पीछे हैं। जब उनके पूछा गया कि क्या वह फॉर्म में लौटने के लिए अपने बल्लेबाजी के पुराने वीडियो देखते हैं, उसपर सूर्यकुमार ने कहा कि मैं पिछले तीन महीने से वही देखते आ रहा हूं। जब आपने अच्छी बल्लेबाजी की होती है और भारत के लिए बढ़िया प्रदर्शन किया होता है, उस समय की वीडियो आप जरूर देखते हैं। और घ्रि से वैसा ही प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हां, मैं कोशिश कर रहा हूं, नेट्स में मैं काघे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। वही चीष है कि एक अदृश्य रुकावट होती है जो आपको दिखती नहीं है लेकिन मुझे यकीन है कि मैं वापसी करूंगा। मुंबई में जब टी-20 विश्व कप के लिए अजीत आगरकर की अगुवाई में चयन समिति भारतीय टीम को चुनने के लिए इकठा हुई, तब उनके दिमाग में ये चीज थी कि टीम के कप्तान और उप-कप्तान शुभमन गिल, दोनों की फॉर्म पिछले कुछ समय से सही नहीं है।

- **मुझे पता है चीजें कहां गलत हो रही है मेरे पास इसके उपर काम करने के लिए कुछ समय है**

शहीद स्मारक व खंडा साहिब के नवीनीकरण का अनावरण

श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस पर बोले मेयर– उनकी शहादत का कर्ज नहीं चुका पाएंगे कभी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। श्री गुरु तेग. बहादुर के 350 वें शहादत दिवस पर स्थित शहीद स्मारक व खंडा साहिब का नवीनीकरण गुरु तेगबहादुर पब्लिक स्कूल व श्री गुरु सिंह सभा ने संयुक्त रूप तथा नगर निगम के सहयोग से किया।

मेयर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि गुरु तेगबहादुर की शहादत की मिसाल और कही इतिहास में नही मिलती हैं। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन दूसरों के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि उनकी शहादत का कर्ज हम किसी भी रुप में नहीं चुका सकते हैं। मैनेजर स. सतविंदर सिंह माकन ने कहा कि यह स्मारक व मार्ग पहले से ही गुरु तेगबहादुर साहिब जी के नाम पर था परंतु इसके नवीनीकरण करने का उद्देश्य समाज को गुरु साहब के त्याग व शहादत को पुनः स्मरण करवाना हैं।

गुरु तेगबहादुर स्मारक का अनावरण श्री गुरु सिंह सभा के मुख्य ग्रन्थि भाई अमर पाल सिंह, मेयर डॉ. अजय सिंह, प्रधान स. सुजसवीर सिंह, सकत्तर स. अमरप्रीत सिंह, सिनियर मित प्रधान स. प्रभजोत सिंह, मित प्रधान स. परमिंदर सिंह, मैनेजर स. सतविंदर सिंह माकन व स. गुरप्रीत सिंह बग्गा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान स. छवप्रित सिंह बत्रा, स. हरिन्दर सिंह चढ्ढा, स. बलबीर सिंह धीर, स. दलजीत सिंह कोच्चर, स. जसवीर सिंह बग्गा, स. जसप्रीत सिंह चुग, स. मनप्रीत सिंह मखीजा, स. तरनजीत सिंह शानू, स. इंदरप्रीत सिंह चढ्ढा, स. रजिंदर सिंह कोहली, स. परमजीत सिंह चढ्ढा, स. नवनीत सिंह बग्गा, स. तेजपाल सिंह, स. इंदर पाल सिंह, स. सुरेन्द्र मोहन चावला, डॉ. एम. पी. सिंह चावला, डॉ. स्वरणजीत सिंह, स. दीदार सिंह सेठी, हेमन्त अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

सड़क से संसद तक जनता के हक की लड़ाई रहेगी जारीः आशु मलिक

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा प्रांगण में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष सपा विधायकों द्वारा सरकार की जनवि. रोधी नीतियों के खिलाफ दिये गये धरने में देहात विधायक आशु मलिक भी शामिल हुए।

शीतकालीन सत्र के दौरान दिये गये धरने पर देहात विधायक आशु मलिक ने कहा किकिसान, नौजवान, बेरोजगार और आम नागरिक महंगाई, बिजली-पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं कोडीन सिरप जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार मौन है। सदन की समय-अवधि बढ़ाने की मांग इसलिए उठाई गई ताकि जनता की हर समस्या सदन में पूरी मजबूती से रखी जा सके।

देहात विधायक आशु मलिक ने कहा कि नेता जी के विचारों पर चलते हुए जनहित, न्याय और संघर्ष की आवाज को सड़क से सदन तक बुलंद करती रहेगी और जनता के हक की लड़ाई जारी रहेगी।

भारतीय किसान संघ का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने कलैक्ट्रेट में प्रदर्शन कर अपनी मांग का ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल महला ने कहा कि बिजली अधिकारियों द्वारा बंद बिजली कनेक्शन चालू दिखाकर लाखों के फर्जी बिल निकाले जा रहे है। भोलेभाले किसानों को डर दिखाकर अवैध वसूली की जा रही है। इसलिये तत्काल ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि पात्र गरीब किसानों के राशन कार्ड कैंसिल किये जा रहे है। जिसके कारण किसान धक्के खाने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान न हुआ तो संघ आंदोलन को मजबूर होगा। जिला मंत्री अमरीश राणा ने भी अपने विचार रखे। प्रदर्शनकारियों में देवेंद्र प्रधान, मोनू सैनी, परिक्षित, सन्नी, कटार सिंह, किशन भगत, अरविंद शर्मा, विशाल भारद्वाज, अरविंद, सोनू, काला राणा, नवनीत राणा, रामपाल, चरण सिंह, विनित, संजय चौधरी, सुशील, धर्मपाल शर्मा, विजय, राजकुमार, नवीन, नितिश, मणिकांत शर्मा, रामकुमार, प्रदीप चौधरी, विनय आदि शामिल रहे।

शातिर बदमाश दबोचा

सहारनपुर। मंडी कोतवाली पुलिस ने एक शातिर बदमाश को दबोचकर उसके कब्जे से एक नाजायज चाकू बरामद करने में सफलता हासिल कर ली।

जनपद पुलिस द्वारा एसएसपी आशीष तिवारी के निर्देश पर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत मंडी कोतवाली पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक रोजंत त्यागी व उपनिरीक्षक जगपाल सिंह के नेतृत्व में चौकिंग के दौरान एक शातिर बदमाश आसिफ पुत्र अमीर अहमद निवासी निकट शाहने अल्लाह मस्जिद मौहल्ला पत्थरवाला शिवधाम कालोनी थाना मंडी को मंडी समिति से कूड़ाघर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरा. ेपी के कब्जे से एक नाजायज चाकू बरामद कर लिया। पुलिस आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

22 जोड़ों का कराया गया सामूहिक विवाह

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में विवाह सम्पन्न कराये गये।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षा के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 में नव निर्गत शासनादेशानुसार ऑनलाइन प्रणाली के आधार पर जिलाधिकारी मनीष बंसल के कुशल दिशा निर्देशन में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जनपद में 18 हिन्दू जोड़े एवं 4 मुस्लिम जोड़े कुल 22 जोड़ों का विवाह उनके रीति-रिवाज के तहत सामूहिक रूप से आईटीआई परिसर में सम्पन्न कराया गया। योजनान्तर्गत शासन द्वारा प्रति जोड़े पर व्यय होने वाली धनराशि अंकन 100000 रुपए में से 60000 रुपए की धनराशि कन्या के खाते में अन्तरित की जायेगी। विवाह संस्कार के लिये आवश्यक सामग्री (कपड़े, पगडी, बिछिया, चांदी के पायल तथा बर्तन आदि) हेतु 25000 रुपए तथा कार्यक्रम के आयोजन हेतु 15000 रुपए व्यय किये जाने का प्राविधान है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख सरसावा ताहिर हसन, मनरेगा लोकपाल राकेश चौधरी, डेलीगेट जिला सहकारी बैंक सुनील चौटाला, निदेशक गन्ना सोसाइटी पोपिन चौधरी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक पाण्डेय, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी श्रीमती दीपिका परिहार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुमन गौतम, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अजय कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई एल्पाईन पब्लिक स्कूल की सिल्वर जुबली

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। एल्पाइन पब्लिक स्कूल में विद्यालय के पच्चीस वर्ष (सिल्वर जुबली) जश्न -ए- इंडिया के अवसर पर एक भव्य गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया।

चिलकाना रोड स्थित स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। इनमें मनमोहक नृत्य, मधुर गीत, नाटक, एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे। विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास ने उपस्थित दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शकील अहमद ने अपने आशीर्वचन में विद्यालय की पच्चीस वर्षों की गौरवशाली शैक्षिव शैक्षिक यात्रा, उपलब्धियो तथा संस्कारपूर्ण परंपराओं पर प्रकाश डाला। जिन्होने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय प्रधानाचार्य शकील अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि एल्पाइन पब्लिक स्कूल विगत 25 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों एवं सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सिल्वर जुबली समारोह विद्यालय के लिए. एक गौरवशाली एवं स्मरणीय अवसर रहा, जिसमें अतीत की उपलब्धियों को स्मरण करते हुए भविश्य के लिए नई दिशा और संकल्प का भाव देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रग्रेसिव सासायटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौहान,संजय गुप्ता, सुषमा बजाज, भुपेन्द्र सिंह, राव महबूब, रियाज अहमद, वजाहत खान, डॉ मौ. अहमद, चौधरी मुजफफर, शिल्पा कोहली एंव अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

भारी तादाद में कार्यकर्ता पहुंचे हसनपुर चुंगीः चौ. नीरपाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. नीरपाल सिंह ने बताया कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर खेलो में प्रतिभा दिखाने वाली बेटियां सम्मानित की जाएंगी। बेटियों में खेलो के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से सम्मानित किया जा रहा है।

चौधरी साहब की जयंती पर उनकी विचार धारा को जन जन तक पहुंचाने हेतु पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा। पद यात्रा प्रातः 11 बजे से हसनपुर चुंगी से शुरू होकर चौधरी चरण सिंह चौक पर समाप्त होगी। इस दौरान किसान, मजदूर, नौजवान और हमारे देश का गौरव हमारी बेटियां भी पद यात्रा में शामिल रहेंगी। चौधरी साहब के अनुयायियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में कल 23 दिसंबर को प्रात 11 बजे हसनपुर चुंगी पर पहुंचे।

जनजीवन प्रभावित

गंगोह। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

सोमवार को भी शीतलहर का प्रकोप जारी रहा। घने कोहरे के कारण सूरज देर से निकला, जिससे दिनभर ठंड बनी रही। बढ़ती ठंड के चलते व्यापार और दैनिक गति. विधियां भी प्रभावित होने लगी हैं। इस कड़ाके की ठंड के बावजूद बच्चों को स्कूल जाना पड़ रहा है। धुंध और शीतलहर के बीच वे स्कूल जाते हुए देखे गए। उन लोगों के लिए समस्या और बढ़ गई है जिनके पास पर्याप्त गर्म कपड़ों की कमी है। देर रात तक चौराहों पर पुलिस भी कंपकपाती सर्दी में पहरा देती नजर आई। रविवार का दिन सोमवार की तुलना में अधिक ठंडा रहा। रात से ही सर्द हवाओं ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था।

बकाया गन्ना भुगतान करें मिलेः चौ. विनय

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय सचिव चौ. विनय कुमार ने कहा कि किसानों का पिछले वर्ष का गन्ना भुगतान न किया गया तो यूनियन आंदोलन करने को मजबूर होगी।

चौ.विनय कुमार आज कलैक्ट्रेट परिसर में मासिक पंचायत को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले की चीनी मिलों पर पिछले सत्र का बकाया भुगतान अभी तक बाकि है और इस सीजन का भी आधा सत्र हो गया है। मंडल अध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा कि जिले में खाद की आपूर्ति की जाये। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग तानाशाह हो गया है यदि विभाग ने अपना रवैया न बदला तो उनके खिलाफ आंदोलन होगा।

बैठक में जिलाध्यक्ष नरेश स्वामी, चौ. हरपाल सिंह, संजय चौधरी, चौ.राजपाल सिंह, चौ. बबलू, चौ.अमित कुमार, चौ.भाग सिंह, अरूण राणा, पहल सिंह, सोनू, मूसा प्रधान, हाजी तहसीन, रविंद्र, अशोक तोमर, नीरज, मोनू, आदिल हसन, श्यामवीर सैनी, प्रवीण आदि मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए खो-खो टीम का चयन

सहारनपुर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री खो-खो कप प्रतियोगिता के लिए मंडल की पुरुष टीम का चयन कर लिया गया है।

प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सांसद क्षेत्र गोरखपुर में 25 से 27 दिसंबर तक किया जाएगा। जिला खो-खो संघ के सचिव प्रो. डॉ. अशोक कुमार गुप्ता के निर्देशन में आज को जे.वी. जैन महाविद्यालय परिसर में सहारनपुर मंडल की 14 सदस्यीय पुरुष खो-खो टीम के साथ एक टीम मैनेजर का चयन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में सहारनपुर मंडल सहित प्रदेश के 13 मंडलों, उत्तर प्रदेश पुलिस एवं शस्त्र सीमा बल की टीमें प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी हिमांशु सैनी, आयुष पाल, हनी, मोनू, वरदान कुमार, अंश कुमार गौर, लक्ष्य, आर्यन, अरक्षित अंशु, विशाल, तनिष, आदित्य सैनी, नवनेश को चयनित किया है। मैनेजर/कोच धनपाल सिंह बनाया गया है।

चयनित टीम को जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री संजय गर्ग, जिला खो-खो संघ की उपाध्यक्ष श्रीमती नीतू रानी, सह सचिव प्रशासन लाल धर्मेंद्र प्रताप, सह सचिव तकनीकी मनीष कुमार, आदेश कुमार, प्रो. संदीप गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई देते हुए प्रतियोगिता में पदक जीतने की शुभकामनाएं दीं।

महानगर में 6 करोड़ से अधिक के नए नलकूप लगवाएः डा. अजय

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ.अजय कुमार ने कहा है कि नगर निगम महानगर के लोगों को निर्बाध रुप से जलापूर्ति करते हुए लगातार महानगर में नये पंप निर्माण और रिबोर का कार्य कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के सपने को साकार करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि छह करोड़ रुपये से अधिक की लागत से महानगर में 50 से अधिक नये नलकूप लगाये व रिबोर कराये गए हैं।

महापौर डॉ. अजय कुमार वार्ड 7 में मंडल अध्यक्ष हन्नी वर्मा के संयोजन में आयोजित पम्प रिबोर कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी रामतीर्थ केंद्र के निद. ेशक पंडित सर्वेश प्रभाकर के सानिध्य में नारियल फोड़कर 15 एचपी के पम्प रिबोर कार्य का शुभारंभ किया। महापौर ने कहा कि गत ढाई वर्षो में महानगर में 31 नये मिनी नलकूप लगवाये गए हैं। इसके अलावा वार्ड 4 महादेव कॉलोनी, वार्ड 33 इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, वार्ड 65 कमेला कॉलोनी, वार्ड 59 चकरोता रोड, वार्ड 29 बेरीबाग रणजीत नगर, वार्ड 7 जाटव नगर नाला पटरी व वार्ड 35 जवाहर पार्क में 35 एचपी क्षमता सहित सात नये नलकूपों का निर्माण कराया गया है। महापौर ने कहा कि जहां पानी आपूर्ति में बाधा आ रही थी उन क्षेत्रों में 20 बडे़ नलकूपों को रिबोर कराया गया है। महानगर में छह करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह कार्य कराया गया है।

महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर के विकास और लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के प्रति दृढ़ संकल्पित है। महापौर के वार्ड 7 में पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया। हन्नी वर्मा ने क्षेत्र के लोगों की ओर से महापौर का आभार व्यक्त किया। पार्षद राजेंद्र कोहली भी मौजूद रहे।

अवैध हथियार व देशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

नागल। स्थानीय पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग के दौरान अवैध हथियार और देसी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया।

थानाध्यक्ष राजकुमार चौहान ने बताया कि रविवार रात गांव बसेड़ा के निकट पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में एक युवक आता दिखाई दिया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध 315 बोर तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। युवक ने अपना नाम कन्हैया कपिल पुत्र अमर कपिल निवासी ग्राम बसेड़ा बताया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह तमंचा महज रोब जमाने और लोगों में भय पैदा करने के उद्देश्य से अपने पास रखता था। उधर दूसरी ओर पुलिस की एक अन्य टीम मीरपुर मोहनपुर मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान हरियाणा मार्का की अवैध देसी शराब के 100 पव्वो के साथ एक युवक पकड़ा गया। आरोपी ने अपना नाम हिमांशु कुमार पुत्र मनीष कुमार निवासी इस्माइलपुर गुर्जर थाना देवबंद बताया।

छात्र-छात्राओं को कराया शैक्षिक भ्रमण

गंगोह। श्री रामबाग सरस्वती विद्या मंदिर पूर्व माध्यमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत स्कूल के भैया बहिनों को द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण द्वारा गीता उपदेश देने वाले स्थल कुरुक्षेत्र की शैक्षिक यात्रा कराई गई।

शैक्षिक यात्रा को विद्यालय समिति के पदाधिकारियों राकेश तायल, रमेश चंद्र गर्ग, अमित सिंघल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शैक्षिक यात्रा में भैया बहिनों तथा स्टाफ ने ज्योतिसर, कल्पना चावला तारामंडल, ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, संग्रहालय व चिड़ियाघर आदि स्थानों का भ्रमण कर ज्ञानार्जन किया।घ्शैक्षिक यात्रा का यात्रा का आनंद लेकर लौटे बच्चे बेहद खुश नजर आयें।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025

राजनीतिक तमाशा

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा को खत्म करने से गांवों में रहने वाले करोड़ों लोगों पर बुरा असर पड़ेगा। मनरेगा खत्म होना सामूहिक नाकामी है। इसके खिलाफ सभी से एकजुट होना चाहिए। सोनिया गांधी ने 22 दिसम्बर को एक अंग्रेजी में प्रकाशित अपने कॉलम द बुलडोजर डिमालिश ऑफ मनरेगा में यह बात कही। उनका कालम तब आया है, जब राष्ट्रपति मुर्मू विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम बिल को मंजूरी दे चुकी हैं, जो मनरेगा की जगह लेगा। इस नए कानून में ग्रामीण मजदूरों को 125 दिन काम देने की गारंटी दी गई है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के सवालों के बीच गहन चिंतन का मुद्दा है कि संसद का यह शीतकालीन सत्र, जिसमें 15 बैठकें हुईं, महत्वपूर्ण और विवादास्पद विधायी कामकाज के साथ-साथ, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सरकार द्वारा राजनीतिक तमाशे का साक्षी बना। दस विधेयक पेश किए गए और आठ दोनों सदनों से पारित हुए। संसदीय मंजूरी हासिल करने वाले उल्लेखनीय विधेयकों में दर्जनों अप्रचलित कानूनों को खत्म या संशोधित करने वाला विधेयक(बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला विधेयक(आपूर्तिकर्ताओं का दायित्व घटाकर नाभिकीय शक्ति में निजी क्षेत्र का निवेश सुगम बनाने वाला विधेयक और सबसे अहम, साल 2005 में यूपीए सरकार द्वारा शुरू किए गए अग्रणी कल्याण कार्यक्रम, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में बड़े बदलाव शामिल हैं। कई विधेयकों के नामों ने, जो हिंदी में थे, गैर-हिंदी क्षेत्रों के सांसदों के बीच एक बेचैनी पैदा की। उन्होंने उन संवैधानिक प्रावधानों की ओर ध्यान दिलाया जो कानूनों का मसौदा अंग्रेजी में तैयार किया जाना, साथ ही जरूरत के मुताबिक अनुवाद मुहैया कराना जरूरी बनाते हैं। बीमा विधेयक का नाम है 'सबका बीमा सबकी रक्षा', जबकि ग्रामीण रोजगार गारंटी विधेयक को 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' या 'वीबी-जी राम जी' नाम दिया गया है, जो 21 दिसम्बर को राष्ट्रपति की सहमति से अधिनियम बन गया। वंदे मातरम् पर चर्चा में, सदस्यों ने लोकसभा में 65 प्रतिभागियों के साथ 11 घंटे बिताए और राज्यसभा में, 81 प्रतिभागियों के साथ, तकरीबन 13 घंटे बिताए। इसका इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों की देशभक्ति पर सवालिया निशान लगाने के एक और मौके की तरह करने के बजाय, संसद इस गीत को याद करते हुए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर सकती थी। चुनाव सुधारों पर गर्मागर्म बहस लोकसभा में 62 वक्ताओं के साथ तकरीबन 13 घंटे चली और राज्यसभा में 57 वक्ताओं के साथ तकरीबन 11 घंटे चली। भारतीय चुनावों में विश्वसनीयता के संकट से निपटने के लिए, यह पार्टी लाइनों से परे जाकर खुले मन से चर्चा का मौका था, लेकिन इसे भी गंवा दिया गया। चुनावों की विश्वसनीयता के सवालों को लेकर भाजपा और कांग्रेस के पूर्वाग्रही रवैयों से भारत के संसदीय लोकतंत्र का भला नहीं हो रहा है।

बेटियां क्या पहनकर बाहर निकलें

पटना में एक डाक्टर को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उसका हिजाब खींचने की घटना की पूरी देश-दुनिया में थू-थू हो रही है, आश्चर्य की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी इस पर चुप्पी साध लीं है बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले ही पढ़ी लिखी बेटी का हिजाब खींचते हैं, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए, जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो उसे कौन से कपड़े पहनने चाहिए, पीएम मोदी को इस पर चुप्पी साधने की बजाय बताना चाहिए कि बेटियां क्या पहनकर बाहर निकलें, बेटियां छोटे कपड़े पहनें तो दिक्कत, हिजाब पहनें, तो दिक्कत, लेकिन असल में दिक्कत बेटियां नहीं, दिक्कत खुद आप हैं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारा अच्छा है, लेकिन जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो वह क्या कपड़े पहने हैं, टाइट कपड़े पहने थे, तो गलती उसकी थी, अब कहा जा रहा है, उसने हिजाब पहना था, गलती उसकी है।

-पवन खेड़ा, प्रमुख, कांग्रेस संचार विभाग

रोजगार के लिए गारंटी मिशन

राष्ट्रपति ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबीजीरामजी (विकसित भारत-जी राम जी) विधेयक, 2025 को अपनी स्वीकृति प्रदान की। अधि. नियम से रोजगार की वैधानिक गारंटी 125 दिनों तक बढ़ी भविष्य की अगुवाई पंचायतें करेंगी। यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाता है। इससे पूर्व, संसद ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण विधेयक, 2025 पारित किया था, जिसने भारत के ग्रामीण रोजगार और विकास ढांचे में एक निर्णायक सुधार का मार्ग प्रशस्त किया है। यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (महात्मा गांधी नरेगा) को प्रतिस्थापित करते हुए आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाला एक आधुनिक वैधानिक ढांचा प्रदान करता है, जो विकसित भारत/2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप है। सशक्तिकरण, विकास, कन्वर्जेंस और परिपूर्णता (सेचुरेशन) के सिद्धांतों पर आधारित यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को केवल एक कल्याणकारी योजना से आगे बढ़ाकर विकास का एक एकीकृत माध्यम बनाता है। यह ग्रामीण परिवारों की आय सुरक्षा को सुदृढ़ करता है, शासन और जवाबदेही को आधुनिक बनाता है तथा मजदूरी रोजगार को टिकाऊ और उत्पादक ग्रामीण परिसंपत्तियों के सृजन से जोड़ता है, जिससे समृद्ध एवं सक्षम ग्रामीण भारत की नींव और अधिक मजबूत होती है।

अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं

रोजगार की वैधानिक गारंटी में वृद्धि

यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों। (धारा 5 (1) पूर्व में उपलब्ध 100 दिनों के रोजगार के अधिकार की तुलना में यह वृद्धि ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुरक्षा प्रदान करती है, काम को पहले से अनुमानित करती है और उनकी आय को अधिक स्थिर बनाती है। इसके साथ ही उन्हें राष्ट्रीय विकास में अधिक प्रभावी और सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाती है।

कृषि और ग्रामीण श्रम के बीच संतुलित प्रावधान

बुवाई और कटाई के चरम सीजन के दौरान कृषि से संबंधित गतिविधियों हेतु कृषि श्रम की उपलब्धता आसान करने के लिए, यह अधिनियम राज्यों को एक वित्तीय वर्ष में कुल 60 दिनों की समेकित विराम अवधि अधिसूचित करने का अधिकार प्रदान करता है। श्रमिकों को मिलने वाले कुल 125 दिनों के रोजगार के अधिकार यथावत बनी रहेगी, जिसे शेष अवधि में प्रदान किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादकता और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के मध्य संतुलित समायोजन सुनिश्चित होता है।

समय पर मजदूरी भुगतान

यह अधिनियम मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा किसी भी स्थिति में कार्य की समाप्ति के पंद्रह दिनों के भीतर किए जाने को अनिवार्य करता है (धारा 5 (3), निर्धारित अवधि से अधिक विलंब होने की स्थिति में, अनुसूची-II में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार विलंब मुआवजा देय होगा, जिससे मजदूरी सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाता है और श्रमिकों को विलंब से संरक्षण प्रदान किया जाता है।

टिकाऊ और उपयोगी ग्रामीण अवसंरचना से जुड़ा रोजगार

इस अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी रोजगार को चार प्राथमिक विषयगत क्षेत्रों में टिकाऊ सार्वजनिक परिसम्पत्तियों के सृजन के साथ स्पष्ट रूप से जोड़ा गया है (धारा 4 (2), अनुसूची-I के साथ पठित)। सभी कार्य बॉटम-अप एप्रोच यानि गांव स्तर से प्रस्तावित किए जाते हैं तथा सृजित सभी परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में समेकित किया जाता है, ताकि सार्वजनिक संसाधनों का कंवर्जेंस, विखंडन से बचाव और स्थानीय जरूरत के अनुसार आवश्यक ग्रामीण अवसंरचना के निर्माण सेचूरेशन लक्ष्य के आधार पर परिणाम-आधारित योजना सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रीय स्तर पर अभिसरण के साथ विकेन्द्रीकृत योजना निर्माण

सभी कार्य 'विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं' से प्रारंभ होते हैं, जिन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर सहभागितापूर्ण प्रकियाओं के माध्यम से तैयार किया जाता है तथा ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

इन योजनाओं को पीएम गति शक्ति सहित राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ डिजिटल एवं स्थानिक रूप से एकीकृत किया जाता है, जिससे संपूर्ण-सरकार दृष्टिकोण के अंतर्गत कन्वर्जेंस संभव होता है, जबकि स्थानीय स्तर पर विकेन्द्रीकृत निर्णय निर्माण को यथावत बनाए रखा जाता है। यह एकीकृत योजना निर्माण का फेमवर्क, मंत्रालयों और विभागों को कार्यों की अधिक प्रभावी योजना बनाने और क्रियान्वयन करने में सक्षम बनाएगा, दोहराव से बचाव और सार्वजनिक संसाधनों की अपव्यय रोकने में सहायक होगा, तथा सेचूरेशन-आधारित परिणामों के माध्यम से विकास की गति को तेज करेगा।

सुधारित वित्तीय संरचना

यह अधिनियम एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जिसे राज्यों द्वारा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अधिसूचित और क्रियान्वित किया जाएगा। व्यय-साझेदारी का पैटर्न केंद्र और राज्यों के बीच 60:40, पूर्वोत्तर एवं हिमालई राज्यों के लिए 90:10 तथा विधानसभारहित केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्तपोषण का है। निधि राज्यवार मानकीकृत आवंटनों के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जो नियमों में निर्दिष्ट वस्तुनिष्ठ मानकों पर आधारित होगी (धाराएं 4 (5) एवं 22 (4), जिससे पूर्वानुमेयता, वित्तीय अनुशासन और सुदृढ़ योजना निर्माण सुनिश्चित होगा, साथ ही रोजगार तथा बेरोजगारी भत्ते से संबंधित वैधानिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण बना रहता है।

प्रशासनिक क्षमता की सुदृढ़ता

प्रशासनिक व्यय की अधिकतम सीमा को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे बेहतर मानव संसाधन उपलब्धता, प्रशिक्षण, तकनीकी क्षमता तथा मैदानी स्तर पर सहायता सुदृढ़ होती है और संस्थानों की परिणामों को प्रभावी रूप से प्रदान करने की क्षमता मजबूत होती है। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन अधिनियम, 2025, विकसित भारत/2047 के विजन के अनुरूप भारत की ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को नया और मजबूत रूप प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम का प्रतिनिधित्व करता है। प्रति वित्तीय वर्ष मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाकर, यह अधिनियम काम मांगने के अधिकार को और मजबूत करता है, साथ ही विकेन्द्रीकृत और सहभागितापूर्ण शासन को बढ़ावा देता है। यह पारदर्शी, नियम-आधारित वित्तपोषण, जवाबदेही तंत्र, प्रौद्योगिकी सक्षम समावेशन तथा कंवर्जेंस आधारित विकास को एकीकृत करता है, ताकि ग्रामीण रोजगार न केवल आय सुरक्षा प्रदान करे, बल्कि टिकाऊ आजीविकाओं, सुदृढ़ परिसंपत्तियों और दीर्घकालिक ग्रामीण समृद्धि में भी योगदान दे।

रोजगार की गारंटी और रोजगार की मांग का अधिकार

यह अधिनियम रोजगार की मांग के अधिकार को कमजोर नहीं करता है। इसके विपरीत, धारा 5 (1) सरकार पर पात्र ग्रामीण परिवारों को कम से कम 125 दिनों के गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करने का स्पष्ट वैधानिक दायित्व निर्धारित करती है। गारंटीकृत दिनों में की गई यह वृद्धि, सुदृढ़ की गई जवाबदेही और शिकायत निवारण तंत्र के साथ मिलकर, इस अधिकार की प्रवर्तनीयता को और मजबूत करती है।

-ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार

अस्तित्व का अंतहीन तर्क, स्वयंभू कायनात का सृष्टा क्यों नहीं

शाहिद मिर्ज़ा

इंसानी सभ्यता के इतिहास में ईश्वर का अस्तित्व हमेशा से सबसे बड़ी बहस का केंद्र रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में आधुनिकता और कथित प्रगतिशीलता की आड़ में इस बहस का स्तर निहायत ही सतही और अतार्किक होता जा रहा है। बीते 20 दिसम्बर को द लल्लनटॉप के मंच पर हुई एक चर्चा के दौरान मशहूर लेखक जावेद अख्तर और मुफ्ती शमाइल नदवी के बीच का संवाद आज सोशल मीडिया और वैचारिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस डिबेट में जावेद अख्तर ने एक बार फिर नास्तिकता का पुराना राग अलापते हुए ईश्वर के वजूद को सिरे से नकार दिया और तर्क दिया कि इंसान ने खुदा को बनाया है। वहीं मुफ्ती शमाइल नदवी ने अपने नजरिए से इसका जवाब देने की कोशिश की, लेकिन इस पूरी बहस ने एक ऐसे बुनियादी सवाल को जन्म दे दिया है जिसे अक्सर अनसुना कर दिया जाता है।

तर्क का दोहरा मापदंड

आस्तिक और नास्तिक के बीच तर्क की कसौटी पर देखा जाए तो एक बहुत ही मामूली सा फर्क महसूस होता है। आस्तिक जहां पूरी सृष्टि की शुरुआत को सुपर पॉवर से जोड़ते हैं, वहीं नास्तिक सृष्टि की रचना से इसको जोड़कर देखते हैं। जावेद अख्तर और उनके जैसे तमाम नास्तिक विचारकों का सबसे बड़ा दावा यह होता है कि यह असीम कायनात (ब्रह्मांड) किसी सुपरपावर ने नहीं बनाई, बल्कि यह खुद-ब-खुद वजूद में आई है। वे वैज्ञानिक थ्योरीज का सहारा लेकर यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि जीवन और ब्रह्मांड एक आकस्मिक घटना है। अब यहां मेरा एक सीधा और बुनियादी सवाल खड़ा होता है यदि यह अनंत और अविश्वसनीय रूप से जटिल कायनात बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के खुद-ब-खुद वजूद में आ सकती है, तो वह अल्लाह, खुदा या परमेश्वर खुद-ब-खुद वजूद में क्यों नहीं आ सकता? यह खुद ब खुद खुदा ईश्वर गॉड के वजूद में आने को लेकर क्यों स्वीकार नहीं हो सकती?

कायनात बनाम क्रिएटर

यह कितनी अजीब विडंबना है कि जो लोग यह मानते हैं कि खरबों आकाशगंगाएं और मानव शरीर की अद्भुत संरचना बिना किसी प्लानिंग के अचानक शून्य से प्रकट हो गई, वहीं लोग उस

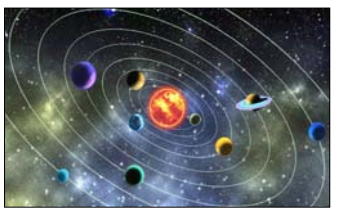

चेतन सत्ता (Conscious Intelligence) के वजूद को मानने में वैज्ञानिक साक्ष्य मांगते हैं। यदि हम विज्ञान के कारण और प्रभाव (Cause and Effect) के नियम को ही आधार मानें, तो बिना कारण के कोई कार्य संभव नहीं। अगर ब्रह्मांड एक प्रभाव है, तो उसका एक महा-कारण (First Cause) होना अनिवार्य है। नास्तिकों की समस्या यह है कि वे प्रकृति को तो स्वयंभू मान लेते हैं, लेकिन प्रकृति के रचयिता को यह दर्जा देने से इनकार करते हैं। आखिर यह दोहरा पैमाना क्यों?

शमाइल नदवी और जावेद अख्तर की बहस का सार

लल्लनटॉप की डिबेट में जिस तरह से जावेद अख्तर ने मुफ्ती शमाइल नदवी के सामने अपनी दलीलें रखीं, वह बौद्धिक चालाकी तो हो सकती है, लेकिन तार्किक सत्य नहीं। यदि प्रकृति को स्वयंभू माना जा सकता है, तो उस प्रकृति को पैदा करने वाली हस्ती को स्वयंभू मानने में क्या आपत्ति है? विज्ञान आज भी उस मकाम पर खामोश है जहां यह पूछा जाता है कि कुछ नहीं से सब कुछ कैसे बना। वहां आकर बड़े से बड़े तर्कशास्त्री मौन हो जाते हैं। क्या हम इतने अंधे हो चुके हैं कि हमें बेहतरीन पेंटिंग तो नजर आती है, लेकिन उसे बनाने वाले कलाकार के हाथ दिखाई नहीं देते?

निष्कर्ष

सच तो यह है कि ईश्वर को नकारना आज एक बौद्धिक फैशन बन गया है। बिना किसी इरादे (Will) और बिना कुन कहो कि हो जा के एक कतरा भी वजूद में नहीं आता। जो लोग कायनात को स्वयंभू मानकर ईश्वर से साक्ष्य मांगते हैं, उन्हें अपने ही तर्क के आईने में झांकना चाहिए। अगर यह दुनिया खुद बन सकती है, तो इसे बनाने वाला भी खुद-ब-खुद वजूद में हो सकता है। मुफ्ती शमाइल नदवी और जावेद अख्तर जैसे लोगों की बहसें अपनी जगह हैं, लेकिन असलियत केवल इतनी है कि उसकी कारीगरी हर तरफ मौजूद है, बस देखने के लिए अक्ल के साथ-साथ सच्चाई को स्वीकार करने का साहस चाहिए। आखिर कहां से आते हैं ये लोग जो अपनी सुविधा के अनुसार सत्य को परिभाषित करते हैं?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये लेखक के निजी विचार हैं)

कहीं सियासत में गच्चा तो नहीं खा गए थे चौ. चरण सिंह

वीरेश तरार

चौधरी चरण सिंह की राजनीति को आज जब पीछे मुड़कर देखा जाता है, तो एक सवाल लगातार कचोटता है क्या वे सियासत की चालों में गच्चा खा गए थे? यह सवाल यूं ही नहीं उठता। यह उस ऐतिहासिक विडंबना से जन्म लेता है, जहां एक गांधीवादी, किसान पक्षधर और जातिवाद-विरोधी नेता अपने ही समय में पराजित दिखता है और उसके विचारों के ठीक उलट शक्तियां आज भारतीय राजनीति की धुरी बन चुकी हैं।

चौधरी चरण सिंह का कांग्रेस से अलग होना कोई तात्कालिक राजनीतिक निर्णय नहीं था। यह एक वैचारिक विच्छेद था। उनका मानना था कि कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की नैतिक पूंजी को छोड़कर सामंती सोच और पूंजीवादी झुकाव की ओर बढ़ रही है। वे बार-बार कहते रहे कि यदि भारत को वास्तविक अर्थों में आगे बढ़ना है, तो जातिवाद को जन्म से अलग करना होगा। उनके लिए जाति सामाजिक अन्याय की जड़ थी, विकास की सबसे बड़ी बाधा थी। उन्होंने यह प्रश्न जवाहरलाल नेहरू के सामने भी रखा, लेकिन यह प्रश्न सत्ता के गलियारों में अनसुना रह गया। इसका अर्थ यही था कि कांग्रेस ब्राह्मणवादी सामाजिक ढांचे से टकराने का साहस नहीं जुटा पा रही थी। चौ. चरण सिंह का गांधीवाद किसी प्रतीकात्मक राजनीति तक सीमित नहीं था। उनके विचारों में ग्राम स्वराज, कुटीर उद्योग, सहकारिता, छोटे किसानों की प्राथमिकता और स्थानीय संसाधनों पर समुदाय का अधिकार केंद्रीय तत्व थे। वे मानते थे कि विकास का पैमाना बदले बिना भारत में गरीबी का उन्मूलन संभव नहीं है। उनका स्पष्ट कहना था कि अमीरों को संरक्षण देकर गरीबी हटाने की बात करना बौद्धिक हास्य है। उनका प्रसिद्ध तर्क था कि यदि नीचे से भरना शुरू किया जाए तो ऊपर वाला स्वयं जीवित रहेगा, लेकिन यदि नीचे वाले को इंतजार में रखा गया तो वह इंतजार में ही समाप्त हो जाएगा। चौधरी चरण सिंह ने उन्नीस सौ चौरासी के अपने चुनावी प्रसारण में 'ट्रिकल डाउन थ्योरी' को सिरे से खारिज किया था। उनका सवाल सीधा था भला अमीर क्यों गरीब के लिए छोड़ेगा? उसकी तो उपभोग करने की क्षमता ही असीम होती है। यह सिद्धांत न भारत में कभी काम आया, न दुनिया में कहीं सफल हुआ। इसके बावजूद आज भारत सहित अधिकांश देश इसी रास्ते पर चल रहे हैं। ऊपर वालों को भरने की होड़ में नीचे वाले के अस्तित्व का प्रश्न ही अप्रासंगिक बना दिया गया है।

उनकी दृष्टि में विकास केवल सड़कों, कारखानों और मुनाफे का नाम नहीं था। स्वच्छ जल, शौचालय, महिलाओं का स्वास्थ्य और छोटे किसानों की सुरक्षा उनके लिए उतने ही जरूरी प्रश्न थे। वे कहते थे कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही स्वस्थ समाज की नींव है। यदि माताएं स्वस्थ नहीं होंगी तो आने वाली पीढ़ियां भी अस्वस्थ होंगी। यह सोच अपने समय से बहुत आगे की थी, जिसे आज भी पूरी तरह समझा नहीं गया है। चौधरी चरण सिंह जातिवाद के कट्टर विरोधी थे। उन्हें लगता था कि भारतवर्ष का सबसे बड़ा शत्रु जातिवाद है। आजादी के आठ दशक बाद भी गरीब गरीब ही बना हुआ है, इसका मूल कारण वही जातिगत विभाजन है, जिसने निम्न वर्ग को सत्ता, संसाधन और अवसर से दूर

रखा। तमाम योजनाओं के बावजूद गरीबी का उन्मूलन इसलिए नहीं हो पा रहा क्योंकि उसके सामाजिक कारणों को छुआ ही नहीं गया, लेकिन यहीं पर इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना सामने आती है। कांग्रेस से अलग होने के बाद चौधरी चरण सिंह ने अपनी राजनीति के संरक्षण के लिए सांप्रदायिक शक्तियों का सहारा लिया। उत्तर प्रदेश में उन्होंने समाजवादी दलों और जनसंघ के साथ सरकारें बनाईं। यही प्रयोग उन्नीस सौ सतहत्तर में जनता पार्टी के रूप में दोहराया गया। इसका हश्र ढाई साल में ही सामने आ गया। सांप्रदायिकता ने अपने लक्ष्य साधे और सरकार गिरा दी। इससे भी अधिक चौंकाने वाली घटना यह रही कि वही जनसंघ उन्नीस सौ अस्सी में पिछले दरवाजे से इंदिरा गांधी को समर्थन देकर कांग्रेस को सत्ता में ले आया। यह आघात चौधरी चरण सिंह के लिए असहनीय था। जिन ताकतों को उन्होंने सामंतवाद और पूंजीवाद के विरुद्ध एक अस्थाई औजार समझा था, वही ताकतें उनके लिए सबसे बड़ा धोखा बन गईं। माना जाता है कि यही मानसिक आघात उनके पक्षाघात का कारण बना और कुछ ही समय बाद वे दुनिया से विदा हो गए। आज जब हम पीछे देखते हैं, तो साफ दिखाई देता है कि सांप्रदायिकता ने न केवल सत्ता पर कब्जा किया, बल्कि उसने पूंजीवादी शक्तियों से हाथ मिलाकर एक ऐसा गठजोड़ बना लिया है, जिसमें सामंतवाद, सांप्रदायिकता और पूंजीवाद तीनों एक साथ काम कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में वैश्विक पूंजीवाद को जिस स्तर का संरक्षण मिला है, वह अभूतपूर्व है। दूरसंचार से लेकर दवाइयों तक, मोटर कारों से लेकर रसायन उद्योग तककृहर क्षेत्र में कॉरपोरेट का वर्चस्व है। विडंबना यह है कि जिस कुटीर उद्योग, सहकारिता और पंचायत राज के रास्ते को गांधी और चौधरी चरण सिंह ने पूंजीवाद से बचाव का माध्यम माना था, आज उन्हीं शब्दों को मुखौटे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सहकारिता की आड़ में भी नीतियां अंततः कॉरपोरेट के हित में ही केंद्रित होती दिख रही हैं। गांधी और चरण सिंह के अनुयाई भी इस छल को समझने में विफल दिखाई देते हैं। चौधरी चरण सिंह की नीतियां आज भी भारत को इस त्रिकोणीय जाल सामंतवाद, सांप्रदायिकता और पूंजीवाद से बाहर निकालने का रास्ता दिखाती हैं, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उनके अनुयायियों में वह वैचारिक साहस बचा है? क्या वे केवल उनकी स्मृति का उपयोग करेंगे या उनके विचारों को जीवित करेंगे? यह भी कम दुखद नहीं है कि चौ. चरण सिंह की समाधि पर दशकों तक किसी प्रधानमंत्री ने श्रद्धांजलि नहीं दी। सत्ता की जरूरत पड़ने पर उन्हें भारत रत्न दिया गया, लेकिन यह सम्मान भी राजनीति की मजबूरी अधिक और वैचारिक स्वीकार्यता कम लगता है। यदि सच्चे मन से उन्हें सम्मान देना होता, तो यह बहुत पहले हो सकता था। आज जब गांधी के नाम को योजनाओं से हटाया जा रहा है, जब गांधी केवल मुद्रा पर छपे चेहरे तक सीमित कर दिए गए हैं, तब चौधरी चरण सिंह की याद हमें यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या लोकतांत्रिक भारत में वे अंतिम सच्चे गांधीवादी थे। शायद हां। और शायद यही कारण है कि उनकी राजनीति अपने समय में हार गई, लेकिन उनके विचार आज भी हमें आईना दिखाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जम्मू। पीडीपी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष व जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती।

अमेरिकी प्रशासन ने करीब 30 करियर राजनयिकों को वापस बुलाया

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार विदेशों में अमेरिकी मिशनों में राजदूत और अन्य वरिष्ठ पदों पर तैनात विदेश सेवा के करीब 30 अधिकारियों को वापस बुला रही है। एसोसिएटेड प्रेस ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। एजेंसी के अनुसार कम से कम 29 देशों में राजनयिक मिशनों के प्रमुखों को पिछले हफ्ते सूचित किया गया था कि उनका कार्यकाल जनवरी में समाप्त हो जाएगा। इन सभी ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में अपने पद संभाले थे। सबसे ज्यादा अमेरिकी राजदूतों को अफ्रीका से वापस बुलाया गया है।

संसदीय समिति ने शुरू की जेजू एयरलाइन विमान हादसे की जांच

सोल। दक्षिण कोरियाई संसदीय समिति ने पिछले वर्ष दिसम्बर में हुए एक यात्री विमान हादसा मामले की सोमवार को जांच शुरू कर दी। द. कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार नेशनल असेंबली की विशेष जांच समिति ने जेजू एयर के यात्री विमान हादसा मामले में अपनी जांच शुरू करने के लिए अपनी पहली बैठक की। यह विमान पिछले 29 दिसम्बर को राजधानी सोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर क्रैश हो गया था। जांच लगभग 40 दिनों में पूरी किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस हादसे में विमान में सवार चार क्रू मेंबर और 175 यात्रियों की मौत हो गई थी।

सिडनी के हमलावर ने पिता से सीखा बंदूक चलाना

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस की जांच में खुलासा

■ पुलिस ने इन उपकरणों को तीन एल्युमिनियम पाइप बम और एक टेनिस बाल बम बताया

सिडनी। सिडनी के बान्डी बीच पर 15 लोगों की हत्या के आरोपी व्यक्ति ने सिडनी के बाहर न्यू साउथ वेल्स राज्य के एक इलाके में अपने पिता के साथ बंदूक चलाने का प्रशिक्षण लिया था। सोमवार को जारी आस्ट्रेलियाई पुलिस एक बयान के अनुसार उन लोगों ने सुनियोजित हमले के औचित्य के बारे में एक वीडियो रिकार्ड किया था।

यह बयान सोमवार को सिडनी के एक अस्पताल से नवीद अकरम की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेशी के बाद सार्वजनिक किया गया, जहां उसकी पेट की चोट का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने 14 दिसम्बर की गोलीबारी की घटना स्थल पर अकरम को घायल कर दिया और उसके पिता, 50 वर्षीय साजिद अकरम को मार डाला। न्यू साउथ वेल्स राज्य सरकार ने पुष्टि की कि नवीद अकरम को सोमवार को अस्पताल से जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। बयान में आरोप लगाया गया है कि 24 वर्षीय युवक और उसके पिता ने बान्डी बीच पर एक वार्षिक यहूदी कार्यक्रम मना रही भीड़ की ओर चार तात्कालिक विस्फोटक उपकरण फेंककर अपना हमला शुरू किया, लेकिन उपकरण फटने में विफल रहे। पुलिस ने इन उपकरणों को तीन एल्युमिनियम पाइप बम और एक टेनिस बाल बम बताया, जिनमें विस्फोटक, काला पाउडर और स्टील बाल बियरिंग भरी हुई थीं। इनमें से कोई भी फटा नहीं, लेकिन पुलिस ने इन्हें सक्रिय आईईडी बताया। अधिकारियों ने अकरम पर 59 अपराधों का आरोप लगाया है, जिनमें हत्या के 15 मामले, घायल बच्चे लोगों के संबंध में हत्या के इरादे से नुकसान पहुंचाने के 40 मामले और एक आतंकवादी कृत्य करने का मामला शामिल है। आठ दिवसीय हनुक्का उत्सव की शुरुआत में हुआ यह यहूदी विरो. धी हमला 1996 में तस्मानिया राज्य में एक अकेले बंदूकधारी द्वारा 35 लोगों की हत्या के बाद से आस्ट्रेलिया में हुई सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना थी। न्यू साउथ वेल्स सरकार ने सोमवार को संसद में मसौदा कानून पेश किए, जिनके बारे में प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि वे आस्ट्रेलिया में सबसे सख्त कानून बन जाएंगे। नए प्रतिबंधों में बंदूक प्रशिक्षण लाइसेंस के लिए पात्रता की शर्त के रूप में आस्ट्रेलियाई नागरिकता को अनिवार्य बनाना शामिल होगा। इससे साजिद अकरम, जो स्थाई निवास वीजा धारक भारतीय नागरिक थे, लाइसेंस के दायरे से बाहर हो जाते। साजिद अकरम के पास कानूनी तौर पर छह राइफल और शाटगन भी थीं।

भारत से संघर्ष में अल्लाह की मदद मिली: मुनीर

पाक सेना प्रमुख बोले: नहीं तो हालात बिगड़ जाते, मई में भारत ने तबाह किए थे 11 पाक एयरबेस

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत के साथ मई में हुए सैन्य संघर्ष में अल्लाह की मदद मिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमने इसे महसूस किया, जिसकी वजह से हालात पूरी तरह बिगड़ने से बच गए। मुनीर ने यह बयान 10 दिसम्बर को इस्लामाबाद में हुई नेशनल उलेमा कान्फ्रेंस में दिया। उनके भाषण के वीडियो क्लिप रविवार को लोकल टीवी चैनलों पर दिखाए गए।

भारत ने 7 मई को 'आपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिन तक भारी गोल. ाबारी और सैन्य टकराव हुआ, जो 10 मई को समझौते के बाद रुका। संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह कर दिए थे। अपने भाषण में मुनीर ने धार्मिक बातों पर जोर देते हुए पाकिस्तान की तुलना 1400 साल पहले पैगंबर मोहम्मद द्वारा स्थापित इस्लामी राज्य से की। उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं और कहा कि इस्लामी दुनिया में पाकिस्तान को खास दर्जा मिला है। मुनीर ने कहा कि दुनिया में 57 इस्लामी देश हैं, लेकिन अल्लाह ने पाकिस्तान को हरमैन शरीफैन यानी मक्का और मदीना की हिफाजत का सम्मान दिया है। मुनीर ने पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा हालात पर भी बात की और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से कहा कि वह पाकिस्तान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) में से किसी एक को चुने। मुनीर का आरोप है कि पाकिस्तान में घुसपैठ करने वाले टीटीपी के आतंकियों में करीब 70 प्रतिशत अफगान हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या पाक नागरिकों के खून के लिए अफगानिस्तान जिम्मेदार नहीं है। मुनीर ने यह भी कहा कि किसी इस्लामी देश में जिहाद का ऐलान करने का अधिकार सिर्फ उस देश को होता है। बिना सरकार की इजाजत कोई फतवा जारी नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान की ज्यादातर आंतरिक समस्याओं के लिए अफगानिस्तान से आए हुए लोग जिम्मेदार हैं। आसिम मुनीर पहले भी कई बार कट्टरपंथी बयान दे चुके हैं। उन्होंने इसी साल अप्रैल में कहा था कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंद. ओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा था-आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई। पाकिस्तान सरकार ने 4 दिसम्बर को आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ आफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) नियुक्त किया था। दोनों पदों पर उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। मुनीर पाकिस्तान के पहले सैन्य अधिकारी हैं जो एकसाथ सीडीएफ और सीओएएस दोनों पद संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नियुक्ति की सिफारिश करते हुए राष्ट्रपति को समरी भेजी थी। मुनीर को इसी साल फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था। पाकिस्तानी संसद ने 12 नवम्बर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था।

■ मुनीर ने यह बयान 10 इस्लामाबाद में हुई नेशनल उलेमा कान्फ्रेंस में दिया
■ उनके भाषण के वीडियो क्लिप रविवार को लोकल टीवी चैनलों पर दिखाए गए

आसिम मुनीर को सऊदी अरब सर्वोच्च नागरिक सम्मान

इस्लामाबाद/रियाद। पाकिस्तान के आर्मी चीफ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान सऊदी अरब ने मुनीर को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज मेडल आफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया है। मुनीर को यह सम्मान सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने रियाद में दिया है। इसको लेकर सेना ने सोमवार को कहा कि सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने एक शाही फरमान जारी कर फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को किंग अब्दुलअजीज मेडल आफ एक्सीलेंट क्लास से सम्मानित किया है, जो सऊदी अरब का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। इस दौरान सऊदी नेतृत्व ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की व्यावसायिकता और रणनीतिक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। इस सम्मान के जरिए सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ अपने मजबूत संबंधों को और भी मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है।

हिरोशिमा ने सरकार से परमाणु-मुक्त सिद्धांतों का पालन करने का किया आग्रह

टोक्यो। जापान के हिरोशिमा प्रांत ने सोमवार को सरकार से देश के परमाणु-मुक्त सिद्धांतों का पालन करने का आग्रह किया। क्योटो न्यूज के अनुसार, हिरोशिमा प्रांत की विधानसभा ने सर्वसम्मति से जारी बयान में परमाणु हथियारों के तीन सिद्धांतों की समीक्षा को लेकर स्थानीय चिंताओं का हवाला दिया गया। इन सिद्धांतों के तहत जापान में परमाणु हथियारों के कब्जे, उत्पादन या प्रवेश की अनुमति देने पर रोक हैं। बयान में कहा गया कि परमाणु बमबारी झेलने वाला एकमात्र देश होने के नाते परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व की प्राप्ति की दिशा में निरंतर प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। यह बयान प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के नेतृत्व वाली सरकार में सुरक्षा नीति तैयार करने में शामिल एक अधिकारी के हालिया बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जापान को परमाणु हथियार रखने चाहिए। इस बयान से स्थानीय लोगों, जिनमें परमाणु बम हमले में बचे लोग भी शामिल हैं, की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा परमाणु बमों से तबाह हुए हिरो. शिमा और नागासाकी प्रांतों या नगर विधानसभाओं द्वारा देश के परमाणु-विरोधी सिद्धांतों पर पुनर्विचार के संबंध में यह पहली लिखित राय है।

न्याय विभाग ने फिर जारी की राष्ट्रपति ट्रम्प की तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिका के न्याय विभाग ने जेफरी एपस्टीन के हाल ही में जारी दस्तावेजों की एक तस्वीर फिर से जारी की है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नजर आ रहे हैं। विभाग ने कहा है कि इस तस्वीर में कोई भी एपस्टीन पीड़ित नहीं दिखाया गया है। न्याय विभाग ने दक्षिणी जिला न्यूयार्क की ओर से पीड़ितों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम के बाद इस तस्वीर को अस्थाई रूप से हटा दिया था।

न्याय विभाग ने एक पोस्ट में कहा, दक्षिणी जिला न्यूयार्क ने पीड़ितों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प की एक तस्वीर पर संभावित कार्रवाई के लिए संकेत दिया था। सावधानी के तौर पर, न्याय विभाग ने समीक्षा के लिए तस्वीर को अस्थाई रूप से हटा दिया था। समीक्षा के बाद यह पाया गया कि तस्वीर में कोई एपस्टीन पीड़ित नहीं है, इसलिए इसे बिना किसी बदलाव के फिर से प्रकाशित किया गया है। इसके पहले सीएनएन ने बताया था कि एपस्टीन दस्तावेजों से जुड़ी 16 फाइलें न्याय विभाग की वेबसाइट से हटा दी गई हैं। इनमें से एक हटाई गई फाइल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर थी। अन्य हटाई गई फाइल में ज्यादातर स्पष्ट चित्र, डाक पेटियों वाले खांचे (स्लाट) टाइल से बना गलिया और नाम व अपार्टमेंट के नंबर वाली नोटबुक के पन्ने शामिल थे। न्याय विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है और केवल वैधानिक रूप से आवश्यक जानकारी को ही छिपाएगा। विभाग को कानून के तहत पीड़ितों, नाबालिगों या संभावित पीड़ितों की पहचान और संवेदनशील जानकारी को छिपाना होता है। विभाग ने यह भी कहा कि कोई भी जानकारी प्रसिद्ध लोगों या राजनीतिक रूप से संवेदनशील व्यक्तियों बचाने के लिए छिपाई नहीं गई है और भविष्य में भी नहीं छिपाई जाएगी। न्याय विभाग को पीड़ितों और उनके वकीलों की ओर से कुछ जानकारी हटाने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

न्याय विभाग ने दक्षिणी जिला न्यूयॉर्क की ओर से पीड़ितों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम के बाद इस तस्वीर को अस्थायी रूप से हटा दिया था

भारतीय मूल के युवक की धमकी पर चर्च के कार्यक्रम रद्द

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक सिंगापुरवासी व्यक्ति पर एक चर्च में झूठी आतंकवादी धमकी देने का आरोप लगाया गया। इस कारण रविवार की सभी प्रार्थना सभाएं रद्द कर दी गईं।

कोकुलानंथन मोहन, जिन पर संयुक्त राष्ट्र (आतंकवाद विरोधी उपाय) विनियमों के विनियमन 8(2)(ए) के तहत अपराध का आरोप लगाया गया है। उन्होंने ऊपरी बुकिट तिमाह क्षेत्र में सेंट जोसेफ चर्च में एक संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक पाश आवासीय क्षेत्र शामिल है। चार्जशीट के अनुसार 26 वर्षीय व्यक्ति पर रविवार को सुबह लगभग 7.11 बजे चर्च में तीन कार्डबोर्ड रोल रखने का आरोप है, जो पत्थर के कंकड़ों से भरे हुए थे और जिनमें उभरे हुए लाल तार लगे हुए थे, जिन्हें काले और पीले चिपकने वाले टेपों से एक साथ बांधा गया था। यह कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति को इस झूठे विश्वास में डालने के इरादे से किया गया था कि वस्तु में विस्फोट या आग लगने की संभावना है और इस प्रकार व्यक्तिगत चोट या संपत्ति को नुकसान हो सकता है। सिंगा. पुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि उस व्यक्ति ने कथित तौर पर चर्च परिसर के भीतर एक खुद से बनाई वस्तु रखकर घटना को अंजाम दिया था, जो एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण से मिलती जुलती थी। माना जाता है कि उसने अकेले ही यह काम किया था, और फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं है. जिससे यह पता चले कि यह धार्मिक रूप से प्रेरित हमला था या आतंकवादी कृत्य था। चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हेंनें आरोपी की मनोरोग संबंधी मूल्यांकन के लिए तीन सप्ताह के लिए हिरासत में लिया गया है और वे 12 जनवरी को अदालत में वापस आएंगे।

■ चार्जशीट के अनुसार 26 वर्षीय व्यक्ति पर सुबह लगभग 7.11 बजे चर्च में तीन कार्डबोर्ड रोल रखने का आरोप

अमेरिकी सांसद ने की बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या की निंदा

बांग्लादेश सरकार को तेज और संपूर्ण तरीके से पारदर्शी जांच करनी चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिका में एक डेमोक्रेट सांसद ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या करने की निंदा करते हुए बंगलादेश प्रशासन से धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने का आग्रह किया है।

इलिनॉइस के डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सोमवार को कहा कि वे बंगलादेश में खतरनाक अस्थिरता के बीच दीपू चंद्र दास की लक्षित हत्या से 'स्तब्ध' हैं। कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा कि बंगलादेश सरकार को तेज और संपूर्ण तरीके से पारदर्शी जांच करनी चाहिए और इस घटना के जिम्मेदार लोगों को कानून सजा देनी चाहिए। इसके अलावा, हिंदू समुदायों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। बंगलादेशी अधिकारियों ने ईश निंदा के आरोपों में दीपू चंद्र दास (25) की हत्या से जुड़े 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह हमला गुरुवार को मेमन. सिंह शहर में हुआ था। बंगलादेश की रैपिड एक्शन बटालियन ने सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जबकि पुलिस ने तीन अन्य को हिरासत में लिया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गिरफ्तारियों की पुष्टि की और पूरी जांच का वादा किया। सरकार ने पूरी जांच का वादा करते हुए सभी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की प्रतिबद्धता जताई है। गौरतलब है कि मुस्लिम बहुल बंगलादेश में हिंदू अल्पसंख्यक हैं और वहां साम्प्रदायिक हिंसा का इतिहास रहा है।

■ घटना के जिम्मेदार लोगों को कानूनन सजा देनी चाहिए: कृष्णमूर्ति

ऑस्ट्रेलिया में पीएम अल्बनीज को हटाने की मांग

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है। याचिका से जुड़ी वेबसाइट चेंजडॉटऑर्ग के अनुसार, अब तक तीन लाख 10 हज़ार लोग इस याचिका पर हस्ताक्षर कर चुके हैं।

सिडनी बीच आतंकवादी हमले के पीड़ितों को 21 दिसम्बर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अल्बानीज के खिलाफ भीड़ ने नारेबाजी की थी, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को एक सुरक्षित जगह पर ले जाना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लोगों ने उन्हें कमज़ोर कहा और चिल्लाकर कहा कि उनके हाथ खून से सने हैं।

■ तीन लाख लोगों ने किए याचिका पर हस्ताक्षर

याचिका में लिखा था कि बॉन्डी बीच पर हाल की दुखद घटनाओं और राष्ट्रीय चिंताओं को देखते हुए, अब देश के नेतृत्व पर ध्यान देने का समय आ गया है। कई निर्दोष लोगों की जान लेने वाली बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी हमारे समाज को सुरक्षित रखने के लिए ज़रूरी कार्रवाई की एक और याद दिलाती है। इस इस्ताक्षर याचिका पर बड़े पैमाने पर आप्रवासन पर चिंता जताई है, ज़िसका ऑस्ट्रेलिया में विरोध हो रहा है। याचिका में कहा गया कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की नीति जनता की राय से मेल नहीं खाती एवं सरकार और लोगों के बीच खाई बढ़ाती है। याचिका में लिखा है कि हमें ऑस्ट्रेलियाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए उन लोगों के लिए एक बेहतर छानबीन नीति की ज़रूरत है जिन्हें हम इस देश में लाते हैं। उल्लेखनीय है कि 14 दिसम्बर को दो आतंकवादियों ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर भीड़ पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक हमलावर सहित 16 लोगों की मौत हो गई जबकि 40 अन्य घायल हो गए। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने हमलावरों की पहचान 50 वर्षीय साजिद अकरम और उसके 24 साल के बेटे नावेद अकरम के तौर पर की। यह हमला तब हुआ जब बीच पर यहूदी समुदाय के लोग हनुक्का पर्व मना रहे थे।

अल्बानीज ने बॉन्डी बीच आतंकी हमले को लेकर यहूदी समुदाय से माफ़ी मांगी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने नफरती भाषण से निपटने के लिए नया कानून बनाने का वादा करते हुए बॉन्डी बीच पर यहूदियों पर की गई सामूहिक गोलीबारी के बाद देश के यहूदी समुदाय से माफी मांगी है। अल्बानीज ने कैनबरा में सोमवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वे सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार हनुक्का के आयोजन में 15 लोगों की गोलीबारी से मौत के लिए 'जिम्मेदारी का बोझ' महसूस करते हैं।

शेंगेन में रूसी राजनयिकों पर यात्रा प्रतिबंध भेदभावपूर्ण: रूस

मॉस्को। रूस ने कहा है कि यूरोपीय संघ की ओर से शेंगेन क्षेत्र में रूसी राजनयिकों की आवाजाही पर लगाया गया प्रतिबंध स्पष्ट तौर पर भेदभावपूर्ण नीति के तहत लिया गया निर्णय है।

स्विट्जरलैंड में रूसी राजदूत सर्गेई गार्मोनिन ने रूसी न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से यह बात कही। गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ 19वें प्रतिबंध पैकेज के तहत यूरोपीय संघ में रूसी राजनयिकों की आवाजाही उस देश तक सीमित कर दी थी जहां वे मान्यता प्राप्त हैं। इसके अलावा रूसी राजनयिकों और उच्चायोग के कर्मचारियों को अधिकारियों को सूचित करना होगा यदि वे किसी अन्य यूरोपीय संघ सदस्य देश की यात्रा करने या वहां से गुजरने का इरादा रखते हैं। ये प्रतिबंध 25 जनवरी, 2026 से लागू होने वाले हैं। गार्मोनिन ने कहा कि अब तक बर्न में रूसी दूतावास को स्विस पक्ष से कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इससे स्पष्ट हो रहा है कि स्विट्जरलैंड यूरोपीय संघ की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया दिये जाने का इंतजार कर रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है यह स्पष्ट रूप से एक भेदभावपूर्ण नीति है। उधर, रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुशको ने कहा है कि यूरोपीय संघ द्वारा रूसियों को मल्टी-एंट्री शेंगेन वीजा जारी करने पर प्रतिबंध और रूसी राजनयिकों की आवाजाही पर प्रतिबंध के बाद रूस पहले से ही जवाबी उपायों पर काम कर रहा है।